{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 24 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 239
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अजय राय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अजय राय के अलावा पूर्व कांग्रेस कमेटी सचिव बृजराज अहिरवार और कांग्रेस पार्टी के 30 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर महोबा जिले में 22 मई को आयोजित एक राजनीतिक सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी और सार्वजनिक व्यवस्था के कथित उल्लंघन के आरोप में दर्ज की गई है। महोबा के कोतवाली नगर पुलिस स्टेशन में भाजपा जिला कार्यकारी समिति के सदस्य और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता नीरज रावत द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, समद नगर इलाके में राजकुमार अहिरवार के आवास पर बिना पूर्व प्रशासनिक अनुमति के एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

आजम खां की सजा तीन साल बढ़ी

रामपुर। सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला आजम से जुड़े दो पैन कार्ड मामले में एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सरकार की अपील मंजूर करते हुए आजम खां की सजा सात वर्ष से बढ़ाकर 10 साल कर दी है। साथ ही उन पर लगाया गया 50 हजार रुपये का जुर्माना बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। हालांकि अब्दुल्ला आजम को राहत मिली है। उनकी सात साल की सजा बरकरार रखी गई है लेकिन जुर्माने की राशि बढ़ा दी गई। पहले उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। जिसे बढ़ाकर चार लाख रुपये कर दिया गया है। यानी जुर्माने में साढ़े तीन लाख रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस मामले में नवंबर 2025 में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आजम खां और अब्दुल्ला आजम दोनों को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

सेंट्रल बैंक की 8 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 2380 करोड़ की बोली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी 8 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) प्रक्रिया शुरू की है। इस हिस्सेदारी बिक्री के जरिए सरकार को करीब 2,380 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार निवेशकों ने पहले दिन इस इश्यू को अच्छा प्रतिसाद दिया और बोली निर्धारित हिस्से से कई गुना अधिक पहुंच गई।

महंगाई का झटका : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि...

42 महीने के चरम पर महंगाई!

-भारत में 10 दिन में पांच रुपये तक महंगे हुए पेट्रोल-डीजल, सीएनजी में कुल चार रूपए प्रति किलो का इजाफा
-सरकार के फैसले से केवल इंधन ही नहीं बल्कि आम जनता की रोटी भी हो रही महंगी
-कांग्रेस बोली- सरकार को सिर्फ तेल कंपनियों के फायदे की चिंता है, जनता भगवान भरोसे

नई दिल्ली। देशभर में महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को एक और बड़ा झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में एक बार फिर इजाफा कर दिया है। पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में करीब पांच रुपये प्रति लीटर तक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चुनाव के बाद कीमतों में लगी रोक हटने से परिवहन लागत बढने और अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढने की चिंताएं गहरा गई हैं। ईंधन महंगा होने से सीधा असर माल ढुलाई और परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर जरूरी चीज महंगी हो सकती है। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर बढकर 3.48 प्रतिशत और थोक महंगाई दर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिसका मुख्य कारण ईंधन और ऊर्जा की लागत बढ़ना ही है। विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने और चालू खाता घाटे को बढने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों और सरकारी विभागों से ईंधन बचाने, रिमोट वर्किंग अपनाने और गैर-जरूरी यात्राएं कम करने की अपील की है। कई राज्य सरकारों ने भी अपने विभागों को यात्रा कम करने के निर्देश दिए हैं।

नवीनतम संशोधन के तहत देश भर में पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। 15 मई से अब तक 10 दिनों से भी कम समय में यह कुल इजाफा लगभग 5 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं, सीएनजी के दाम भी 1 रुपये बढकर दिल्ली में 81.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जिससे सीएनजी में हालिया कुल बढ़ोतरी 4 रुपये प्रति किलो हो गई है। महानगरों की बात करें तो मुंबई में पेट्रोल 108.49 रुपये और डीजल 95.02 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

क्रूड तेल की कीमतों में उछाल

ईंधन की कीमतों में इस भारी बढ़ोतरी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों का अस्थिर होना है। फरवरी के अंत से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके पीछे अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमले और वैश्विक तेल पारगमन के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपमेंट में आई बाधाएं मुख्य वजह हैं। इसके अलावा, कमजोर रुपया और रिफाइनिंग मार्जिन का कड़ा होना भी आयात लागत को तेजी से बढ़ा रहा है। अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें स्थिर रखी गई थीं, जिसमें केवल राष्ट्रीय चुनावों से ठीक पहले मार्च 2024 में दो रुपये की कटौती की गई थी। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार ने प्रमुख राज्यों के चुनावों के कारण कीमतों में संशोधन में देरी की। 15 मई को पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सत्तारूढ़ भाजपा की जीत के बाद यह रोक हटा ली गई और कंपनियों ने दाम बढ़ाने शुरू कर दिए।

तेल कंपनियों को रोजाना 750 करोड़ का नुकसान

लगातार बढ़ोतरी के बावजूद तेल कंपनियां भारी घाटा सह रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, 15 मई की बढ़ोतरी से घाटा कम जरूर हुआ, लेकिन सरकारी तेल कंपनियां अभी भी हर दिन लगभग 750 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, हालिया बढ़ोतरी के बाद भी तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल पर 10 रुपये और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

कब तक पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाएंगे

कांग्रेस ने सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए आगे कहा कि कभी तो जनता के भले के बारे में सोच लो, कब तक पूंजीपतियों का फायदा कराते रहोगे? वहीं, टीएमसी प्रवक्ता साकेत गोखले ने कहा कि 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। हर 3 दिन में ईंधन की कीमतें लगभग 1 रुपए बढ़ जाती हैं। सरकार गिरते रुपए को संभाल नहीं पा रही है, इसलिए उम्मीद करें कि जुलाई तक, कम से कम हर कुछ दिनों में कीमतें बढ़ती रहेंगी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि हमें प्रधानमंत्री और मंत्रियों के खर्च में कटौती वाले दिखावे की जरूरत नहीं है, जो वे कैमरों के लिए करते हैं। हमें ऐसी सरकार चाहिए जो अर्थव्यवस्था चलाने के बुनियादी तरीकों को समझती हो, और जिसका ध्यान शासन-प्रशासन पर हो, न कि पीआर पर।

तेल सस्ता तो मुनाफा सरकार का, महंगा तो बोझ जनता पर

पेट्रोल-डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 12 वर्षों में महंगाई को कमाई का जरिया बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी और आरबीआई के इमरजेंसी फंड के जरिए जनता से करीब 57 लाख करोड़ रुपये वसूले गए। सुरजेवाला ने कहा कि सिर्फ 12 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन बार बढ़ोतरी कर आम आदमी की कमर तोड़ दी गई। 15 मई को 3, 19 मई को 90 पैसे और 23 मई को 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। इसके बाद पेट्रोल 100 पार और डीजल 92 प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने इसे चुनाव खत्म होते ही महंगाई बढ़ाने का भाजपा मॉडल बताया। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि 2014 में जब कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर था, तब पेट्रोल 71 और डीजल 56 प्रति लीटर था, जबकि अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में औसत कीमत कम होने के बावजूद आम जनता महंगा ईंधन खरीदने को मजबूर है। उनके मुताबिक यदि तेल कीमतों के हिसाब से राहत दी जाती तो पेट्रोल 61 और डीजल 57 प्रति लीटर होना चाहिए था।

अमेरिकी विदेश मंत्री का दिल्ली दौरा-

पीएम मोदी को व्हाइट हाउस आने का न्यौता

रणनीतिक साझेदारी पर एक घंटे का मंथन

नई दिल्ली,। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अपने भारत दौरे के दौरान नई दिल्ली पहुंचे और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस अहम बैठक में रुबियो ने प्रधानमंत्री मोदी को व्हाइट हाउस आने का औपचारिक निमंत्रण दिया। करीब एक घंटे तक चली उच्चस्तरीय वार्ता में दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग सहित कई रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई।

ट्रंप सरकार में विदेश मंत्री बनने के बाद रुबियो का यह पहला भारत दौरा है। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद यह पहली उच्चस्तरीय बैठक हुई है। यह दौरा उस महत्वपूर्ण समय में हो रहा है, जब क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी प्रस्तावित है, जिससे इसके राजनीतिक और रणनीतिक मायने बढ़ जाते हैं।

अपने दौरे की शुरुआत कोलकत्ता से करने के बाद, अमेरिकी विदेश मंत्री जयपुर और आगरा का दौरा करने वाले है। इस दौरे को अमेरिका की ओर से भारत के साथ संबंधों को नई दिशा देने और द्विपक्षीय जुड़ाव को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय बैठक के बाद, रुबियो जयपुर और आगरा के लिए रवाना हो जाएंगे। जहां वे विभिन्न संस्थानों और प्रतिनिधियों से मुलाकात करने वाले है। इसके उपरांत, वे 26 तारीख को होने वाली क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने वाले है। जहां कई वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों पर चर्चा होगी। अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ मुलाकात पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया देकर लिखा, भारत और अमेरिका दुनिया की भलाई के लिए आगे भी मिलकर काम करते रहने वाले है। यह बयान दोनों देशों के बीच मजबूत और सहयोगी संबंधों को रेखांकित करता है।

बैठक में भारत-अमेरिका संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर विस्तार से विमर्श हुआ। एक घंटे चली चर्चा में सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने, व्यापारिक साझेदारी को नई गति देने और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। इस अहम बैठक में भारत की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद थे, जबकि अमेरिका की ओर से विदेश मंत्री रुबियो के साथ भारत में अमेरिकी राजदूत ने भी हिस्सा लिया। रविवार को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता का एक और दौर प्रस्तावित है, जिसमें आगे की रणनीतियों पर मंथन होगा।

देश में गर्मी का टॉर्चर

यूपी के बांदा में पारा 47डिग्री, मप्र-राजस्थान समेत 11 राज्यों में 40 डिग्री से 47 डिग्री पारा

तेलंगाना में हीटवेव से 16 मौतें

नई दिल्ली/भोपाल। देश का अधिकांश हिस्सा तेज गर्मी और लू की चपेट में है। तेलंगाना में अब तक गर्मी और हीटवेव की वजह से 16 मौतें हो चुकी हैं। राज्य के राजस्व मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के 11 राज्यों में तापमान 40 डिग्री से 47 डिग्री के बीच रहा। इन 11 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। सबसे ज्यादा तापमान यूपी के बांदा में 47 डिग्री और एमपी के नौगांव में 46.8 डिग्री रहा। अगले 2 दिन तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 4 की मौत

बिहार के अररिया, जहानाबाद, नालंदा और सुपौल में शुक्रवार को बारिश हुई। यहां बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। जम्मू-कश्मीर के जोजिला और उत्तराखंड के चमोली-पिथौरागढ़ में बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पाकिस्तान के ऊपर और एक बिहार के आसपास बना हुआ है। साथ ही अरब सागर में एक लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। इसके चलते आज कई राज्यों में मौसम बदल सकता है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के साथ लक्षद्वीप में बारिश की संभावना है। महाराष्ट्र और गोवा में बारिश हो सकती है।

नीट पेपर लीक मामले में फिजिक्स टीचर सस्पेंड

-30 जून को था रिटायरमेंट

मुंबई। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार सीनियर फिजिक्स लेक्चरर मनीषा संजय हवलदार को स्कूल प्रबंधन ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। सेठ हीरालाल सरस्वती प्राशाला के सचिव डॉ. सतीश गावड़े ने बताया कि मनीषा वर्ष 1992 से संस्थान में फिजिक्स की लेक्चरर थीं और 30 जून को रिटायर होने वाली थीं। प्रबंधन ने इस मामले को छात्रों, संस्थान और देश के साथ विश्वासघात करार देते हुए हाई लेवल इंटरनल जांच कमेटी गठित की है। डॉ. गावड़े ने कहा कि संस्थान को इस गतिविधि की कोई जानकारी नहीं थी। जांच एजेंसियों के अनुसार मनीषा एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया में एक्सपर्ट के तौर पर शामिल थीं और उन्हें फिजिक्स प्रश्नपत्र तक पहुंच हासिल थी। आरोप है कि अप्रैल 2026 में उन्होंने कुछ सवाल अन्य आरोपी के साथ साझा किए थे। 3 मई को आयोजित नीट परीक्षा के बाद पेपर लीक की खबर सामने आई थी। इस मामले में अब तक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिल्यानगर से 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इधर, एनटीए ने परीक्षा रद्द होने के बाद फीस रिफंड के लिए विशेष पोर्टल भी शुरू किया है। उम्मीदवार 27 मई तक अपने बैंक खाते की जानकारी जमा कर सकेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट से निजी स्कूलों को बड़ी राहत- फीस बढ़ाने के लिए अब पूर्व अनुमति नहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने निजी स्कूलों को फीस वृद्धि के मामले में महत्वपूर्ण राहत दी है। दिल्ली की अदालत ने फैसला सुनाया है कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाने के लिए उन्हें शिक्षा निदेशालय (डीओआई) से पूर्व अनुमति लेने की जररुत नहीं है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभरानी की पीठ ने फीस वृद्धि संबंधी निदेशालय द्वारा जारी कई सर्कुलरों को रद्द किया। अपने 120 पन्नों के विस्तृत फैसले में, हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम की धारा 17(3) के तहत स्कूलों पर केवल इतना दायित्व है कि वे नए सत्र से पहले अपनी प्रस्तावित फीस का विवरण निदेशालय के पास दाखिल करें। हालांकि, अदालत ने साफ किया कि यदि फीस सत्र शुरू होने के बाद बढ़ाई जाती है, तब उसके लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

दिल्ली की अदालत ने शिक्षा निदेशालय की कार्रवाई पर भी कड़ी टिप्पणी की, यह कहते हुए कि निदेशालय ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य किया और सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट के पुराने फैसलों की अनदेखी की, जिससे अभिभावकों और स्कूलों दोनों को अनावश्यक कठिनाई का सामना करना पड़ा। संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से, हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि विभिन्न स्कूलों द्वारा प्रस्तावित अंतिम फीस वृद्धि अप्रैल 2027 से ही लागू होगी। इसके साथ ही, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि स्कूल पिछली शैक्षणिक अवधि के लिए किसी भी अभिभावक या छात्र से बकाया फीस या अन्य शुल्क की वसूली नहीं कर सकते। अदालत ने कहा कि किसी स्कूल के पास अधिशेष फंड होना मात्र इस बात का आधार नहीं हो सकता कि वह व्यावसायिकता या मुनाफाखोरी कर रहा है। इस तरह के आरोपों की जांच के लिए निदेशालय को विधिवत वित्तीय ऑडिट कराना होगा।

राघव चड्ढा बने संसद की पिटीशन कमेटी के अध्यक्ष

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को छोड़ भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा को संसद की पिटीशन कमेटी (याचिका समिति) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने समिति का पुनर्गठन करते हुए 10 सदस्यों को इसमें शामिल किया है। नई समिति में राघव चड्ढा के अलावा हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुबाशीष खुंटिया, रोंगवरा नरजारी और संदोष कुमार पी. को सदस्य बनाया गया है। पिटीशन कमेटी संसद की महत्वपूर्ण समितियों में से एक मानी जाती है। यह समिति नागरिकों द्वारा संसद के समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं और जनहित से जुड़े मामलों की समीक्षा कर अपनी सिफारिशें देती है। यहां बताते चलें कि राघव चड्ढा आप में रहते हुए पंजाब से राज्यसभा सांसद चुने गए थे। इसके बाद 24 अप्रैल, 2026 को उन्होंने आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से ज्यादा यानी कुल सात राज्यसभा सांसदों के साथ पार्टी छोड़ दी थी और बीजेपी का दामन थाम लिया था।

कुछ ना कहना

भारत बन रहा भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनर, युवाओं को मिल रहे नए अवसर- पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19वें रोजगार मेला के तहत देश के विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालकर कहा कि पूरी दुनिया आज भारत के युवाओं की क्षमता, उसकी तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रगति से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि भारत अब एक भरोसेमंद ग्लोबल सप्लाई चेन पार्टनर के रूप में उभर रहा है, जिसका सीधा और सबसे बड़ा लाभ देश के युवाओं को मिलने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हालिया पांच देशों के दौरे का जिक्र कर बताया कि उनकी यात्रा के दौरान वैश्विक नेताओं और बड़ी कंपनियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें हर जगह भारत के विकास और भारतीय युवाओं की क्षमता को लेकर असीम आशावाद महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है। इस भावना के साथ भारत विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक साझेदारियां कर रहा है ताकि देश के युवाओं को रोजगार के नए मौके, वैश्विक अनुभव और उन्नत तकनीकी एक्सपोजर मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन और कृषि जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चर्चाओं का उल्लेख किया। स्वीडन के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इनोवेशन पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है, जबकि नॉर्वे के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और समुद्री क्षेत्र में भागीदारी को आगे बढ़ाया गया। यूएई के साथ रणनीतिक ऊर्जा और प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं, वहीं इटली के साथ रक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी पर सहमति बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वस्त किया कि इन सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों और साझेदारियों का सीधा लाभ भारत के युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हर नया निवेश, प्रत्येक तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक सहयोग युवाओं के लिए अनगिनत रोजगार और प्रगति के मौके लेकर आता है।

पेयजल संकट ने ली 3 आदिवासी छात्राओं की जान

रायसेन। मप्र में भीषण गर्मी और जल संकट अब जानलेवा साबित होने लगा है। एक तरफ रायसेन जिले में पानी भरने गई तीन आदिवासी छात्राओं की कुएं में डूबने से मौत हो गई, तो दूसरी ओर छिंदवाड़ा में उभरती कराटे और ताइक्वांडो खिलाड़ी केशिका चौरे की भी कुएं में गिरने से जान चली गई।

रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील स्थित सगौर गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। गांव के लोगों को करीब एक किलोमीटर दूर कुएं से पानी लाना पड़ता है। शनिवार सुबह चार छात्राएं पानी भरने के लिए कुएं पर पहुंची थीं। इसी दौरान वे नहाने लगीं और अचानक एक छात्रा का पैर फिसल गया। अपनी सहेली को बचाने के लिए दूसरी और फिर तीसरी छात्रा भी कुएं में कूद गई, लेकिन गहरे पानी में तीनों की डूबने से मौत हो गई।

पानी भरने गईं छात्राएं नहीं लौटीं घर

रायसेन हादसे में मृत छात्राओं की पहचान राधा पिता हलके राम (12), अमृता पिता रामगोपाल (12) और तनु पिता हलके राम (13) के रूप में हुई है। राधा और अमृता पांचवीं कक्षा में पढ़ती थीं, जबकि तनु आठवीं की छात्रा थी। तनु और राधा सगी बहनें थीं। घटना के समय चौथी छात्रा अमीना भी मौके पर मौजूद थी। उसने गांव पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गांववाले बच्चियों को कुएं से निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

आम जनता पर फिर महंगाई का झटका

09 दिनों में तीसरी बार बढ़े पेट्रोल डीजल के दाम, 9 दिनों में 5 रु प्रतिलीटर का हुआ इजाफा

पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे हुआ महंगा, आगे भी दाम बढ़ने की आंशका

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पहले से महंगाई की मार झेल रहे आम नागरिकों के लिए एक और बुरी खबर है।मिडिल-ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच आम जनता की जेब पर महंगाई का बोझ बढ़ता ही जा रहा है।शनिवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है।पिछले 09 दिनों में ये तीसरी बार है जब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं।इससे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमत 3-3 रुपए बढ़ाई गई थी।फिर 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे महंगा हुआ था।अब एक बार फिर 23 मई को पेट्रोल के दाम में 87 पैसे तो वही डीजल के दाम में 91 पैसों की बढ़ोतरी की गई है।इस तरह पिछले 9 दिनों में पेट्रोल-डीजल लगभग 5 रुपए प्रतिलीटर महंगा हो गया है।शनिवार को पेट्रोल डीजल के दामो में की गई बढ़ोतरी के बीच अब बालाघाट नगर में पेट्रोल 113 रु 20 पैसे,तो वही डीजल 98 रु 39 पैसे कीमत में बिक रहा है।सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल डीजल में बढ़ी हुई कीमतें लागू कर दी गई है।

अतिआवश्यक सेवाओ में शुल्क बढोतरी से आम नागरिक परेशान

आपको बताए कि पांच राज्यों में चुनाव संपन्न होने के बाद पीएम मोदी ने पेट्रोल डीजल रसोई गैस खाने के तेल आदि में कटौती करने की अपील की थी। जनता से वर्क फ्रॉम होम करने पेट्रोल डीजल वाहनों का कम से कम उपयोग करने,व पेट्रोल डीजल बचाने का आह्वान किया था जिनके आव्हान के बाद से ही बालाघाट नगर में पेट्रोल और डीजल की स्थिति बिगड़ने लगी है।पेट्रोल डीजल रसोई गैस सहित अन्य खाद्य सामग्रियों के दामों को लेकर सरकार द्वारा अपनाई जा रही पॉलिसी लोगों के समझ के परे है। क्योंकि एक ओर सरकार लगातार बढ़ती जा रही मंहगाई पर नियंत्रण नही कर पा रही है वहीं आम जनता की सबसे अधिक जरूरत वाली गैस, पेट्रोल डीजल के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।इसकी एक वजह अंतराष्ट्रीय स्तर पर ईरान अमेरिका और इजरायल के बीच जारी जंग को भी बताया जा रहा है।आपको बताए कि अतिआवश्यक सेवाओ में आने वाले पेट्रोल डीजल रसोई गैस सहित अन्य वस्तुए महंगी होने का सीधा असर लोगो की जेब पर पड़ रहा है।जिससे लोग काफी परेशान है।

पेट्रोल डीजल महंगा होने से अन्य वस्तुओं के भी बढ़ सकते है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हो रहे इजाफे का असर अन्य वस्तुओं के दामों पर भी पड़ने लगा है जिसके चलते पहले से महंगाई की मार झेल रहे जिलेवासी मंहगाई से और अधिक परेशान हो चुके हैं वहीं डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन भाड़ा महंगा होगा। जिसके चलते खाद्य तेल, रसोई गैस, अनाज, सब्जी सहित अन्य वस्तुओं के दाम और अधिक बढ़ जाएगे। जिसका सीधा असर जिले वासियों की जेब पर पड़ेगा।

मंहगाई को नियंत्रित करने सरकार ने उठाने चाहिए कदम

लोगों का कहना है कि यदि आवश्यक वस्तुओं के दाम इसी तरह बढ़ते रहे तो आम परिवारों के लिए घरेलू खर्च चलाना कठिन हो सकता है।लोगो ने उम्मीद जताई है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार ठोस कदम उठाएगी, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और घर का बजट संतुलित रह सके।यदि केंद्र और राज्य सरकार अपना मुनाफा छोड़ दे या पेट्रोल डीजल रसोई गैस पर लगने वाले टैक्स को कम कर दे तो भी आम जनता को राहत मिल सकती है।

आए दिनों जनता पर महंगाई का बोझ डाल रही सरकार- अनिल सोनी

नगर पालिका पूर्व उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने बताया कि पिछले 9 दिनों में 3 बार पेट्रोल डीजल के दाम सरकार ने बढ़ाए है।मंहगाई पर काबू पाने में सरकार फेल हो चुकी है। मिडिल ईस्ट में युद्ध के पहले कच्चे तेल के दाम कम थे, तब सरकार ने पेट्रोल डीजल के दाम नही घटाए।अब सरकार आए दिन इसके दाम बढ़ा रही है। हम इसकी निंदा करते है, सरकार ने महंगाई पर लगाम लगाना चाहिए।

बढ़ती कीमतों से लोग परेशान हो चुके है- यूसुफ

पेट्रोल पंप मैनेजर मो यूसुफ खान ने बताया कि एक पखवाड़े के भीतर ये तीसरी बार सरकार द्वारा पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाए गए है।लगातार दाम बढ़ने से लोग परेशान हो चुके है।क्यो की लोग पहले की तरह ही जरूरत का तेल डलाते है, बस वाले पहले भी 3 हजार रु का डीजल लेते थे, आज भी वे उतने का ही डीजल ले रहे है, ऐसे में लोगो की गाड़ी में जल्दी पेट्रोल डीजल खत्म हो जाता है, गाड़िया खड़ी हो जाती है।लोग बाकी महंगाई से भी काफी परेशान है। अभी आगे और भी पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ सकते है।

दिल्ली महा रैली में शामिल होने बालाघाट से रवाना हुए जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारी

डीलिस्टिंग की मांग को लेकर निकाली रैली, धर्म परिवर्तन करने वालों को आरक्षण लाभ बंद करने की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 24 मई को दिल्ली में आयोजित होने वाली जनजाति गर्जना डीलिस्टिंग महारैली में शामिल होने के लिए बालाघाट से जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रवाना हुए। रवाना होने से पहले स्थानीय उत्कर्ष विद्यालय मैदान से एक रैली निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां से सभी पदाधिकारी शाम करीब 7 बजे ट्रेन के माध्यम से दिल्ली के लिए रवाना हुए। जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित इस महारैली में देशभर से बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोगों के शामिल होने की बात कही जा रही है। मंच

के पदाधिकारियों का कहना है कि यह आंदोलन अनुसूचित जनजाति समाज के अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारी लखन मरावी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंच लंबे समय से उन लोगों को अनुसूचित जनजाति वर्ग से डीलिस्ट करने की मांग उठा रहा है, जिन्होंने जनजातीय धर्म, संस्कृति और परंपराओं को छोड़कर अन्य धर्म अपना लिया है। उनका कहना है कि धर्म परिवर्तन करने के बाद भी ऐसे लोग अनुसूचित जनजाति वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण, शासकीय योजनाओं और अन्य सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं, जिससे वास्तविक जनजातीय समाज के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। लखन मरावी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति जनजातीय समाज की मूल संस्कृति, रीति-रिवाज और धार्मिक पहचान को छोड़ देता है, तो उसे उसी धर्म के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं और अधिकारों का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए निर्धारित संवैधानिक अधिकार और योजनाएं केवल उन लोगों को मिलनी चाहिए जो आज भी अपनी मूल जनजातीय परंपराओं और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। रैली के दौरान जनजातीय समाज के लोग पारंपरिक नारों और बैनरों के साथ नजर आए। पदाधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में आयोजित होने वाली महारैली के माध्यम से केंद्र सरकार तक अपनी मांग पहुंचाई जाएगी। फिलहाल बालाघाट सहित महाकौशल क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों के दिल्ली रवाना होने से कार्यक्रम को लेकर समाज में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

ऑपरेशन अमानत - आरपीएफ बालाघाट ने यात्री का 30 हजार का टैबलेट लौटाकर पेश की ईमानदारी की मिसाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल नैनपुर थाना की पुलिस चौकी बालाघाट द्वारा ऑपरेशन अमानत के तहत एक सराहनीय कार्य करते हुए यात्री का खोया हुआ

टैबलेट सुरक्षित वापस लौटाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 मई को गाड़ी संख्या 20151 हड़पसर एक्सप्रेस के कोच एम-3, बर्थ नंबर 2 में यात्रा कर रहे यात्री मधुरेश पिंपलकर 17 वर्ष निवासी पुणे नागपुर स्टेशन पर उतरते समय जल्दबाजी में अपना रेडमी कंपनी का टैबलेट ट्रेन में ही भूल गए थे। यात्री पुणे से नागपुर तक पीएनआर नंबर 6848685403 पर यात्रा कर रहे थे।

सूचना प्राप्त होने पर ड्यूटी में तैनात प्रधान आरक्षक जयंती लाल ने गाड़ी के बालाघाट पहुंचने पर संबंधित कोच की जांच की तथा समुचित पुष्टि के बाद टैबलेट को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। इसके बाद संबंधित यात्री से उसके मोबाइल नंबर संपर्क कर सूचना दी गई।यात्री के आने पर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर टैबलेट सुरक्षित सुपुर्द कर दिया गया। टैबलेट की अनुमानित कीमत लगभग 30 हजार रुपये बताई गई है। यात्री ने आरपीएफ की तत्परता, ईमानदारी और सहयोग की सराहना करते हुए धन्यवाद दिये।

आरपीएफ द्वारा ऑपरेशन अमानत के तहत किए जा रहे ऐसे कार्य यात्रियों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

ग्राम खोड़सिवनी शादी में मारपीट- तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खोड़सिवनी में शादी में खाना खाने के विवाद को लेकर इस गांव के लोगों ने तीन युवकों को लाठी से मारपीट कर घायल कर दिए। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। जानकारी के अनुसार 22 मई की रात ग्राम जोधी टोला से अजय महाते की बारात ग्राम खोड़सिवनी गई थी। शादी लगाने के बाद बाराती खाना खा रहे थे। खोड़सिवनी के लोगों ने खाना फेंकने के विवाद को लेकर तीन-चार युवकों को हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट करने लगे। तुलसीराम धुर्वे जो कार लेकर रोहित उइके और अजय महाते को लेने गया था वह भी इस मारपीट की चपेट में आ गया इस गांव वालों द्वारा की गई मारपीट में तुलसीराम धुर्वे 25 वर्ष ग्राम छोटी कुम्हारी बालाघाट के अलावा नितेश कोकोटे 19 वर्ष ग्राम जरेरा भरवेली और शुभम दादरे 20 वर्ष ग्राम जोधी टोला भरवेली निवासी घायल हो गए ।जिन्हें प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर उनका इलाज किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

परसवाड़ा में कलेक्टर ने ली खंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा में शनिवार 23 मई 2026 को आयोजित खंड स्तरीय समीक्षा बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने सभी विभागों के अधिकारियों को शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांदीपनि विद्यालय परसवाड़ा में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर डी पी बर्मन तथा एसडीएम श्रीष प्यासी सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभागवार योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम परसवाड़ा को निर्देश दिए कि वे अनुभाग स्तर पर नियमित बैठक लेकर सभी विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कक्षा 1 से 8 तथा 9 से 12 तक शत-प्रतिशत विद्यार्थियों के पंजीयन के निर्देश दिए गए। कक्षा 6 एवं 9 के विद्यार्थियों को साइकिल तथा सभी बच्चों को पाठ्य-पुस्तकों का शीघ्र वितरण कर उसकी पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया। कमजोर शैक्षणिक स्तर वाली शालाओं में एफएलएन मेले आयोजित करने एवं बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि शिक्षक जिस प्रकार अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देते हैं, उसी प्रकार शासकीय विद्यालयों के बच्चों की शिक्षा पर भी गंभीरता से कार्य करें।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में एफएमडी टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं कामधेनु योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। पशुपालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमेन से कृत्रिम गर्भाधान के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया। लक्ष्य पूर्ति नहीं होने पर संबंधित एव्हीएफओ के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

श्रम विभाग की संबल योजना की समीक्षा के दौरान श्रमिकों के पंजीयन, अंत्येष्टि सहायता एवं अनुग्रह राशि के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा प्रधानमंत्री

श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा कृषि विभाग की समीक्षा में कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से दर्ज कराने एवं उसी आधार पर वेतन आहरण करने के निर्देश दिए गए। एएनएम को गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा गया कि लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी। आशा कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए केवल शासकीय अस्पतालों में ही भर्ती कराया जाए। निजी अस्पताल में भर्ती कराने पर संबंधित आशा कार्यकर्ता के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

बैठक में एसएएम एवं एमएएम श्रेणी के बच्चों के चिन्हांकन, शाला पूर्व शिक्षा के लिए बच्चों के पंजीयन तथा पोषण ट्रैकर एप पर खाद्यान्न वितरण की एंट्री में कम प्रगति पाए जाने पर चिखलाझोड़ी एवं डोरा की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी गई। उकवा सेक्टर की पर्यवेक्षक को अपने क्षेत्र के केन्द्रों का भ्रमण नहीं करने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं सीएचओ संयुक्त रूप से सप्ताह में कम से कम एक बार गांवों का भ्रमण अवश्य करें।

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री एवं नामांतरण प्रकरणों में धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 15 दिनों के भीतर सुधार नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। पटवारियों को निर्देश दिए गए कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूर्ण करें, अन्यथा किसानों को उर्वरक वितरण में होने वाली परेशानी के लिए उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मनरेगा कार्यों की समीक्षा में लेबर बजट का उपयोग नहीं करने तथा जॉब कार्ड धारकों को कार्य उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित रोजगार सहायकों को कड़ी चेतावनी दी गई। कलेक्टर ने कहा कि कार्यों में सुधार नहीं होने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। मनरेगा के सहायक यंत्री को भी चेतावनी देते हुए कहा गया कि लेबर बजट का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परसवाड़ा क्षेत्र पूर्व में नक्सल प्रभावित रहा है और अब यहां रोजगार उपलब्ध कराने एवं विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। पंचायत के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायकों को यह कार्य जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में ग्राम पंचायत सचिवों को अटल पेंशन योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। उप संचालक कृषि को पराली प्रबंधन, सार्थक एप से कर्मचारियों की उपस्थिति तथा जे-फार्म एप पर किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही उन्हें धान की बोनी डीएसआर पद्धति से करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने कहा गया।उद्यान विभाग के अधिकारियों को परसवाड़ा क्षेत्र में फल एवं सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस करने को कहा गया।

कलेक्टर श्री मीना ने सभी ग्राम पंचायतों में पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, एएनएम, आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, पीएचई के कर्मचारी, एवं जनपद पंचायत के कर्मचारी के आने का दिन और समय लिखवाने के निर्देश दिए।

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई . की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

नाम सुधार सूचना

मैं, प्रेमलाल गौतम पुत्र श्री हरिचंद गौतम, उम्र 45 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 08, ग्राम फोफसा, तहसील लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

सूचित करता हूँ कि मेरा पुत्र शुभम गौतम (उम्र 17 वर्ष) का सही नाम शुभम गौतम पिता प्रेमलाल गौतम है।

उसके शालेय अभिलेखों एवं जन्म प्रमाण-पत्र में नाम शुभम गौतम दर्ज है, किन्तु आधार कार्ड में भूलवश चितेन्द्र पिता प्रेमलाल नाम दर्ज हो गया है।

चितेन्द्र तथा शुभम गौतम एक ही व्यक्ति हैं।

अतः आधार कार्ड में नाम चितेन्द्र के स्थान पर शुभम गौतम पिता प्रेमलाल गौतम कराने हेतु नाम सुधार किया जा रहा है।

दिनांक-23.05.2026

प्रेमलाल गौतम
ग्राम फोफसा, तहसील लांजी

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर,जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0008/ड-154/ वर्ष 2026-27
साकिनः- कान्द्रीकला प.ह.नं. 67
रा.नि.मं. सेवती तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भूमेश्वर पिता सोनीराम जाति कुनबी निवासी ग्राम नीलागोंदी कान्द्रीकला तहसील किरनापुर द्वारा अपनी माताजी मुक्ताबाई पति सोनीराम गायधने की मृत्यु 12/07/1994 को ग्राम नीलागोंदी, कान्द्रीकला में हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 22/05/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 07/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

होटल शीतल पैलेस में युवकों के दो गुटों में विवाद, मारपीट और बाइक जलाने के आरोप

एक पक्ष की शिकायत पर चार युवकों पर मामला दर्ज, दूसरे पक्ष ने होटल संचालक सहित अन्य पर लगाए गंभीर आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रोड स्थित होटल शीतल पैलेस में कैटरिंग कार्य से जुड़े युवकों के दो गुटों के बीच विवाद और मारपीट का मामला

सामने आया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक ओर जहां होटल में कार्यरत युवक अमन पटले की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, वहीं दूसरे पक्ष के युवक नूर राहंगडाले ने होटल संचालक सहित कुछ युवकों पर मारपीट और उसकी दोपहिया वाहन को आग लगाने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार अमोली थाना लामता निवासी 19 वर्षीय अमन पिता इनेश पटले ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए ग्राम भमोड़ी थाना लालबर्रा निवासी यश पटले और उसके तीन अन्य साथियों पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 115(2), 296(बी), 3(5) और 351(3) के तहत मामला कायम कर लिया है। वहीं देर शाम ग्राम भमोड़ी निवासी नूर राहंगडाले भी अपने परिजनों के साथ कोतवाली थाने पहुंचे। मीडिया से चर्चा करते हुए नूर ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से होटल शीतल पैलेस में कैटरिंग कार्य के लिए युवकों को काम पर लाता था और स्वयं भी होटल में कार्य करता था। उसके अनुसार होटल प्रबंधन की ओर उसके लगभग 25 हजार रुपये बकाया थे। नूर ने आरोप लगाया कि वह एक दिन पहले भी अपने पैसे मांगने होटल गया था और शनिवार को फिर कुछ साथियों के साथ होटल पहुंचा था। इसी दौरान होटल में अमन, शिवम नाम के युवकों और होटल संचालक पक्ष के लोगों से विवाद हो गया, जो बाद में मारपीट में बदल गया। नूर का कहना है कि विवाद बढ़ने पर वे लोग वहां से निकल गए, लेकिन उसकी एचएफ डीलक्स बीएस-6 बाइक होटल की पार्किंग में खड़ी रह गई थी। नूर के अनुसार जब वह बाद में वापस लौटा तो उसकी बाइक पूरी तरह जली हुई मिली। उसने चेचिस नंबर के आधार पर वाहन की पहचान की और आरोप लगाया कि उसकी बाइक को जानबूझकर आग के हवाले किया गया है। उसने होटल संचालक और अन्य लोगों पर मारपीट तथा वाहन जलाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर जब होटल शीतल पैलेस के संचालक से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि सुबह के समय होटल में कुछ युवकों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी, जिसकी शिकायत होटल में काम करने वाले युवक द्वारा कोतवाली में दर्ज कराई गई है। हालांकि उन्होंने बाइक जलाने की घटना की जानकारी होने से इनकार किया और अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। फिलहाल पुलिस ने अमन पटले की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं नूर राहंगडाले की ओर से देर शाम तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। परिजन पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और न्यायोचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सेकंड डोर बंद कर लगाई सीटें, फर्स्ट एड बॉक्स में एक्सपायर दवाएं, अग्निशमन यंत्र और किराया सूची भी गायब

जिले में अब भी नियमों को दरकिनार कर दौड़ रहीं यात्री बसें, दूसरे दिन भी जारी रही पुलिस की कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

22 मई को लगभग 40 वाहनों पर कार्रवाई किए जाने के बाद 23 मई को भी यातायात पुलिस द्वारा स्थानीय बस स्टैंड में खड़ी यात्री बसों की सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कई बसों में सुरक्षा और यात्री सुविधाओं से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आईं, जिसके बाद पुलिस ने बस संचालकों पर कार्रवाई करते हुए व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। जांच के दौरान यातायात पुलिस को कई बसों में सेकंड डोर के पास सीटें लगी मिलीं, जिससे आपातकालीन स्थिति में यात्रियों की निकासी प्रभावित हो सकती थी। वहीं कई बसों के फर्स्ट एड बॉक्स में एक्सपायर दवाएं पाई गईं। इसके अलावा कुछ बसों में किराया सूची प्रदर्शित नहीं थी और अग्निशमन यंत्र भी उपलब्ध नहीं मिले। यातायात थाना प्रभारी ने बस संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्री सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि बसों में आपातकालीन खिड़कीयां, इमरजेंसी दरवाजे, अग्निशमन यंत्र और किराया सूची सही तरीके से प्रदर्शित होना जरूरी है। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन संचालकों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यातायात थाना प्रभारी ने बताया कि बढ़ते सड़क हादसों और यात्री बसों में सामने आ रही लापरवाहियों को देखते हुए पिछले कुछ दिनों से लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा बस मालिकों और चालकों को समझाइश भी दी जा रही है कि वे समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार करें, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कार्रवाई के दौरान स्थानीय बस स्टैंड में कुछ समय के लिए हड़कंप जैसी स्थिति बनी रही। पुलिस टीम ने कई बसों की दस्तावेजों सहित सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई भी की।

प्रदेश में लगातार सामने आ रहे बस हादसों और आगजनी की घटनाओं के बावजूद बालाघाट जिले में यात्री बसों का संचालन अब भी नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बनाए गए नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है, जबकि जिम्मेदार विभाग की जांच में भी बसों में कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि जिन बसों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन व्यवस्थाएं अनिवार्य होती हैं, वहीं बसों में सुरक्षा इंतजाम लगभग पूरी तरह ध्वस्त नजर आए। शनिवार को यातायात थाना प्रभारी यीना राहंगडाले ने पुलिस बल के साथ बस स्टैंड पहुंचकर यात्री बसों की विशेष जांच की। इस दौरान बसों की स्थिति देखकर स्वयं अधिकारी भी हैरान रह गए। जांच में सामने आया कि कई बस संचालकों ने यात्रियों की संख्या बढ़ाकर अधिक कमाई करने के उद्देश्य से बसों के सेकंड डोर तक को बंद कर वहां अतिरिक्त सीटें लगा दी हैं। ऐसे में किसी दुर्घटना या आगजनी की स्थिति में यात्रियों के बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह बाधित हो सकता है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कई बसों की इमरजेंसी विंडो केवल नाम मात्र की रह गई है। कुछ बसों में आपातकालीन खिड़कियां जाम मिलीं, जिन्हें खोलने की कोशिश करने पर भी नहीं खोला जा सका। यदि किसी बस में अचानक आग लग जाए या हादसा हो जाए तो यात्रियों के लिए बाहर निकलना लगभग असंभव हो सकता है। बसों में मौजूद फर्स्ट एड बॉक्स की स्थिति भी बेहद खराब मिली। कई बसों में एक्सपायर डेटॉल और पुरानी दवाएं रखी मिलीं, जबकि कुछ बसों में प्राथमिक उपचार की जरूरी सामग्री तक उपलब्ध नहीं थी। इतना ही नहीं, कई बसों में अग्निशमन यंत्र तक नहीं पाए गए। जिन बसों में अग्निशमन यंत्र मौजूद थे, उनमें भी कई की वैधता समाप्त हो चुकी थी। यात्रियों से लिए जाने वाले किराए की सूची भी अधिकांश बसों में नदारद मिली। ओवरलोड सवारियां बैठाने का मामला भी जांच के दौरान सामने आया। यात्री क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर बसों का संचालन किया जा रहा था, जिससे दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। दरअसल हाल ही में प्रदेश के शाजापुर जिले में हुए दर्दनाक बस हादसे के बाद परिवहन और यातायात विभाग अलर्ट मोड में दिखाई दे रहा है। शाजापुर में एक बस में आग लगने से एक बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई थी, जिसके बाद पूरे प्रदेश में बसों की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठे थे। इसी घटना के बाद बालाघाट में भी यात्री बसों की जांच शुरू की गई। यातायात थाना प्रभारी यीना राहंगडाले ने बताया कि लोक परिवहन की बसों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। जांच के दौरान बसों के सेकंड डोर, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी विंडो और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। उन्होंने कहा कि कई बस संचालकों द्वारा सेकंड डोर बंद कर वहां सीटें लगा दी गई हैं, जिन्हें हटाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने बस ऑपरेटरों को दो दिनों का समय दिया है। यदि निर्धारित समय के भीतर सुधार नहीं किया गया तो संबंधित बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में लंबे समय से कई यात्री बसें नियमों के विपरीत संचालित हो रही हैं। ओवरलोडिंग, खराब फिटनेस, सुरक्षा उपकरणों की कमी और मनमाना संचालन आम बात बन चुकी है। बावजूद इसके संबंधित विभाग समय-समय पर केवल औपचारिक जांच तक सीमित रह जाता है।

खेतों तक बिजली पहुंचने से पहले ही अज्ञात चोरों ने काटी लाइन

सिंचाई सुविधा के लिए लगाए गए नए तारों पर चोरों का हाथ साफ, ग्रामीणों में आक्रोश, रातों-रात करीब 3 किलोमीटर विद्युत तार चुरा ले गए अज्ञात चोर

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। चरेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुरेंदा खामी और मोहगांव में किसानों के खेतों तक बिजली पहुंचाने की योजना पर अज्ञात चोरों ने पानी फेर दिया।जहां किसानों के खेतों तक सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन एवं विद्युत विभाग द्वारा विघुत पोल पर लगाए जा रहे नए तार बीती रात चोरों के निशाने पर आ गए।जहां अज्ञात बदमाश करीब तीन किलोमीटर लंबी नई विद्युत लाइन काटकर फरार हो गए।बीती रात घटी इस घटना के बाद क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि खेतों तक बिजली पहुंचाने के लिए हाल ही में नए पोल गाड़े गए थे और उन पर नई विद्युत लाइन भी बिछा दी गई थी। इससे किसानों को उम्मीद थी कि जल्द ही खेतो तक बिजली आ जाएगी और उन्हें सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी। लेकिन उससे पहले ही चोरों ने पूरी लाइन पर हाथ साफ कर दिया।इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सरकारी कार्यो की निगरानी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

कटर मशीन ने काटे गए विघुत तार

स्थानियजनो से मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात चोर देर रात मौके पर पहुंचे और कटर मशीन की मदद से पोलों पर लगे तारों को काटकर चोरी कर ले गए। घटना इतनी सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई कि आसपास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब ग्रामीण और किसान खेतों की ओर पहुंचे तो पोलों से विद्युत तार गायब देखकर हैरान रह गए। कई स्थानों पर तार कटे हुए लटकते दिखाई दिए, जिसके बाद मामले की जानकारी ग्रामीणों द्वारा संबंधित विभाग को दी है।विभागीय कर्मचारियों ने मौके पर पहुचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और जेई के माध्यम से लामता थाना में लिखित आवेदन देकर मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि किसानों को सिंचाई सुविधा देने के लिए सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर विद्युत विस्तार कार्य कराया जा रहा है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में चोर आसानी से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं।किसानों ने आशंका जताई है कि क्षेत्र में सक्रिय कबाड़ी गिरोह या संगठित चोरों द्वारा इस वारदात को अंजाम दिया गया होगा।उन्होंने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में तार चोरी होना सामान्य घटना नहीं है और इसमें कई लोगों की संलिप्तता हो सकती है।

दोबारा लगाए जाए तार, जल्द शुरू करे विद्युत सप्लाई

घटना के बाद किसानों ने प्रशासन और पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी से कडी सजा दिए जाने की मांग की है। साथ ही खेतों तक दोबारा विद्युत तार लगाकर बिजली व्यवस्था बहाल करने की भी मांग उठाई गई है ताकि सिंचाई कार्य प्रभावित न हो।

चोरों को पकड़कर दी जाए कड़ी सजा- अजय पटले

ग्राम चरेगांव निवासी ग्रामीण अजय पटले ने बताया कि हमारे खेत से कुछ दुरी पर खामी रोड़ किनारे से किसानों के लिए विघुत व्यवस्था की जा रही थी।लेकिन किन्ही अज्ञात चोरों ने विघुत पोल पर लगाई गए नए विघुत तार की चोरी कर ली है।पुलिस प्रशासन ने ऐसे लोगो का पता लगाकर उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए।सभी आरोपियों पर वैधानिक धाराओ के तहत मामला दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर सजा देना चाहिए।ताकि ऐसी घटनाओं की क्षेत्र में पुनवर्ति ना हो।

जल्द से जल्द पुन: बिछाई जाए विद्युत लाइन, किसानों को दिया जाए लाभ- मधु भगत

विधायक मधु भगत ने बताया कि किसानों के खेत में सिंचाई के लिए विद्युत व्यवस्था बनाई जा रही है,करीब 500 करोड़ की इस योजना के तहत जिले भर में यह कार्य चल रहा है। हमारे क्षेत्र में भी शासन की योजना के तहत किसानों के खेतों तक विद्युत पहुंचने के लिए लाइन बिछाने का कार्य जारी है,लेकिन यह कार्य काफी कछुआ गति से चल रहा है ,वहीं सुरक्षा व्यवस्था नहीं बनाई गई है, आज तार चोरी हुए हैं कल ट्रांसफार्मर व बड़ी-बड़ी डीपी चोरी ना हो जाए इस बात का खतरा बना हुआ है।उन्होंने बताया कि बेरोजगारी इतनी हो गई है कि कुछ युवक चोरी का काम कर रहे हैं आए दिनों क्षेत्र में चोरी की घटनाएं सामने आती रहती है, इस मामले की शिकायत भी पुलिस और संबंधी विभाग से कर दी गई है, हमारी मांग है कि जल्द से जल्द चोरों को पड़कर उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनवर्ति न हो।साथ ही जल्द से जल्द पुन: विद्युत लाइन बिछाकर किसानों के खेतों तक विद्युत सप्लाई की जाए ताकि इसका लाभ किसानों को मिल सके।

थाने में लिखित शिकायत दी गई है- गुप्ता

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान लामता जेई श्री गुप्ता ने बताया कि कर्मचारियों द्वारा मामले की सूचना दी गई थी,जिनकी सूचना पर लिखित आवेदन तैयार कर लामता थाने में मामले की शिकायत की गई है, साथ ही आरोपियों पर वैधानिक कार्यवाही करने को कहा गया है।इस मामले में लामता पुलिस द्वारा जल्द ही आरोपियों का पता लगाए जाने की बात कही गई है।

शुरू होने के पूर्व ही खत्म हुई एसबीआई बैंक यूनियन की हड़ताल

अब केवल शासकीय अवकाशो को छोड़कर सभी दिन खुले रहेंगे बैंक, ग्राहकों को मिली बड़ी राहत,बैंक मैनेजमेंट और यूनियन पदाधिकारियो के बीच बनी सहमति, यूनियन ने आश्वासन पर,किया हड़ताल स्थगित का ऐलान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की प्रस्तावित दो दिवसीय हड़ताल शुरू होने से पहले ही समाप्त हो गई। बैंक मैनेजमेंट और यूनियन पदाधिकारियों के बीच हुई सकारात्मक चर्चा और सहमति के बाद यूनियन ने हड़ताल स्थगित करने का ऐलान कर दिया। इस फैसले के बाद बैंक ग्राहकों ने राहत की सांस ली है।ज्ञात हो कि वर्षो से लंबित कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर एसबीआई बैंक यूनियन द्वारा हड़ताल की घोषणा की गई थी, जिसके चलते ग्राहकों को लगातार 5 दिनों तक बैंक बंद रहने की चिंता सताने लगी थी। लेकिन अंतिम समय में दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने से हड़ताल स्थगित कर दी गई है।जिससे अब सिर्फ अवकाश के दिनों को छोड़कर बाकी सभी दिन बैंक खुले रहेंगे।

बैंक ग्राहकों को मिली बड़ी राहत

उधर हड़ताल स्थगित होने से जिले भर की सभी 18 शाखाएं केवल शासकीय अवकाशों के दौरान ही बंद रहेंगे और अन्य सभी दिनों में सामान्य रूप से बैंकिंग कार्य जारी रहेगा। इससे नकद लेनदेन, चेक क्लियरिंग, पासबुक अपडेट, सरकारी योजनाओं के भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाओं पर पड़ने वाला संभावित असर टल गया है।जिलेभर के व्यापारियों, किसानों, कर्मचारियों और आम खाताधारकों ने इस फैसले का स्वागत किया है। बताया जा रहा है कि यदि हड़ताल होती तो जिले की सभी शाखाओं में कामकाज प्रभावित होता और लाखों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता। फिलहाल हड़ताल स्थगित होने के बाद बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होंगी।

16 सूत्रीय मांगों को लेकर किया था हड़ताल का आव्हान

बैंक कर्मचारी संगठन द्वारा 16 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 और 26 मई को 2 दिवसीय हड़ताल का आव्हान किया गया था।जिंसमे यूनियन ने संदेशवाहक कर्मियों की भर्ती कराने, सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों की भर्ती करने, राष्ट्रीय पेंशन योजना के कर्मचारियों के लिए पेंशन फंड मैनेजर बदलने का विकल्प देने, वर्ष 2019के बाद से भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए अंतर-मंडल स्थानांतरण कि सुविधा देने, स्थायी कामकाज में आउटसोर्सिंग बंद करने, पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की भर्ती करने, भारतीय स्टेट बैंक में समानता का व्यवहार करने, कैरियर प्रगति योजना की समय समय पर समीक्षा करने,10वें द्विपक्षीय समझौते के सेवानिवृत्त कर्मियों को आभासीय 8वीं स्टेगनेशन वेतन वृद्धि प्रदान करने, चिकित्सक परामर्श शुल्क 15 जुलाई 2024 से प्रभावी करने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति योजना में सुधार करने, 7वें द्विपक्षीय वेतन समझौते के सेवानिवृत्त कर्मियों की सेवानिवृत्ति के समय से ही पेंशन में सभी वेतन घटकों को सम्मिलित करने, एचआरएमएस समस्याओं का समाधान करने, कर्मचारी निदेशक की नियुक्ति करने,पेंशन फंड ट्रस्टी नामांकित की नियुक्ति करने, और क्रॉस-सेलिंग के नाम पर गलत तरीके से बिक्री बंद कराने सहित अन्य मांगे शामिल थी।जिनपर मिले आश्वासन के बाद यूनियन ने हड़ताल स्थगित कर दी है ।

हड़ताल स्थगित, सोमवार से खुलेगी सभी शाखाएं- अतुल मेश्राम

मामले के लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान एसबीआई मुख्य शाखा कर्मचारी अतुल मेश्राम ने बताया कि 25 और 26 को कर्मचारी यूनियन द्वारा हड़ताल का ऐलान किया गया था।बैंक यूनियन और प्रबंधन के बीच हुई बातचीत में सकारात्मक परिणाम निकलने के बाद इस हड़ताल को फिलहाल टाल दिया गया है।प्रबंधन ने सभी मांगो पर विचार करने का आश्वासन दिया है।जिनके ठोस आश्वासन पर यूनियन पदाधिकारियो द्वारा हड़ताल स्थगित करने का सन्देश भेजा गया है।अब जब बैंक मैनेजमेंट ने इन सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने और सकारात्मक कदम उठाने का मजबूत आश्वासन दिया है, तो कर्मचारी संघ ने भी नरमी दिखाते हुए हड़ताल वापस ले ली है। इससे आम जनता को तो राहत मिली है,अब अवकाश के दिनों के छोड़कर सोमवार से सभी शाखाएं शुरू रहेंगी।

हट्टा पुलिस की कार्रवाई- तिलपेवाड़ा में खेत में जुआ खेलते 4 जुआरी रंगे हाथ गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना पुलिस ने शुक्रवार को ग्राम तिलपेवाड़ा में छापामार कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6500 रुपये नगद और ताश के 52 पत्ते जप्त किए हैं। हट्टा पुलिस के मुताबिक 23 मई को सहायक उप निरीक्षक विजय पटले स्टाफ के साथ देहात भ्रमण पर थे। इस दौरान सूचना मिली कि तिलपेवाड़ा के आवास टोला स्थित एक खेत में कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर अवैध जुआ खेल रहे हैं।सूचना पर एएसआई पटले ने थाना प्रभारी अविनाश सिह राठौर के मार्गदर्शन में तत्काल टीम के साथ मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआरी भागने का प्रयास करने लगे लेकिन घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विशेष मचाड़े उमेश राठौर विकास सूर्यवंशी और वंशपाल के नाम से की गई है। सभी के खिलाफ 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35(3) के तहत नोटिस तामील कर मौके से रिहा कर दिया गया है। प्रकरण में आगे वैधानिक कार्रवाई जारी है।हट्टा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जुआ-सट्टा जैसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सीसी सड़क के बीच आई दरारों से दुर्घटना की आशंका, मरम्मत की उठी मांग

दरार में दुपहिया वाहन फंसने से हो रहे वाहन अनियंत्रित, राहगीर परेशान, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग पर विगत वर्ष पूर्व बनी सीसी (सीमेंट कांक्रीट) सड़क अब राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बनने लगी है। टू-लेन की इस सड़क में बम्हनी नाला से लेकर पोटियापाट धाम वैनगंगा नदी तक सड़क के बीचों-बीच आई गहरी दरारों के कारण आये दिन दुपहिया वाहन अनियंत्रित हो रहे हैं। जिससे यहां हर समय किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लंबे समय से मरम्मत की मांग राहगीर एवं ग्रामीणजन कर रहे बावजूद उसके सड़क विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिये जाने से स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

दो हिस्सों के बीच का गैप बना हादसों का कारण

आपकों बता दे कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का सीमेन्टीकरण निर्माण विगत वर्ष पूर्व किया गया है और निर्माण के समय इस टू-लेन सड़क को दो हिस्सों (पार्टस) में बनाया गया था और दो हिस्सों में निर्माण होने पर सड़क के बीच में गैप छुट जाता है। उसी तरह निर्माण कार्य के दौरान बम्हनी नाला से लेकर पोटियापाट धाम वैनगंगा नदी तक सड़क के बीच में कुछ स्थानों पर गैप छूट गया था। समय बीतने के साथ यह गैप अब काफी फैल चुका है और इसने एक लंबी व गहरी दरार का रूप ले लिया है। वहीं लंबी दुरी तक सड़क के बीच में गैप यानि दरारे आने के कारण इस मार्ग से दुपहिया वाहनों से आने-जाने वालों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर दुपहिया वाहन के पहिये उक्त गैप (दरारे) में जाती है तो वह अनियंत्रित होने की संभावना बनी रहती है और पुर्व में वाहन अनियंत्रित होने से दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं सड़क के बीचों-बीच बने गैंप का मरम्मत कार्य जल्द नही किया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। जबकि इस समस्या से बम्हनी के सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सड़क विभाग को अवगत करवा दिये है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

दूर से नहीं दिखती दरार, अनियंत्रित हो रहे वाहन

राहगीर एवं ग्रामीणों ने बताया कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व टू-लेन सीसी सड़क का निर्माण किया गया है, जिसके बाद से आवागमन सुगम हुआ है। लेकिन अमोली के आगे बम्हनी नाला से लेकर पोटियापाट धाम वैनगंगा नदी तक सड़क में दो पार्टस में सड़क का निर्माण होने से सड़क के बीचों-बीच लंबी दूरी तक बनी यह दरार (गैप) दूर से साफ दिखाई नहीं देती। इसके चलते तेज गति से आने वाले दुपहिया वाहनों के पहिये अचानक इस दरार में फंस जाते हैं। जिससे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और राहगीर गुजरते हैं जिन्हें आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सड़क विभाग से मांग है कि बम्हनी नाला से लेकर वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम तक सड़क के बीच आई इन दरारों (गैप) को तत्काल दुरूस्त करें ताकि भविष्य में होने वाले किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

जल्द मरम्मत करवाये प्रशासन - ढबाले

दूरभाष पर चर्चा में बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पर सीसी सड़क का निर्माण किया गया है लेकिन इस निर्माण कार्य में कुछ स्थानों पर अनियमितता बरती गई है। जिसके कारण अमोली के आगे बम्हनी नाला से पोटियापाट धाम तक लंबी दूरी तक सड़क के बीचों-बीच गैप (दरारे) आने के कारण आवागमन में परेशानी हो रही है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री ढबाले ने बताया कि सड़क की इस समस्या के संबंध में कई बार सड़क विभाग को अवगत करवा चुके है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। प्रशासन से मांग है कि सीसी सड़क के बीचों-बीच बनी दरार (गैप) का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानी एवं दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

प्रजापति (कुंभकार) संघ का जिला स्तरीय सामूहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में शुक्रवार को प्रजापति (कुंभकार समाज) संघ द्वारा जिला स्तरीय भव्य सामूहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बालाघाट और सिवनी जिले के प्रजापति (कुंभकार समाज) संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में समाज के तीन जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। वहीं समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया गया। जिसके साथ ही विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम में दोनों जिलों से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं ने सहभागिता कर नवदंपत्तियों को सुखद दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

प्रथम चरण में हुई कुलदेवी व राजा दक्ष की पूजा-अर्चना

कार्यक्रम के शुरूआत में मुख्य अतिथि और सामाजिक पदाधिकारियों के द्वारा आराध्य देव राजा दक्ष प्रजापति एवं माता कुलदेवी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पूजा अर्चना के साथ हुई। जिसके पश्चात समाज की बालिकाओं व महिलाओं द्वारा सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में समाज के तीन नवयुगल जोड़ों का वैदिक मंत्रोच्चार और सामाजिक रीति-रिवाजों के बीच विवाह की रस्में पूरी की गईं। सामूहिक विवाह समिति द्वारा नवविवाहित जोड़ों को उपहार स्वरूप गृहस्थी की सामग्री भी भेंट की गई। साथ ही समाज के कक्षा १० वीं, १२ वीं में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया गया। वहीं बालाघाट-सिवनी जिले के वक्ताओं ने समाज में एकता, शिक्षा के प्रसार और कुरीतियों को समाप्त कर सामूहिक विवाह जैसी फिजूलखर्ची रोकने वाली परंपराओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रजापति (कुंभकार समाज) संघ जिलाध्यक्ष एसपी घाटे ने बताया कि बालाघाट-सिवनी जिले के संयुक्त समाज के द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह कार्यक्रम में कक्षा १० वीं, १२ वीं में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इस सम्मान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए और अधिक प्रेरित करना है। साथ ही ८ वीं, ९ वीं और ११ वीं के छात्र-छात्राओं के लिए एक सकारात्मक चैलेंज की तरह है, ताकि वे भी अपने सीनियर साथियों को देखकर आगामी परीक्षाओं में बेहतर अंक लाने की तैयारी कर सकें। साथ ही समाज की ओर से इस वर्ष एक और सराहनीय कदम उठाते हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री घाटे ने बताया कि गरीब परिवारों को शादी के भारी-भरकम खर्चों से बचाने के लिए यह पहल शुरू की गई है। जल्दबाजी में की गई तैयारियों के बावजूद इस कार्यक्रम में ३ जोड़े परिणय सूत्र में बंधे और आने वाले वर्षों में इस संख्या को बढ़ाकर अधिक से अधिक जोड़ों का समाज के सामूहिक विवाह में विवाह संपन्न करवाया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रजापति कुंभकार समाज जिलाध्यक्ष एसपी घाटे, गजपुर कटंगी सरपंच निशा मनीराम घाटे, उपाध्यक्ष जयवंद शनिचरे, जिला कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार घाटे, जिला सहसचिव मुंगलदास तुमाने, लालबर्रा ब्लाक अध्यक्ष खिलेन्द्र, कटंगी अध्यक्ष मनोज भट्टपाई, सिवनी ब्लाक अध्यक्ष भाऊलाल शनिचरे, किरनापुर ब्लाक अध्यक्ष राजेन्द्र, बरघाट ब्लाक अध्यक्ष रविन्द्र शनिचरे, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, अय्यूब भारती सहित बालाघाट-सिवनी जिले के स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रामजीटोला में कृषि सभा यात्रा कार्यशाला का हुआ आयोजन

आधुनिक खेती से आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर दिया गया बल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला में शनिवार को कृषि विभाग द्वारा कृषि सभा यात्रा कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पांढरवानी के सरपंच अनीस खान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। वहीं कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को उन्नत और वैज्ञानिक खेती के तरीकों से अवगत करवाना था। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने किसानों को खेती से संबंधित बारीकियों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक खेती के साथ-साथ अब वर्तमान में आ रहे नये तरीकों और आधुनिक तकनीकों को अपनाना समय की मांग है। सही समय पर उन्नत बीजों का चयन, वैज्ञानिक पध्दति से खाद-पानी का प्रबंधन और आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर किसान अपनी लागत को कम कर सकते हैं। साथ ही वर्तमान में नये तरीको को अपनाकर खेती करने पर बल दिया गया है ताकि अधिक उत्पादन लेकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सके। वहीं इस कार्यशाला में किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी दी गई। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। यदि वे नई तकनीकों को अपनाकर अधिक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन लेते हैं, तो इससे न केवल उनकी पैदावार बढ़ेगी, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी पहले से अधिक मजबूत होगी। इस अवसर पर सरपंच अनीस खान, डॉक्टर रामप्रसाद पंचेश्वर, कृष्णा लरहे, कृष्णा पंचेश्वर, सेवक माने, श्री मातरे, अर्जुन मानेश्वर, इफको मैनेजर श्री शुक्ला, श्रीमती रंगारे, हरीश माने सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं किसानगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला खेल अधिकारी ने आरोह २०२६ खेल शिविर औल्याकन्हार फिजिकल क्लब का किया औचक निरीक्षण

खेल मैदान में पौधारोपण कर पर्यावरण जागरूकता का दिया संदेश, अपने-अपने घरों में एक-एक पेड़ लगाने किया प्रेरित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग बालाघाट के द्वारा आयोजित आरोह २०२६ का आयोजन समस्त विकासखंड , जिला मुख्यालय में हो रहा है। वहीं आरोह समर कैंप में बच्चों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। १ मई से शुरू हुआ यह समर कैंप ३१ मई तक चलेगा। सभी बच्चों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके इस आरोह खेल शिविर में भाग ले रहे हैं। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा ने शनिवार को विकासखंड लालबर्रा औल्याकन्हार फिजिकल क्लब का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला खेल अधिकारी के द्वारा खेल प्रशिक्षक राधिका यादव, स्वाति दमाहे, विजेंद्र उइके से चर्चा की। वहीं खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर उनसे चर्चा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के साथ उन्होंने ग्राउंड में एक पेड़ लगाकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया है। साथ ही कहां की सभी अपने-अपने घरों में एक-एक पेड़ अवश्य लगाये और पर्यावरण को बचाने में सहयोग करें। साथ ही खेल गतिविधियों की विभिन्न बारीरियों से अवगत करवाकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर बेहतर भविष्य कैसे बना सकते है उसके बारे में खिलाड़ी एवं बच्चों को प्ररित किया। इस दौरान जिला खेल अधिकारी ने खिलाड़ी एवं बच्चों से कहा कि फिटनेस के साथ टीमवर्क, अनुशासन जैसे जीवन कौशल भी सीख रहे बच्चे, बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा को उभारने और निखारने के लिए समर कैंप का आयोजन सकारात्मक पहल है। जिससे बच्चे खेलकूद, गीत-संगीत, नृत्य, चित्रकला, रंगोली सहित अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर समग्र व्यक्तित्व विकास कर सकते है। इससे बच्चों को मनोरंजन के साथ ही सीखने-समझने का अवसर प्राप्त होता है, साथ ही उनके सृजनात्मक कौशल को बढ़ावा मिलता है। साथ ही कैंप का उद्देश्य बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में खेल गतिविधियों से जोड़ना है। कैंप के माध्यम से बच्चे खेल के साथ अनुशासन, टीमवर्क और फिटनेस पर भी काम कर रहे हैं। खेलों में कैसे आगे बढ़ाना है और कौन सी पढ़ाई करके हम खेल के क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं ऐसी भी जानकारी जिला खेल अधिकारी के द्वारा खिलाड़ियों को बताई गई। वहीं कराते खेल प्रशिक्षक ब्लॉक समन्वयक संतोष पारधी के द्वारा बच्चों को पारंपरिक खेल गिल्ली डंडा, पिट्टू, कबड्डी, खो खो, आदि खेलो से जुड़ने तथा उन खेलों के द्वारा आगे बढ़ाने के लिए बताया गया। यह वह खेल है जो स्वदेशी और सांस्कृतिक खेल हैं जो पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। ये बिना किसी महंगे उपकरण के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देते है। भारत अपनी समृध्द खेल संस्कृति के लिए जाना जाता है, जहां हर क्षेत्र के अपने विशिष्ट पारंपरिक खेल है।

ओपन जिम लगाने की जिला खेल अधिकारी से की गई मांग

ब्लॉक समन्वयक लव पटेल ने बताया कि आरोह समर कैंप के माध्यम से बच्चों को खेलों से जोड़ने और नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आयोजित एक माह के कैंप में ६ से २९ साल आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। सभी खिलाड़ी सुबह ६ से ८ बजे और शाम ५ से ७ बजे तक अभ्यास कर रहे हैं। अलग-अलग खेलों की गतिविधियां आयोजित भी बच्चों को करवाई जा रही है जिसमें खो-खो, कबड्डी, व्हालीबॉल, एथलेटिक्स, बच्चों के मनोरंजन रचनात्मक खेल विकासखंड लालबर्रा में खिलाड़ी को सिखाये जा रहे है। औल्याकन्हार फिजिकल क्लब एवं ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन के द्वारा प्रतिदिन बच्चों को अतिथि के द्वारा बच्चों के नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, पर्यावरण, फिट इंडिया गतिविधि, व्यक्तित्व विकास, संस्कृति मनोरंजन, सामाजिक जागरूकता की विभिन्न नई-नई जानकारी, उपहार बच्चों को दी जा रही है। ग्राम पंचायत औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के अध्यक्ष ओपी बिसेन के द्वारा जिला खेल अधिकारी से ग्राउंड को और भी सुंदर बनाने के लिए एवं खिलाड़ी, बुजुर्ग, महिला, युवा साथियों के व्यायाम के लिए एक ओपन जिम लगाने के लिए औल्याकन्हार फिजिकल क्लब की पूरी टीम ने मांग किया है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन, प्रशिक्षक शैलेंद्र यादव, राधिका नायक, स्वाति दमाहे, विजेंद्र उइके, जय ठाकरे ब्लॉक समन्वयक लव पटेल नगपुरे एवं खिलाड़ी, बच्चें एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रामपायली का मुख्य प्रवेश द्वार बना मौत का मोड़, क्या प्रशासन को है किसी बड़े हादसे का इंतजार

बस स्टैंड चौक पर बेतरतीब सब्जी बाजार से बढ़ा हादसों का खतरा, सड़क तक फैली दुकानें राहगीरों और वाहन चालकों को जान का जोखिम

पद्मेश न्यूज। रामपायली/वारासिवनी। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विख्यात धार्मिक नगरी रामपायली इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा और अव्यवस्था की मार झेल रही है। कई वर्षों से श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहे इस नगर का मुख्य प्रवेश क्षेत्र बस स्टैंड चौक अब दुर्घटनाओं का ब्लैक स्पॉट बनता जा रहा है। हालात यह हैं कि बस स्टैंड के आसपास मुख्य सड़क पर बेतरतीब ढंग से सजने वाले सब्जी और फल बाजार के कारण यह क्षेत्र मौत के मोड़ में तब्दील हो चुका है। स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि आखिर प्रशासन किसी बड़ी जनहानि के बाद ही क्यों जागेगा क्या।

सड़क पर अतिक्रमण शाम के बाद भयावह हो जाते हैं हालात

रामपायली का सदियों पुराना पारंपरिक सब्जी बाजार मूल रूप से गांधी चौक गुजरी चौक में संचालित होता रहा है। पूर्व में यह सीमित था लेकिन समय के साथ कुछ दुकानदारों की मनमानी के कारण बस स्टैंड क्षेत्र में सड़क किनारे सब्जी व फल दुकानों की बाढ़ आ गई है। रोजाना शाम ४ बजे के बाद यहाँ की स्थिति अत्यंत विकराल हो जाती है। बसों भारी ट्रकों ऑटो दोपहियां वाहनों और पैदल राहगीरों के भारी दबाव के बीच बाजार सीधे सड़क तक फैल जाता है। इसके चलते सड़क इतनी संकरी हो जाती है कि वाहन चालकों को सामने का रास्ता तक दिखाई नहीं देता।

पहले भी हो चुके हैं दर्दनाक हादसे फिर भी सबक नहीं

यह अव्यवस्था केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ है। कुछ समय पूर्व होटल सुमित के सामने एक व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो चुकी है। हाल ही में एक तेज रफ्तार चौपहिया वाहन सीधे फल दुकान में जा घुसा जिससे मौके पर अफरा तफरी मच गई। गनीमत रही कि उस वक्त कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई लेकिन इस घटना ने प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी है।

जनता की मांग अब जरूरी है कड़ा प्रशासनिक एक्शन

स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों का स्पष्ट कहना है कि ग्राम पंचायत के नोटिस को ठेंगा दिखाने वाले इन अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अब राजस्व और पुलिस प्रशासन को मिलकर संयुक्त कार्यवाही करनी होगी। यदि समय रहते बस स्टैंड चौक को इस जानलेवा अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया गया तो यहाँ कभी भी कोई बड़ा और हृदयविदारक हादसा घटित हो सकता है। नगर की जनता अब इस मामले में जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन से तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग कर रही है।

बाजार को बस स्टैंड से हटाकर गांधी चौक में शिफ्ट किया जाना-बलराम सहारे

उपसरपंच बलराम सहारे ने बताया की इस बेतरतीब बाजार को बस स्टैंड से हटाकर गांधी चौक में शिफ्ट किया जाना पूरी तरह जनहित में है। पंचायत ने अपने स्तर पर सारे प्रयास कर लिए हैं। गांधी चौक में अब पर्याप्त और सुव्यवस्थित जगह उपलब्ध है। यदि बाजार वहाँ लगता है तो पूरा नगर सुंदर और सुशोभित लगेगा।

बाजार हमेशा से गांधी चौक में ही लगता आया हैं वहीं लगाना चाहिये-रजनीश नकासे

रजनीश नकासे ने बताया की रामपायली का पारंपरिक बाजार हमेशा से गांधी चौक में ही लगता आया है। यदि सभी व्यापारी एक नियत स्थान पर बैठेंगे तो नगर की सुंदरता में चार चांद लगेंगे। बस स्टैंड पर वर्तमान दुकानें केवल अव्यवस्था और दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही हैं।

बस स्टैंड में सब्जी बाजार लगाने वालो के खिलाफ ठोस दंडात्मक कार्यवाही जायेगी

सरपंच संदीप वाघमारे ने बताया की ग्राम हित में सब्जी बाजार को हमेशा एक ही स्थान पर सुनियोजित तरीके से लगाने का प्रयास किया जा रहा है। किंतु हठधर्मिता की मिसाल पेश करते हुए कुछ सब्जी व्यापारी बस स्टैंड की मुख्य सड़क पर दुकानें फैलाकर अतिक्रमण की पराकाष्ठा लांघ रहे हैं। इन्हें कई बार नोटिस दिए गए कि वे मुख्य बाजार गांधी चौक में अपनी दुकानें लगाएंए लेकिन वे पंचायत के नोटिस को दरकिनार कर रहे हैं। अब इसके खिलाफ प्रशासनिक तौर पर ठोस दंडात्मक कदम उठाने की सख्त आवश्यकता है।

वारासिवनी में मंडी टैक्स चोरों पर कसा शिकंजा, क्षमता से अधिक मिर्च ले जा रहा ट्रक पर २२ हजार से अधिक का जुर्माना

महाराष्ट्र बॉर्डर से बालाघाट जा रहा था अवैध खेप, वसूला ५ गुना मंडी शुल्क

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र में कृषि उपज का अवैध परिवहन कर मंडी टैक्स चोरी करने वाले कारोबारियों के खिलाफ प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। क्षेत्र में क्षमता से अधिक माल लादकर टैक्स चोरी करने के मामलों पर कृषि उपज मंडी के उड़नदस्ता दल के द्वारा लगातार ताबड़तोड़ कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में २३ मई की सुबह उड़नदस्ता दल ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए बिना वैध दस्तावेजों के मिर्च का अवैध परिवहन कर रहे एक ट्रक को पकड़ा और उस पर पांच गुना मंडी शुल्क सहित भारी जुर्माना लगाया है।

ओवरलोड ट्रक से वसूला २२६४९ रुपये का जुर्माना

प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन क्रमांक एम एच ३५ ए जे ०७९६ में क्षमता से अधिक कृषि उपज सूखी मिर्च भरकर नागपुर से बालाघाट ले जाया जा रहा था। यह माल बालाघाट की फर्म गुजरात किराना फिजा कॉरपोरेशन एवं कियान ट्रेडर्स का था। जांच के दौरान वाहन में २६.५३ क्विंटल मिर्च निर्धारित क्षमता से अधिक पाई गई। बिना वैध दस्तावेजों के अवैध रूप से परिवहन करने पर म.प्र. कृषि उपज मंडी अधिनियम १९७२ की धारा १९.६ के उल्लंघन के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। उड़नदस्ता दल ने त्वरित कार्यवाही करते हुए व्यापारी से ५ गुना मंडी शुल्क १८०४१ रुपये निराश्रित शुल्क ३८०८ रुपये समझौता शुल्क १००० रुपये कुल वसूली २२६४९ रुपये उक्त जुर्माने की राशि मौके पर ही वसूल करने के बाद ही ट्रक को आगे के लिए छोड़ा गया। यह कार्यवाही एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के कड़े निर्देशानुसार एवं सचिव कृषि उपज मंडी वारासिवनी के कुशल मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। मंडी उड़नदस्ता दल प्रभारी नागेंद्र रंगारे के नेतृत्व में की गई इस कार्यवाही के दौरान टीम में विशाल राजपूत, विक्रांत देशमुख, नखन सिंह धुर्वे एवं रूपलाल ऊईके मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र बॉर्डर का फायदा उठा रहे टैक्स चोर, अभियान रहेगा जारी

वारासिवनी क्षेत्र की सीमा महाराष्ट्र बॉर्डर से सटी होने के कारण अधिकांश माल का आना जाना इसी रूट से होता है। इसका फायदा उठाकर कई कारोबारी बड़े पैमाने पर मंडी टैक्स की चोरी करने का प्रयास करते हैं। इसी को रोकने के लिए विशेष उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है जो लगातार क्षेत्र में निरीक्षण कर रहा है। मंडी प्रशासन ने क्षेत्र के सभी व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों से सख्त अपील की है कि वे शासन के नियमों का पालन करें और मंडी टैक्स जमा करने के बाद ही वैध दस्तावेजों के साथ कृषि उपज का परिवहन करें। ऐसा ना करने पर भविष्य में और भी कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

भीषण गर्मी का कहर, हैदराबाद मोहल्ले में विद्युत पोल के बॉक्स में भड़की आग मची अफरा तफरी

शॉर्ट सर्किट के बाद तेज धमाके के साथ जली केबल ,फायर ब्रिगेड ने पाया काबू विद्युत विभाग ने संभाला मोर्चा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र में इस समय भीषण गर्मी का दौर जारी है। लगातार बढ़ते पारे और चिलचिलाती धूप के कारण आम जनजीवन तो प्रभावित हो ही रहा है साथ ही अत्यधिक लोड के कारण बिजली उपकरणों में आगजनी के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला शनिवार की दोपहर में नगर के वार्ड नंबर ११ हैदराबाद मोहल्ले से प्रकाश में आया जहाँ एक विद्युत पोल पर लगे प्लास्टिक के डिब्बे जंक्शन बॉक्स में अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर ११ हैदराबाद मोहल्ले में शनिवार की सुबह तक स्थिति पूरी तरह सामान्य थी और विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही थी। लेकिन दोपहर करीब १०.३०बजे अचानक एक तेज आवाज धमाके के साथ शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते पोल पर तारों के कनेक्शन के लिए लगे प्लास्टिक के बॉक्स ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा बॉक्स तेज लपटों के साथ धू.धू कर जलने लगा। इस हादसे के कारण वार्ड की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई। विद्युत पोल पर भड़कती आग और आसमान में उठते काले धुएं को देखकर स्थानीय निवासियों ने सूझबूझ का परिचय दिया। वार्ड वासियों ने बिना वक्त गंवाए तत्काल इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और विद्युत विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन के साथ फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर फाइटर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद पोल पर लगी आग पर पूरी तरह काबू पाया और उसे आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया। आगजनी की इस घटना से मोहल्ले की बिजली गुल हो गई जिससे स्थानीय निवासियों को इस तपती गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग की तकनीकी टीम भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। विभाग के कर्मचारियों के द्वारा प्रभावित पोल पर तत्काल सुधार कार्य रेस्टोरेशन वर्क प्रारंभ कर दिया गया । ताकि जल्द से जल्द विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से बहाल किया जा सके। विदित है कि लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण बिजली के तारों और ट्रांसफार्मर पर ओवरलोड बढ़ जाता है। अत्यधिक गर्मी की वजह से प्लास्टिक बॉक्स और केबल गर्म होकर शॉर्ट सर्किट का शिकार हो रहे हैं। विद्युत विभाग ने भी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दोपहर के समय भारी उपकरणों का सीमित उपयोग करें और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत बिजली दफ्तर को सूचित करें।

शॉर्ट सर्किट से गौठान में लगी भीषण आग, किसान परिवार का करीब १ लाख का नुकसान

महेदोली की घटना समय रहते आग पर पाया काबू टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत महेदोली से आगजनी का एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहाँ २३ मई की दोपहर करीब १२.३० बजे एक कृषक के घर के सामने बने गौठान में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में पीडीत किसान का करीब १लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो गया है। गनीमत यह रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया जिससे एक बड़ा हादसा होते होते टल गया।

शॉर्ट सर्किट बनी आग की वजह

प्राप्त जानकारी के अनुसार महेदोली निवासी बेनीराम भगत अपने पूरे परिवार के साथ यहाँ रहते हैं और उनका मुख्य व्यवसाय खेती किसानी है। रोजाना की तरह २३ मई की सुबह भी परिवार के सभी सदस्य अपने अपने काम में व्यस्त थे वहीं कुछ सदस्य बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब १२.३० बजे घर के ठीक सामने बने गौठान में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी सुलग उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। गौठान से अचानक तेज धुआं और आग की लपटें उठती देख भगत परिवार के सदस्य तुरंत बाहर भागे। आगजनी का अहसास होते ही उन्होंने तुरंत आस.पड़ोस के लोगों को आवाज दी। पीड़ित परिवार ने तत्परता दिखाते हुए घर में लगी पानी की मोटर चालू की और पड़ोसियों की मदद से बाल्टियों से पानी डालकर आग पर काबू पाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन सूखी घास पैरा और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने के कारण लपटें लगातार तेज होती गई। जब ग्रामीणों के प्रयास नाकामी की ओर बढ़ने लगे तब तुरंत घटना की सूचना नगर पालिका परिषद वारासिवनी की फायर ब्रिगेड टीम को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन के साथ फायर फाइटर्स बिना वक्त गंवाए तत्काल मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पाया।

कृषि उपकरण और सामग्री जलकर राख १ लाख की हुई क्षति

जब तक आग बुझाई जाती तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस भीषण आगजनी में गौठान के भीतर रखी भारी मात्रा में सामग्री जलकर नष्ट हो गई जिसमें १५० बेट पैरा मवेशियों का चारा,१२ बोरी धान, पशु आहार, १२ प्लास्टिक के घमेले, ट्रैक्टर के ४ टायर, खेती.किसानी में उपयोग होने वाले कई अन्य कृषि उपकरण शामिल हैं। पीड़ित किसान बेनीराम भगत के अनुसार इस अग्निकांड में उन्हें करीब १ लाख रुपये का सीधा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इस पूरे घटनाक्रम में राहत की बात यह रही कि आग लगते ही परिवार को तुरंत भनक लग गई। यदि थोड़ी सी भी देर होती तो आग बेनीराम भगत के मुख्य मकान और पड़ोसियों के घरों को भी अपनी जद में ले सकती थी। इसके अलावा हादसे के वक्त गौठान में कोई भी मवेशी गाय बैल नहीं बंधा था जिससे एक बड़ी जनहानि और मूक पशुओं की जान बच गई। इस अचानक आई आपदा से पीडीत किसान परिवार पूरी तरह टूट गया है। खेती के इस सीजन में हुए इतने बड़े नुकसान के बाद पीडीत बेनीराम भगत और उनके परिवार ने शासन.प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल मौके का मुआयना कर उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान किए जाने की गुहार लगाई है ताकि उन्हें इस संकट से उबरने में मदद मिल सके।

नेवरगांव वा में पागल कुत्ते का आतंक दो मासूम बच्चों समेत ८० वर्षीय बुजुर्ग महिला को काटा,गांव में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पंचायत नेवरगांव वा में शनिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक आवारा पागल श्वान ने अचानक ग्रामीणों पर हमला बोल दिया। इस हिंसक हमले में एक ८० वर्षीय बुजुर्ग महिला और दो मासूम नौनिहाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में ग्राम पंचायत प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह ग्रामीण रोज की तरह अपने अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे। गलियों में आवारा श्वान घूम रहे थे जिनमें से एक श्वान अचानक पागल हो गया। उक्त श्वान ने सबसे पहले घर के आंगन में खेल रही ३ वर्षीय मासूम बच्ची आकृति पिता नीलेश धुर्वे पर अचानक हमला कर दिया। बच्ची की चीख पुकार सुनकर परिजन तुरंत दौड़े और डंडे मारकर श्वान को वहां से भगाया। आंगन से भागकर वह श्वान सीधे एक घर के स्नानघर में घुस गया। वहां स्नान कर रही ८० वर्षीय बुजुर्ग महिला फुलाबाई धुर्वे पर श्वान ने बेरहमी से हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह नोच डाला। इसके बाद भी श्वान का आतंक नहीं रुका उसने रास्ते में

खेल रहे एक अन्य ४ वर्षीय नौनिहाल रूद्र पिता सुमित उइके को भी काटकर घायल कर दिया। इसके बाद भी वह पागल कुत्ता गांव के अन्य लोगों के पीछे दौड़कर उन्हें काटने का प्रयास करता रहा। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एकजुट होकर लाठी डंडों की मदद से उसे गांव से खदेड़ा तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के तुरंत बाद लहूलुहान अवस्था में तीनों घायलों को परिजनों के द्वारा आनन फानन में स्थानीय सिविल अस्पताल लाया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने तत्काल तीनों का उपचार शुरू किया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया। दोनों बच्चों को खरोच हैं लेकिन ८० वर्षीय बुजुर्ग महिला फुलाबाई के हाथ पर गहरे घाव होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। इस भीषण घटना को लेकर नेवरगांव वा के ग्रामीणों में ग्राम पंचायत के प्रति गहरा असंतोष है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आवारा श्वानों की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

नक्सलवाद के साथ नक्सलवादी मानसिकता का खात्मा भी जरूरी

नक्सलवाद के लगभग पूरी तरह खत्म होने का दावा काफी हद तक सही है, क्योंकि हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की है। सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च, 2026 की समय-सीमा तक वामपंथी उग्रवाद को अपने सबसे मजबूत गढ़ों (जैसे बस्तर) से काफी पीछे धकेल दिया गया है।नक्सलवाद की समाप्ति के दावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जमीनी कार्रवाई में बड़ी सफलतासुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों में भारी सफलता हासिल की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में सैकड़ों कुख्यात नक्सली कमांडरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है और हजारों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। घटता दायरा (रेड कॉरिडोर)कभी देश के करीब 180 जिलों में फैला नक्सली प्रभाव अब सिमटकर बहुत ही कम क्षेत्रों (मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों) तक रह गया है। मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है लेकिन अभी नक्सली मानसिकता का समूल नष्ट करना बाकी है। आपको बता दें कि भारत के लिए नक्सलवाद केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं था, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और आदिवासी समाज के भविष्य से जुड़ा एक गहरा संकट था। दशकों तक नक्सल हिंसा ने देश के अनेक हिस्सों, विशेषकर छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे क्षेत्रों को भय, अविश्वास और पिछड़ेपन के अंधेरे में धकेले रखा। उससे मुक्ति निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त बताते हुए यह भी कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी पिछले 50 वर्षों के नुकसान की भरपाई करना है और बस्तर को देश के सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्रों में शामिल करना है। सरकारी बयान के अनुसार, 3,000 आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन देने और बस्तर को विकसित भारत की यात्रा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर से यह कहना कि भारत नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, निस्संदेह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह घोषणा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों जवानों, पुलिसकर्मियों, स्थानीय आदिवासियों और निर्दोष नागरिकों के संघर्ष की परिणति है, जिन्होंने इस लंबी लड़ाई में अपनी जान, परिवार और भविष्य तक दांव पर लगा दिया। नक्सलवाद का इतिहास देश के लिए पीड़ा से भरा रहा है। 1970 के दशक से लेकर लंबे समय तक यह हिंसक विचारधारा गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के नाम पर बंदूक की राजनीति करती रही। जिन लोगों के अधिकारों की बात कर नक्सल आंदोलन खड़ा किया गया था, सबसे अधिक नुकसान भी उन्हीं गरीबों और आदिवासियों को उठाना पड़ा। स्कूल जलाए गए, सड़कें नहीं बनने दी गई, स्वास्थ्य केंद्रों का विरोध हुआ, सरकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचने से रोका गया और युवाओं को शिक्षा के बजाय हथियार थमा दिए गए। आपको पता है कि यह विडंबना ही थी कि विकास के नाम पर शुरू हुआ आंदोलन विकास का सबसे बड़ा विरोधी बन गया। बस्तर इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा है। प्राकृतिक संपदा, आदिवासी संस्कृति और मानवीय संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र लंबे समय तक भय का दूसरा नाम बना रहा। रात में आवाजाही चंद, गांवों में खामोशी, स्कूलों में ताले, सड़क निर्माण पर हमला और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर वार, यह सब बस्तर की सामान्य पहचान बन चुका था।

सुंदरता बनाम सुरक्षा-औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 और सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाईजेशन (सीडीएससीओ) की सख्ती

वैश्विक स्तरपर आज के दौर में सुंदर दिखने की चाहत तेजी से बढ़ती जा रही है।ग्लोइंग स्किन,इंस्टेंट फेयरनेस, एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट,स्किन टाइटनिंग और बिना सर्जरी खूबसूरती पाने की होड़ ने कॉस्मेटिक और ब्यूटी इंडस्ट्री को विशाल बाजार में बदल दिया है।सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, ऑनलाइन विज्ञापन औरतथाकथित इंस्टेंट रिजल्ट देने वाले क्लीनिक लोगों को तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।लेकिन इसी चमक-दमक के पीछे एक खतरनाक सच भी छिपा हुआ है। अनेक ब्यूटी क्लीनिक और अवैध केंद्र कॉस्मेटिक उत्पादों का इस्तेमाल इंजेक्शन के रूप में कर रहे हैं, जबकि ऐसे उत्पाद केवल बाहरी उपयोग के लिए बनाए जाते हैं। कई स्थानों पर बिना प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा इंजेक्शन आधारित तथाकथित ब्यूटी ट्रीटमेंट किए जा रहे हैं, जिससे लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। इसी बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने अब कड़ा रुख अपनाया है।भारत की दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाईजेशन ने दिनांक 21 मई 2026 को सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी कॉस्मेटिक उत्पाद का उपयोग इंजेक्शन के रूप में नहीं किया जा सकता। संस्था ने चेतावनी दी है कि ऐसा करना कानून का उल्लंघन माना जाएगा और दोषियों के खिलाफ औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सरकार का यह कदम केवल नियम लागू करने भर का मामला नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य जोखिमों से बचाने और ब्यूटी इंडस्ट्री में फैल रही अनियमितताओं पर रोक लगाने की दिशा में बड़ा हस्तक्षेप माना जा रहा है।भारत की दवा नियामक संस्था सीडीएससीओ द्वारा जारी नोटिस में साफ कहा गया है कि कॉस्मेटिक उत्पादों का उपयोग केवल बाहरी प्रयोग के लिए होता है।उन्हें इंजेक्शन, इन्फ्यूजन या शरीर के अंदर प्रवेश कराने वाली किसी भी प्रक्रिया में उपयोग नहीं किया जा सकता। कानून के अनुसार कॉस्मेटिक का उद्देश्य केवल त्वचा की सफाई, सुगंध, सुंदरता बढ़ाना या बाहरी रूप को आकर्षक बनाना होता है।यदि किसी उत्पाद को इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में प्रवेश कराया जाता है,तो वह सामान्य कॉस्मेटिक की श्रेणी से बाहर हो जाता है और उसके लिए अलग चिकित्सीय अनुमति तथा वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक होते हैं। यही कारण है कि सीडीएससीओ ने स्पष्ट किया कि कॉस्मेटिक उत्पादों को इंजेक्शन के रूप में प्रयोग करना नियमों का सीधा उल्लंघन है। साथियों बात अगर हम इस संबंध में बनाए गए कानून को समझने की करें तो एडवोकेट होने के नाते बता दूं इस मामले में कार्रवाई के लिए औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 की कई धाराएं लागू हो सकती हैं। धारा 18 के अंतर्गत ऐसे कॉस्मेटिक्स के निर्माण, बिक्री, वितरण या उपयोग पर रोक लगाई गई है जो मानक- विरुद्ध,भ्रामक या नियमों का उल्लंघन करने वाले हों। धारा 17सी मिसब्रांडेड कॉस्मेटिक्स से संबंधित है, जिसके अंतर्गत गलत दावे, भ्रामक लेबलिंग या झूठे प्रचार वाले उत्पाद आते हैं। इसी प्रकार धारा 26ए केंद्र सरकार को यह अधिकार देती है कि वह जनहित में किसी कॉस्मेटिक के निर्माण, बिक्री या उपयोग पर प्रतिबंध लगा सके। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर धारा 27 ए के तहत सजा का प्रावधान किया गया है। यदि कोई कॉस्मेटिक नकली या मिलावटी पाया जाता है, तो अधिकतम तीन वर्ष तक की कैद तथा न्यूनतम 50 हजार रुपये या उत्पाद की कीमत के तीन गुना तक जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं यदि किसी कॉस्मेटिक का उपयोग नियमों के विरुद्ध,जैसे इंजेक्शन के रूप में किया जाता है, तो अधिकतम एक वर्ष तक की कैद, 20 हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यदि केंद्र सरकार द्वारा जारीप्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन होता है, तो धारा 28बी के तहत भी कठोर दंड का प्रावधान है। इससे स्पष्ट है कि सीडीएससीओ की चेतावनी केवल सलाह नहीं, बल्कि पूर्णतः कानूनी और दंडनीय विषय है। साथियों बात अगर हम सरकार द्वारा जारी किए गए नोटिस की करें तो,सरकार की चिंता केवल नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गंभीर स्वास्थ्य खतरे भी जुड़े हुए हैं। बीते कुछ वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर स्किन व्हाइटनिंग इंजेक्शन,ग्लूटाथियोन इंजेक्शन, इंस्टेंट ग्लो थेरेपी, एंटी-एजिंग इंजेक्शन और फेस लिफ्ट इंजेक्शन जैसे शब्द तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इनका प्रचार इस तरह किया जाता है मानो कुछ मिनटों में व्यक्ति की त्वचा पूरी तरह बदल जाएगी। कई क्लीनिक इन प्रक्रियाओं को वैज्ञानिक और सुरक्षित बताकर लोगों को आकर्षित करते हैं, जबकि अनेक मामलों में इनके पीछे पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाण नहीं होते। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई जगह बिना प्रशिक्षित या गैर-चिकित्सकीय व्यक्ति भी ऐसे इंजेक्शन लगा रहे हैं। इससे संक्रमण, एलर्जी, त्वचा खराब होना, नसों को नुकसान, हार्मोनल असंतुलन और यहां तक कि जीवन के लिए खतरा पैदा होने की आशंका रहती है।विशेषज्ञों के अनुसार इंजेक्शन आधारित कोई भी प्रक्रिया शरीर के अंदरूनी सिस्टम को प्रभावित करती है। यदि किसी पदार्थ की शुद्धता, डोज, उपयोग की विधि और चिकित्सकीय निगरानी सही न हो, तो उसके गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं।गलत तरीके से लगाए गए इंजेक्शन से सेप्सिस, त्वचा की स्थायी क्षति, चेहरे की विकृति, लीवर और किडनी पर असर तथा प्रतिरक्षा प्रणाली में गड़बड़ी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि मेडिकल साइंस में इंजेक्शन प्रक्रियाओं को केवल प्रशिक्षित चिकित्सकों की निगरानी में ही अनुमति दी जाती है। सरकार का मानना है कि सौंदर्य उपचार के नाम पर लोगों की भावनाओं और असुरक्षाओं का फायदा उठाकर अवैज्ञानिक उपचार बेचना अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति बन चुकी है। साथियों बात अगर हम भारत के औषधि महानियंत्रक की ओर से जारी चेतावनी को समझने की करें तो इसमें यह भी स्पष्ट किया गया कि कोई भी कंपनी या विक्रेता ऐसे दावे नहीं कर सकता जो उपभोक्ताओं को गुमराह करें। यदि किसी उत्पाद के लेबल, पैकेजिंग या विज्ञापन में यह प्रचार किया जाता है कि वह बीमारी का इलाज करेगा, त्वचा को स्थायी रूप से गोरा बनाएगा यामेडिकल ट्रीटमेंट जैसा प्रभाव देगा, तो यह कानून के खिलाफ माना जाएगा।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि झूठे विज्ञापन, बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावे, गलत जानकारी वाले लेबल और प्रतिबंधित रसायनों का उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है। ऐसे मामलों में संबंधित कंपनी, क्लीनिक या वितरक के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। साथियों, आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने ब्यूटी इंडस्ट्री को अभूतपूर्व गति दी है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स पर पहले और बाद की तस्वीरें दिखाकर लोगों को प्रभावित किया जाता है। युवा वर्ग, विशेषकर किशोर और महिलाएं, इन विज्ञापनों से जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। कई बार सेलिब्रिटी और इन्फ्लुएंसर भी ऐसे उत्पादों का प्रचार करते हैं, जिससे आम लोगों में भरोसा पैदा होता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन दावों की वैज्ञानिक जांच बहुत कम होती है। अनेक उत्पादों में स्टेरॉयड, हानिकारक केमिकल या अनधिकृत पदार्थ पाए गए हैं। यही वजह है कि सरकार अब केवल उत्पादों पर ही नहीं, बल्कि उनके प्रचार- प्रसार के तरीकों पर भी नजर रख रही है।कॉस्मेटिक्स और मेडिकल ट्रीटमेंट के बीच का अंतर समझना बेहद आवश्यक है। कॉस्मेटिक उत्पाद केवल बाहरी उपयोग के लिए होते हैं, जैसे क्रीम, लोशन, फेस वॉश, मेकअप या परफ्यूम। इनका उद्देश्य केवल साफ-सफाई और बाहरी सुंदरता बढ़ाना होता है। दूसरी ओर इंजेक्शन, फिलर्स, बोटॉक्स या अन्य मेडिकल प्रक्रियाएं शरीर की अंदरूनी संरचना और जैविक प्रणाली को प्रभावित करती हैं। इसलिए इन्हें केवल योग्य चिकित्सकों द्वारा, नियंत्रित वातावरण में और वैज्ञानिक प्रोटोकॉल के अनुसार ही किया जाना चाहिए। किसी साधारण ब्यूटी पार्लर या बिना लाइसेंस वाले क्लीनिक में ऐसे उपचार करवाना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सीडीएससीओ की यह चेतावनी विशेष रूप से एस्थेटिक, ब्यूटी और वेलनेस क्लीनिकों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार हाल के समय में कई शिकायतें मिली थीं कि कॉस्मेटिक उत्पादों का गलत तरीके से उपयोग किया जा रहा है। कई क्लीनिक इंजेक्शन आधारित प्रक्रियाओं को कॉस्मेटिक थेरेपी बताकर पेश कर रहे थे, जबकि वे कानूनी रूप से अनुमत नहीं थीं। शिकायतों में यह भी सामने आया कि कुछ संस्थान बिना वैज्ञानिक प्रमाण के चमत्कारी परिणामों का दावा कर रहे थे। इन्हीं घटनाओं के बाद सीडीएससीओ ने तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक चेतावनी जारी करने का सटीक निर्णय लिया। साथियों, सरकार ने आम जनता से भी सतर्क रहने की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे किसी भी ब्यूटी ट्रीटमेंट से पहले उसकी वैधता और चिकित्सकीय सुरक्षा की जांच अवश्य करें। यदि कहीं कॉस्मेटिक के नाम पर इंजेक्शन लगाए जा रहे हों,गलत इलाज किया जा रहा हो या भ्रामक विज्ञापन चलाए जा रहे हों, तो इसकी जानकारी तुरंत संबंधित प्राधिकरण को दें। सरकार का मानना है कि केवल प्रशासनिक कार्रवाई से ही इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं होगा, बल्कि जनता की जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है।आज सुंदरता और स्किन केयर आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। लोग बेहतर दिखना चाहते हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय अपनाते हैं। लेकिन सुंदरता की चाह यदि वैज्ञानिक समझ और सुरक्षा मानकों से दूर हो जाए, तो वह गंभीर स्वास्थ्य संकट में बदल सकती है। कई बार लोग सस्ते और त्वरित परिणामों के लालच में ऐसे उपचार चुन लेते हैं जो लंबे समय में नुकसान पहुंचाते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

युद्ध, अविश्वास और बयानबाजी के बीच भारत का बढ़ता सम्मान

-डॉ राघवेंद्र शर्मा

हमें कब कहां क्या बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब कहां क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं -

बिना बेचारे जो करे सो पांछे से पछताय।
काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।।

अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है।

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने

को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है। मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालातो से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं। नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानि असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वार्ताकार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिल्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं। बड़बोले नेताओं के देश ईंधन से मेहरूम होकर बर्बादी की कगार पर हैं। जहां थोड़ा बहुत ईंधन है भी तो दाम दुगने चौगुने करने की लाचारी है। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो भारी हिंसा और युद्ध कालीन विभीषिकाओं के बीच भी शांति का टापू बना हुआ है। हमारे यहां डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। कारण सिर्फ यही है कि हमारे नेता श्री नरेंद्र मोदी दूसरों के मामले में अपनी टांग फंसाने का शौक नहीं रखते। और ना ही उन्हें यह मंजूर है कि कोई हमारे मामलों में अपनी नाक घुसेड़े। वे अमेरिका और इजरायल से बात करते हैं तो ईरान सहित अन्य खाड़ी देश का भी सम्मान बनाए रखते हैं। जहां भी बात करते हैं तो नेशन फर्स्ट की सोच आगे रखकर ही बेहद सधे हुए कदम बढ़ाते हैं। इसी परिपक्वता का परिणाम है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी हाल ही में जब 5 देशों की यात्रा पर गए तो हमेशा की तरह इस बार भी वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने उनका बढ़-चढ़कर सम्मान किया। यहां तक कि उन्हें सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किए जाने की श्रृंखला लंबी होती रही। यही नहीं, उक्त देशों ने भारत के साथ आर्थिक, ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के मामलों में बेहद प्रसन्नता के साथ अनुबंध किये।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्तमान भारत की आवाज और उसकी अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाता है। काश यह बात दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ हमारे देश के विपक्षी नेताओं की समझ में भी आ जाती।

2047 तक नशामुक्त भारत का संकल्प-जिहादी ड्रग्स, अंतरराष्ट्रीय तस्करी और युवाओं के भविष्य को बचाने की निर्णायक लड़ाई

भारत ने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत का जो लक्ष्य तय किया है, वह केवल एक सरकारी अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का राष्ट्रीय संकल्प है। देश जब आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब एक ऐसे भारत की कल्पना की जा रही है जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ नशे जैसी घातक बुराई से भी मुक्त हो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत मादक पदार्थों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है और अब लक्ष्य केवल ड्रग्स पकड़ना नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को जड़ से समाप्त करना है। आज ड्रग्स का कारोबार केवल अपराध तक सीमित नहीं रह गया है। यह आतंकवाद, हथियारों की तस्करी, हवाला नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से गहराई से जुड़ चुका है। यही कारण है कि भारत सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के रूप में देखना शुरू किया है। हाल ही में 182 करोड़ रुपये मूल्य की जिहादी कैप्टागन ड्रग्स की जब्ती ने सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया। ऑपरेशन रेजपिल के तहत हुई यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट्स के निशाने पर है और विदेशी नेटवर्क देश को ट्रांजिट रूट तथा बाजार दोनों के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं।

कैप्टागन एक एम्फेटामिन आधारित नशीला पदार्थ है, जिसे कई युद्धग्रस्त क्षेत्रों में आतंकी संगठनों द्वारा इस्तेमाल किए जाने के कारण जिहादी ड्रग कहा जाता है। माना जाता है कि इसका सेवन करने से व्यक्ति में आक्रामकता बढ़ती है, डर कम होता है और लंबे समय तक जागे रहने की क्षमता पैदा होती है। मध्य पूर्व के संघर्षों में सक्रिय कई आतंकी गुटों के लड़ाकों द्वारा इसका उपयोग किए जाने की खबरें पहले भी सामने आती रही हैं। भारत में इतनी बड़ी मात्रा में इसकी जब्ती ने यह संकेत दिया है कि ड्रग्स का यह खतरनाक नेटवर्क अब एशियाई देशों की ओर तेजी से फैल रहा है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि नशे का यह जाल युवाओं को निशाना बना रहा है। स्कूल, कॉलेज और महानगरों के साथ-साथ छोटे शहर भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने ड्रग्स तस्करों के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। अब नशे का कारोबार केवल सीमाओं पर नहीं होता, बल्कि ऑनलाइन नेटवर्क, डार्क वेब और डिजिटल भुगतान के माध्यम से भी संचालित

हो रहा है। तस्कर युवाओं को पहले फैशन, एडवेंचर या तनाव से राहत के नाम पर नशे की ओर आकर्षित करते हैं और बाद में उन्हें इसकी लत में धकेल देते हैं। एक बार जब युवा इसकी गिरफ्त में आ जाता है, तब उसका शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन धीरे-धीरे बर्बाद होने लगता है। मादक पदार्थों का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह व्यक्ति से उसकी सोचने-समझने की क्षमता छीन लेता है। नशे की लत केवल शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि परिवारों को तोड़ देती है। कई युवा अपराध, हिंसा और अवसाद की ओर बढ़ जाते हैं। समाज में चोरी, लूट, हत्या और घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं में भी वृद्धि होती है। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। भारत की भौगोलिक स्थिति भी इस चुनौती को जटिल बनाती है। देश के आसपास ऐसे क्षेत्र मौजूद हैं जो अंतरराष्ट्रीय ड्रग उत्पादन और तस्करी के लिए कुख्यात रहे हैं। समुद्री रास्तों, सीमावर्ती इलाकों और हवाई मार्गों का उपयोग कर तस्कर भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कई बार ड्रग्स को वैध व्यापारिक सामान के भीतर छिपाकर भेजा जाता है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे इन नेटवर्कों की पहचान करें और उन्हें समय रहते नष्ट करें। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने बहुस्तरीय रणनीति तैयार की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, सीमा सुरक्षा बल, तटरक्षक बल, राज्य पुलिस, खुफिया एजेंसियां और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संगठन मिलकर संयुक्त अभियान चला रहे हैं। ऑपरेशन रेजपिल जैसी कार्रवाई यह दिखाती है कि भारत अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि सक्रिय रणनीति अपनाने लगा है। विदेशों से खुफिया जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने वाली एजेंसियां अब ड्रग नेटवर्क की आर्थिक और डिजिटल गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का अर्थ है कि किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरती जाएगी। चाहे तस्कर कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी मात्रा में ड्रग्स की जब्ती, संपत्तियों की कुर्की और अंतरराष्ट्रीय गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई इस नीति की गंभीरता को दर्शाती है। लेकिन केवल सरकारी कार्रवाई से समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। समाज की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब परिवार, स्कूल, धार्मिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर युवाओं को जागरूक करेंगे। बच्चों और किशोरों को यह समझाना जरूरी है कि नशा कोई आधुनिकता या स्टेटस सिंबल नहीं, बल्कि विनाश का रास्ता है। माता-पिता को अपने बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। यदि कोई युवा अचानक चिड़चिड़ा हो जाए, पढ़ाई से दूरी बनाने लगे या संदिग्ध मित्र मंडली में शामिल हो जाए, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कूलों और कॉलेजों में नियमित रूप से नशा विरोधी अभियान चलाए जाने चाहिए। खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक वातावरण युवाओं को गलत रास्ते से बचाने में मदद कर सकते हैं। समाज में सफल और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को भी आगे आकर युवाओं को जागरूक करना चाहिए। तकनीक का उपयोग भी इस लड़ाई में प्रभावी हथियार बन सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और साइबर मॉनिटरिंग के माध्यम से ड्रग नेटवर्क की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। डिजिटल भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए होने वाले अवैध लेन-देन को ट्रैक करना भी जरूरी है। सरकार यदि आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करती है, तो ड्रग्स तस्करी पर बड़ी चोट पहुंचाई जा सकती है। भारत आज जिस तेजी से वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है, उसमें युवाओं की ऊर्जा सबसे बड़ी ताकत है। यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में चले गए, तो देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति पर गंभीर असर पड़ेगा। इसलिए नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल कानून की लड़ाई नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की लड़ाई है।

2047 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए सरकार की कठोर नीति, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी तीनों का एक साथ चलना जरूरी है। ऑपरेशन रेजपिल जैसी सफलताएं यह विश्वास दिलाती हैं कि भारत अब ड्रग्स तस्करी के खिलाफ निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार है। आवश्यकता इस बात की है कि हर नागरिक इस अभियान का सहभागी बने और युवाओं को नशे से बचाने के लिए आगे आए।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख से शनिवार को अनाज मंडी में उड़द व मूंग में बाजार तेजी पर रहे। चने में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर सुर्ख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार उड़द व मूंग में पूछपरख रहने से बाजार तेजी पर रहे। चने में बाजार 6100-6150 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। खाद्य तेलों में सुर्खी रही। तिलहनों में सरसो व रायडा मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4230-4300, खोपरा गोला 380-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1630-1650, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1430-1435, सोया रिफाइंड 1490-1500, कपास्या 1490-1495, धूलिया 1495, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600, मुम्बई पाम 1490-1500, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7200-7400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5600-5700, विशाल 6000-6500, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6000-6050, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7700-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8100-8300, मीडियम 8000-8200, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्त बने रहे। भाव इस प्रकार रहे =

चाँदी (9999) 257500, चाँदी (99) 257300, टंच 256800, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151800,

एसबीआई की बैंकिंग सेवाएं 25-26 मई को सामान्य रहेंगी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कर्मचारियों की 25 और 26 मई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को टाल दिया गया है। बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई सकारात्मक बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। इससे एसबीआई के 52 करोड़ ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है और अब बैंक की सभी शाखाएं सामान्य रूप से खुली रहेंगी। अखिल भारतीय एसबीआई कर्मचारी महासंघ (एआईएसबीआईएसएफ) ने पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, आउटसोर्सिंग रोकने, करियर प्रगति और चिकित्सा प्रतिपूर्ति में सुधार सहित 16 सूत्री विभिन्न मांगों को लेकर यह हड़ताल बुलाई थी। महासंघ के महासचिव एल चंद्रशेखर ने बताया कि प्रबंधन के साथ मुंबई में हुई बैठक काफी सकारात्मक रही, जिसमें उनकी कई प्रमुख मांगों पर प्रगति हुई है।

भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते दिखा उतार-चढ़ाव का खेल

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित झटकों से भरा रहा, जहां वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और घरेलू आर्थिक संकेतकों ने बाजार की चाल तय की। निवेशकों को हर दिन बाजार की शुरुआती गिरावट और फिर दिन के अंत में शानदार रिकवरी या इसके विपरीत शुरुआती तेजी के बाद सुस्त समापन जैसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले। पश्चिमी एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और विदेशी फंड के प्रवाह जैसे कारकों ने बाजार की दिशा को लगातार प्रभावित किया, जिससे यह सप्ताह वैश्विक संकेतों और घरेलू लचीलेपन के बीच झूलता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान के साथ खुला, जहां सेंसेक्स 900 से अधिक अंक और निफ्टी 255 से अधिक अंक गिर गया। डॉलर

के मुकाबले भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.33 (अस्थायी) पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी। हालांकि, बाजार ने दिन के अंत तक जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को चौंका दिया। सेंसेक्स मामूली रूप से 77.05 अंकों की वृद्धि दर्ज कर हरे निशान पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 6.45 अंकों की बढ़त रही। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर नियोजित सैन्य हमले रोकने और समझौते की संभावना जताने की खबर ने बाजार में एक नई उम्मीद जगाई। इस सकारात्मक खबर के दम पर भारतीय शेयर बाजार ने शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की। सेंसेक्स 366.71 अंक उछलकर 75,706.88 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी में भी 107.45 अंकों की बढ़त दर्ज हुई। लेकिन यह तेजी भी दिन के अंत तक कायम नहीं रह पाई। शुरुआती बढ़त गंवाकर दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, सेंसेक्स 75,200.85 और निफ्टी 23,618.00 पर कारोबार समाप्त हुआ। बुधवार को भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर भारी बिकवाली के दबाव में खुले।

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम पर बिना रिस्क हर महीने 10,000 पाएं

नई दिल्ली। एजेंसी। अगर आप भी एक गारंटीड और सुरक्षित निवेश की तलाश में हैं, जो नियमित मासिक आय दे सके, तो पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह स्कीम विशेष रूप से रिटायर लोगों और बाजार के जोखिम से मुक्त आय चाहने वालों के लिए बेहद लोकप्रिय है। पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम उन निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प है जो अपने निवेश पर नियमित मासिक आय चाहते हैं। यह स्कीम बाजार के उतार-चढ़ाव से पूरी तरह अप्रभावित रहती है, जिससे आपका मूलधन सुरक्षित रहता है और आपको तय ब्याज दर पर आय मिलती है। वर्तमान में पीओएमआईएस पर 7.4 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, जिसका भुगतान हर महीने सीधे आपके खाते में किया जाता है। इस योजना में निवेश की सीमा निर्धारित की गई है। आप एकल खाते में अधिकतम 9 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं, जबकि संयुक्त खाते में यह सीमा बढ़कर 15 लाख रुपये हो जाती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यदि आपके कई एमआईएस खाते हैं, तब भी सभी खातों में कुल जमा राशि निर्धारित सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि आप एक संयुक्त खाते के माध्यम से अधिकतम 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मौजूदा 7.4 फीसदी ब्याज दर के अनुसार आपको हर महीने लगभग 9,250 रुपये की नियमित आय प्राप्त होगी। इस तरह, 5 साल में आप ब्याज के रूप में कुल करीब 5,55,000 रुपये कमा सकते हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। यह स्कीम उन लोगों के लिए आदर्श है जो रिटायरमेंट के बाद या किसी अन्य कारण से अपनी आय का एक स्थायी स्रोत सुनिश्चित करना चाहते हैं।

आभूषण बिक्री पर दोहरी मार, राजस्व बढ़ेगा पर मांग घटेगी

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने की बढ़ती कीमतों और हालिया आयात शुल्क वृद्धि का असर देश के संगठित स्वर्ण आभूषण खुदरा क्षेत्र पर साफ दिख रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष में आभूषणों की बिक्री मात्रा के लिहाज से 13 से 15 प्रतिशत तक घट सकती है। हालांकि, सोने की ऊंची कीमतों के चलते प्रति यूनिट अधिक मूल्य मिलने से इस क्षेत्र का कुल राजस्व 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। इसके बावजूद, कंपनियों पर कार्यशील पूंजी और इन्वेंट्री लागत का दबाव बना रहेगा, हालांकि बेहतर नकदी प्रवाह से उनकी वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वित्त वर्ष 24 में भी सोने के आभूषणों की बिक्री में लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। भारत ने वित्त वर्ष 2024 में लगभग 720 टन सोने का आयात किया, जिससे लगभग 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा देश से बाहर गई। व्यापार घाटा नियंत्रित करने और रुपए को सहारा देने के उद्देश्य से सरकार ने हाल ही में सोने पर सीमा शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। क्रिसिल के अनुसार, पिछले वर्ष वैश्विक अनिश्चितताओं और रुपये में कमजोरी के कारण घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका सीधा असर उपभोक्ता मांग पर पड़ा है। उपभोक्ता अब हल्के वजन और कम कैरेट (16 से 22 कैरेट) वाले आभूषणों की ओर अधिक रुख कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में निवेश के रूप में सोने की मांग तेजी से बढ़ी है, जहां सोने की छड़ और सिक्कों की बिक्री 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, जबकि आभूषणों की मांग में करीब 25 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आयात शुल्क में वृद्धि सोने की मांग पर बड़ा दबाव डाल सकती है और चालू वित्त वर्ष में कुल आभूषण बिक्री घटकर 620 से 640 टन तक रह सकती है, जो पिछले एक दशक का निचला स्तर होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आयात नीति में संभावित बदलाव और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव इस सेक्टर के लिए प्रमुख जोखिम बने रहेंगे।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा और खासकर राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की छवि मजबूत होगी। लेकिन दिल की बात तुरंत जुबान पर लाने की आदत किसी छोटी बात को बड़ा बना सकती है। घर में मां की सेहत को लेकर चिंता बनी रह सकती है, इसलिए लापरवाही न करें। कार्यक्षेत्र में किसी की खींचतान या गुटबाज़ी से दूर रहना ही समझदारी होगी।

वृषभ- आज किस्मत आपके लिए संपत्ति और धन से जुड़े अच्छे संकेत लेकर आई है। कई काम एक साथ आने से भागदौड़ बढ़ेगी, लेकिन इसी भागदौड़ में कोई बड़ा फायदा भी छिपा है। प्रॉपर्टी खरीदने या निवेश का सपना पूरा होने के योग हैं। बिजनेस में रफ्तार पहले से बेहतर रहेगी और रुका हुआ पैसा या मामला भी धीरे-धीरे आपके पक्ष में जाता दिखेगा।

मिथुन- आज आपका दिल दूसरों की मदद करने और कुछ अच्छा करने में लगेगा। नई कोशिशें रंग लाएंगी और लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को मेहनत में कमी नहीं छोड़नी चाहिए। हालांकि मन मौज-मस्ती में ज्यादा रहेगा और काम टालने का मन करेगा।

कर्क- आज दिन सकारात्मक रहेगा, लेकिन मन किसी अनजानी चिंता में उलझा रह सकता है। भाई-बहनों का साथ और सहयोग आपको राहत देगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए हर बात सोच-समझकर संभालें। संतान की सफलता आपका दिल खुश कर देगी। खान-पान में थोड़ा संयम रखें, क्योंकि स्वाद के चक्कर में पेट बिगड़ सकता है। वाहन चलाते समय भी सावधानी जरूरी है।

सिंह- आज आपको हर कदम सोच-समझकर रखने की जरूरत है। आसपास के लोगों के विवादों से दूरी बनाए रखें, वरना बिना वजह तनाव मिल सकता है। पुराने लेनदेन या पैसों से जुड़ी उलझन सुलझने के संकेत हैं। आज दूसरों पर भरोसा करने की बजाय अपने फैसलों पर भरोसा करें। परिवार के साथ बाहर घूमने का मौका मिल सकता है और किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात पुरानी यादें ताज़ा कर देगी।

कन्या- आज का दिन तरक्की और नए अवसरों का संकेत दे रहा है। लंबे समय से अटका कोई सरकारी काम पूरा हो सकता है, जिससे मन हल्का महसूस करेगा। विदेश में पढ़ाई या करियर बनाने का सपना देखने वालों के लिए भी अच्छी खबर मिल सकती है। मां के साथ हुई बातचीत कई घरेलू परेशानियों का हल निकाल देगी। साथ ही आप अपने रहन-सहन और लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

तुला- आज मेहनत का पूरा फल मिलने वाला है। धन कमाने के साथ-साथ उसे सही जगह निवेश करने का विचार भी मन में आएगा, जो भविष्य में फायदा देगा। लेकिन कानूनी मामलों में लापरवाही मुश्किलें बढ़ा सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है। परिवार में किसी सदस्य को नौकरी या काम के लिए घर से दूर जाना पड़ सकता है, जिससे भावुकता भी बढ़ेगी।

वृश्चिक- आज आपके दिमाग में नए-नए आइडिया बिजली की तरह दौड़ेंगे। कुछ अलग और बड़ा करने की इच्छा मजबूत होगी। जीवनसाथी के करियर में भी नया मोड़ आ सकता है। रुका हुआ काम पूरा होने से राहत मिलेगी और आय में बढ़ोतरी खुशी देगी। अगर किसी महत्वपूर्ण फैसले को लेकर उलझन हो, तो पिता या किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

धनु- आज पैसों और लेनदेन के मामलों में अतिरिक्त सावधानी रखने की जरूरत है। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी, लेकिन किसी के बहकावे में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है। मां की कोई बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन बाद में वही बात आपके भले के लिए साबित होगी। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से राहत मिलेगी। भगवान की भक्ति और किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मन को शांति देगा।

मकर- आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच अच्छी खबरें भी लेकर आएगा। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को बड़ा पद या सम्मान मिलने के योग हैं। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है। हालांकि पुराने पैसों का कोई मामला सिरदर्द बन सकता है। संतान पक्ष से मिली खुशखबरी घर का माहौल खुशनुमा बना देगी।

कुंभ- आज आप जीवन को खुलकर जीने के मूड में रहेंगे। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपकी टेंशन कम कर देगा। पिता की ओर से कोई सरप्राइज या खास सहयोग मिल सकता है। अगर बाहर जाएं तो अपने कीमती सामान का ध्यान जरूर रखें। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

मीन- आज भागदौड़ कुछ ज्यादा रह सकती है और मन भी थोड़ा बेचैन रहेगा। कामों में लापरवाही बाद में परेशानी खड़ी कर सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी समय पर पूरी करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान लगाने की जरूरत है, वरना परीक्षा में मुश्किल आ सकती है। दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा सलाह देना आपको उलझा सकता है।

शब्दजाल - 8268

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकीश्रॉफ .

शब्दजाल - 8267 का हल

त	स	ही	त्म	ली	अ	ल	बे	ला	प	दे
क	अ	अ	रो	त	अ	ला	र	न	र	जू
ओ	स	शी	क	ही	न	भि	द	जू	जू	वत
गे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क
सो	चा	ल	बा	ज	न	द	ल	ल	व	त
च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	वी	ग
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र
र	क	ब्र	फ्र	प	स	सू	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मेष में
बुध	वृष में
गुरू	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.46 बजे से
कर्क	08.59 बजे से
सिंह	11.15 बजे से
कन्या	13.27 बजे से
तुला	15.38 बजे से
वृश्चिक	17.53 ब.से
धनु	20.09 बजे से
मकर	22.14 बजे से
कुंभ	00.00 बजे से
मीन	01.33 बजे से
मेष	03.04 बजे से
वृष	04.44 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 144 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 04.31 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 02.51 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 03.45 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 16.25 बजे तदनन्तर कौलव 04.31 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 7.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872719
जूलियन दिन 2461184.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 07

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक	चर	08.41	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक	रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक	काल	11.46	से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7212

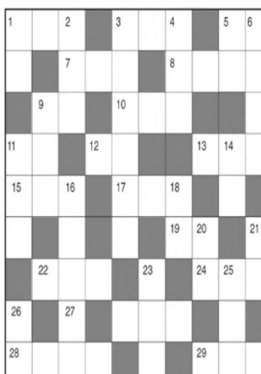

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निराली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुम्रा तुम्रा तक तक तुम्रा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहों' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7211

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अखरोट का पेड़

फारस का बादशाह नौशेखां अपनी न्यायप्रियता के लिए बहुत प्रसिद्ध था। वह उदार हृदय होने से बहुत बड़ा दानी भी था। एक दिन वह अपने मंत्रियों के साथ घूमने निकला। उसने देखा कि एक बगीचे में एक बहुत बूढ़ा माली अखरोट के पेड़ लगा रहा है। बादशाह उस बगीचे में गया। उसने माली से पूछा- तुम यहां माली हो या यह तुम्हारा ही बगीचा है? माली ने कहा- मैं नौकरी नहीं करता। यह बगीचा मेरे ही बाप-दादों का लगाया हुआ है। बादशाह ने कहा- तुम ये अखरोट के पेड़ लगा रहे हो। क्या तुम समझते हो कि इनका फल खाने के लिए तुम तब तक जीवित रहोगे? अखरोट का पेड़ लगाने के बीस बरस बाद फलता है, यह बात जगजाहिर है। बूढ़े माली ने बादशाह का बात सुनकर कहा- मैं अब तक दूसरे के लगाए पेड़ों के बहुत फल खा चुका हूं। इसलिए मुझे भी दूसरों के लिए पेड़ लगाने चाहिए। अपने फल खाने की आशा से ही पेड़ लगाना तो स्वार्थ है। बादशाह माली के उत्तर में बहुत प्रसन्न हुआ। उसने उसे पुरस्कार में दो सोने की अशर्फियां दीं।

सूडोकु नवताल- 7521

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7520 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8736

बाएँ से दाएँ

1. अँगरखा-4
3. मान-सम्मान, इज्जत-3
5. शुभाशीर्वाद, नियामत-4
8. केश-2
10. कसम, प्रतिज्ञा, वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँड़ी, स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम, केश-2
20. अधिकार, आरोप-2
21. सतह, स्तर, पटल-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. सभ्यीकरण, विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा, विचित्र, विलक्षण-3
2. नया, नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन, प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढ़ेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल, कालकोठरी-4
18. शोर, ध्वनि, कंपन्न-3
20. ताप, शवदाह-2
22. यज्ञ, आहुति दान-3
23. रहस्य-2
24. जल, पानी-3

शब्द पहेली -8735 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज रफ्तार बाइक पुलिया के पिल्लर से टकराई- युवक की मौत, एक घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों की श्रृंखला में शनिवार 23 मई को एक और दर्दनाक घटना जुड़ गई। तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक युवक की जिंदगी छीन ली, जबकि दूसरा युवक घायल होकर अस्पताल पहुंच गया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा- तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर लगभग 11:30 बजे लांजी-सालेटेकरी मार्ग पर एमपी 50 जेड एच 7053 क्रमांक की बाइक अनियंत्रित होकर बकरामुंडी क्षेत्र स्थित कटंगनाले पुल के पिलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक के पीछे बैठे अजय दखखनवार पिता शंकर उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी धामनगांव, महाराष्ट्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा संजय झरिया पिता ईश्वरी प्रसाद उम्र 25 वर्ष निवासी मूंडघुसरी,

छत्तीसगढ़ घायल हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक नागपुर से अपने गांव मूंडघुसरी लौट रहे थे। मृतक अजय दखखनवार, घायल संजय झरिया के दोस्त संदीप विश्वकर्मा का जीजा बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक काफी तेज गति में थी और पुल के पास चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बाइक सीधे पुल के मजबूत पिलर से जा टकराई। हादसे में संजय झरिया ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उसकी जान बच गई और उसे अपेक्षाकृत कम चोटें आईं। वहीं पीछे बैठे अजय दखखनवार के सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर मर्चुरी में रखवाया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। लगातार सामने आ रहे सड़क हादसे एक बार फिर यातायात नियमों की अनदेखी, तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने की गंभीर तस्वीर सामने ला रहे हैं। हर गुजरते दिन के साथ सड़कें खून से लाल हो रही हैं, लेकिन लोग अब भी सबक लेने को तैयार नजर नहीं आ रहे। बहरहाल उक्त घटना पर लांजी पुलिस के द्वारा मर्ग पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

आवारा कुत्ते का आतंक! 75 वर्षीय बुजुर्ग को आंख के नीचे काटा, खून से लथपथ चेहरा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार सुबह घूमने निकले 75 वर्षीय बुजुर्ग रामदयाल बड़गैया पर एक लावारिस कुत्ते ने अचानक हमला बोल दिया। कुत्ते ने उनके आंख के ठीक नीचे काट लिया, जिससे चेहरा खून से लथपथ हो गया। घटना लोधी मोहल्ले निवासी गायत्री परिवार से संबंधित रामदयाल बड़गैया की है। शनिवार 23 मई की सुबह वे नियमित सुबह की सैर के लिए राजा रानी तालाब की पार पर पहुंचे थे। तभी अचानक एक आवारा कुत्ता उन पर टूट पड़ा। कुत्ते ने सीधे भुजा व आंख के नीचे दांत गड़ा दिए। बुजुर्ग चीख उठा ,उनकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े, जिससे कुत्ता भाग निकला और उनकी जान बच गई। लोगों का कहना है कि अगर कुत्ते ने गले पर हमला किया होता तो यह घटना और भी गंभीर रूप ले सकती थी। बुजुर्ग को तुरंत घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। इसके अलावा यह भी खबर लगी कि इसी कुत्ते ने 3-4 बच्चों को और कांटा है।

आवारा कुत्तों का बढ़ता खतरा

लांजी नगर परिषद क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सुबह-शाम घूमने निकलने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोग काफी चिंतित हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर परिषद की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नगर परिषद लांजी तुरंत आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनका टीकाकरण करवाने और उन्हें सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के लिए उचित कदम उठाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

25 मई से शुरू होगा नौतपा, आसमान से बरसेगी आग! तापमान 45 डिग्री पार कर सकता है, किसान-मजदूरों पर पड़ेगा भारी असर

पद्मेश न्यूज। लांजी। जेठ की प्रचंड गर्मी अब और भयंकर रूप लेने वाली है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार 25 मई 2026 से 2 जून तक नौतपा का सिलसिला शुरू हो रहा है। इन नौ दिनों में सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसके चलते धरती तप उठेगी। लांजी क्षेत्र सहित पूरे बालाघाट-मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप देखने को मिल सकता है। स्थानीय मौसम विशेषज्ञों और प्रशासन से बात की तो पता चला कि इस बार नौतपा सामान्य से ज्यादा तीव्र रहने की आशंका है। लांजी, लांजी तहसील के आसपास के गांवों में दिन का तापमान 43 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक बाहर निकलना जोखिम भरा साबित हो सकता है।

लांजी के किसानों में चिंता का माहौल

लांजी क्षेत्र मुख्य रूप से धान, सब्जी उत्पादन के लिए जाना जाता है। नौतपा के दौरान खेतों में नमी तेजी से सूख जाएगी। जिले के कृषि अधिकारीयों ने कहा कि किसानों को सलाह दी गई है कि वे सुबह जल्दी सिंचाई करें और खेतों में हल्की छाया वाली फसलों की ओर ध्यान दें। पशुओं के लिए भी छाया और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में

लांजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने

चेतावनी जारी की है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और लू लगने के मामले बढ़ सकते हैं। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और खेतों में काम करने वाले मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

डॉक्टरों की सलाह

दोपहर 12 से 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें। खूब पानी पिएं, नारियल पानी, छाछ और ओआरएस का सेवन करें। हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें। सिर पर गीला कपड़ा रखें या छाता इस्तेमाल करें।

पशु औषधालय साडरा में पदस्थ युवराज सोनवाने को सेवा निवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। पशु चिकित्सालय लांजी में शनिवार को पशु औषधालय साडरा में पदस्थ पशु परिचारक युवराज सोनवाने के सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्री सोनवाने 30 अप्रैल 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। समारोह की अध्यक्षता विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियांश वासनिक ने की। इस अवसर पर डॉ. शानू देवी सिंगौरे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री सोनवाने के 36 वर्षों की सेवाओं को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। डॉ. प्रियांश वासनिक ने कहा कि श्री सोनवाने ने विपरीत परिस्थितियों में भी पशुपालकों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने टीकाकरण, बधियाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। प्रभारी पशु औषधालय साडरा ए.के. नारनौरे ने बताया कि श्री सोनवाने के सेवानिवृत्त होने से साडरा

औषधालय में पशु परिचारक का पद रिक्त हो गया है। वर्तमान में कृषक कल्याण वर्ष, राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, क्षीर धारा ग्राम योजना, पशु चिकित्सा शिविर, एफ एमडी राउंड-7, केसीसी संतृप्तिकरण एवं कामधेनु योजना जैसे महत्वपूर्ण कार्य संचालित हैं, जिन्हें सीमित स्टाफ के साथ संचालित करना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। कार्यक्रम में एम.के. आसटकर, वाय.के. लिल्हारे, सौरभ उइके, आदित्य उदयपुरे, कु. आकांक्षा कुराहे, शुभम पारधी, राजेंद्र प्रसाद येडे सहित पशु संजीवनी एवं मैत्री गौसेवक दल के सदस्य उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में युवराज सोनवाने ने सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नव-नियुक्त कर्मचारियों को पशुसेवा को धर्म मानकर कार्य करने की प्रेरणा दी। समारोह के अंत में युवराज सोनवाने जी को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन सौरभ उइके द्वारा किया गया।

टेमनी सरकारी स्कूल के विद्यार्थी बन रहे हैं कुशल तकनीशियन, नौकरीमुखी प्रशिक्षण से जुड़ा रोजगार का सपना

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी के विद्यार्थियों को अब किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल भी मिल रहा है। रोजगारमुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय के छात्र-छात्राएं बालाजी आईटीआई लांजी में कार्यस्थल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण के तहत विद्यार्थी सौर ऊर्जा पैनल, विद्युत तार जोड़ने का कार्य, पंखा स्थापना एवं मरम्मत जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव ले रहे हैं।

सौर ऊर्जा से जुड़ा व्यावहारिक ज्ञान

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थी नियमित रूप से सौर पैनल की जांच और प्रायोगिक कार्य कर रहे हैं। उन्हें सौर पैनल की संरचना, कार्यप्रणाली और ऊर्जा उत्पादन की पूरी प्रक्रिया सिखाई जा रही है। छात्र स्वयं पैनल जोड़कर उसके वोल्टेज और उत्पादन की जांच कर रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रहा है।

तार जोड़ने और पंखा मरम्मत का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण का एक अहम हिस्सा घरेलू एवं

औद्योगिक तार-जोड़ने का अभ्यास है। विद्यार्थी स्विच, बोर्ड, मीटर और अन्य विद्युत उपकरणों को सुरक्षित तरीके से जोड़ना सीख रहे हैं। सुरक्षा नियमों की पूरी जानकारी भी दी जा रही है। पंखा स्थापना एवं मरम्मत को लेकर छात्रों में खास उत्साह दिख रहा है। वे पंखे को खोलकर उसकी आंतरिक संरचना समझ रहे हैं, खराबी का पता लगा रहे हैं और पंखा वाइंडिंग, मोटर वाइंडिंग जैसी तकनीकों का अभ्यास कर रहे हैं।

अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन

यह कार्यस्थल प्रशिक्षण बालाजी आईटीआई लांजी में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है। विद्यालय की ओर से प्राचार्य जैनेंद्र कुमार बेदरे पूरे कार्यक्रम का मार्गदर्शन कर रहे हैं, जबकि व्यावसायिक प्रशिक्षक रेवा माने विद्यार्थियों को लगातार प्रेरित और व्यावहारिक प्रशिक्षण दे रहे हैं। विद्यार्थी मशीनों और उपकरणों को स्वयं संचालित करके तकनीकी दक्षता हासिल कर रहे हैं, जो उन्हें भविष्य में नौकरी और स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगी।

आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम

इस प्रकार के प्रशिक्षण से न सिर्फ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ रहा है, बल्कि वे विद्युत क्षेत्र और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सक्षम युवा तकनीशियन के रूप में तैयार हो रहे हैं। सरकारी स्तर पर चलाई जा रही ऐसी पहल ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महावीर इंटरनेशनल लांजी ने किया पर्यावरण जागरूकता पोस्टर का विमोचन

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल लांजी जिला बालाघाट मध्यप्रदेश महाकौशल जोन रीजन 9 के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जन को जागरूक करने के उद्देश्य से महावीर इंटरनेशनल द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर का भव्य विमोचन ग्राम मोहझरी में गुरुदेव सेवा मंडल एवं महावीर इंटरनेशनल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर झंकार किरनापूरे अध्यक्ष एकल अभियान, गुलाबचंद खोबरागडे, सरपंच श्रीमती मनीषा संतोष नाकतोडे, प्रकाश आठोड़े, लक्की मेहरकर, गुरुदेव सेवा मंडल मोहझरी, राम कृष्ण हरि मंदिर के सदस्य, महावीर इंटरनेशनल के सदस्यों की उपस्थित में 23 मई को बेनर, पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव सेवा मंडल मोहझरी द्वारा आस पास और क्षेत्र के बच्चों को 20 दिवसीय शिविर आयोजित किया जिसमें उन्हें तबला, हारमोनियम, और शारीरिक गतिविधि,और उनके व्यक्ति विकास को लेकर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित सभी के द्वारा पर्यावरण संबंध में पेड़-पौधों के संरक्षण, जल बचाव एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी नागरिकों से पर्यावरण बचाने हेतु सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। पेड़ लगाएं जीवन बचाएं, स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करे , गौ माता के लिए भोजन, पक्षियों के लिए सकोरे आदि अन्य सभी गतिविधियों को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षा सेमिनार गतिविधियों पर बच्चों के लिए शिक्षा मटेरियल का वितरण किया गया जिसका लाभ बच्चों को हो । हमारा उद्देश्य लांजी क्षेत्र में बच्चे तरक्की करे, आगे बढ़े। क्योंकि शिक्षा ही एक माध्यम जिससे आप की तरक्की हो। इस अवसर पर प्रमोद नखाते, इंद्र कुमार भुते, जगन्नाथ दादू नकतोडे, प्रदीप अग्रवाल, फणींद्र दुरुगकर, नंदू बिलावर, आंचल कालबेले, और महावीर इंटरनेशनल लांजी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

भोपाल में दिल्ली एम्स की टीम रविवार को दोबारा करेगी ट्विशा शर्मा के शव का पीएम

भोपाल। रिटायर्ट जज गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला नये मोड़ पर पहुचं गया है। अब तक पुलिस को गुमराह करने वाले ट्विशा शर्मा के फरार आरोपी पति समर्थ सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश करते हुए 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर एसआईटी को सौंप दिया है। पुलिस अब उससे घटना सहित फरारी को लेकर पूछताछ करेगी। पूछताछ के आधार पर पुलिस उन लोगों पर भी शिंकजा कस सकती है, जिन्होंने फरारी के दौरान समर्थ सिंह की मदद की होगी।

- कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया

गौरतलब है की समर्थ सिंह को जबलपुर कोर्ट से भोपाल पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसके बाद देर रात पुलिस उसे जबलपुर से लेकर भोपाल पहुंची। शनिवार दोपहर दो बजे उसका मेडिकल कराने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने पूछताछ के लिये 7 दिन की पुलिस रिमांड मांगी थी, जिसे जस्टिस अनुदिता गुप्ता ने स्वीकार करते हुए उसे पुलिस को सौंप दिया है।

- दिल्ली एम्स की चार सदस्य विशेष टीम करेगी पीएम

दूसरी और एम्स भोपाल में पिछले 11 दिनों से रखे ट्विशा शर्मा के शव का दूसरी बार पीएम किये जाने को लेकर भी कवायद तेज हो गई हैं। सूत्रों की मानी जाये तो दिल्ली एम्स की एक चार सदस्य विशेष मेडिकल टीम शनिवार रात तक भोपाल पहुंचेगी और रविवार को शव का

दोबारा पीएम किया जाएगा उसके बाद उनके परिजन अंतिम संस्कार को लेकर निर्णय लेंगे।

- रविवार को होगा दोबारा पोस्टमार्टम

उल्लेखनीय है की 12 मई को ट्वीशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, उसके बाद कटारा हिल्स पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। साथ ही शव का पीएम एम्स हॉस्पिटल में करवाया गया था। जिसको लेकर मृतका के परिजन शुरू से ही आपत्ति दर्ज करवा रहे हैं। दोबारा पीएम को लेकर परिवार वालो द्वारा लगाई गई याचिका को मंजूर कर लिया गया था। कोर्ट ने आदेश दिया था, कि दिल्ली एम्स की विशेष टीम पीएम के लिए भोपाल आएगी और दोबारा पीएम किया जाएगा। कोर्ट के आदेश पर एम्स दिल्ली ने चार वरिष्ठ मेडिकल विशेषज्ञों की टीम बनाई है, यही विशेष टीम रविवार को ट्विशा शर्मा का फिर से पोस्टमार्टम करेगी। उसके बाद रविवार शाम या सोमवार सुबह तक अंतिम संस्कार को लेकर फैसला हो सकता है।

- आरोपी परिवार से उम्मीद रखना बेकार

आरोपी समर्थ सिंह को पुलिस ने 7 दिनों की रिमांड पर लिया है। ट्विशा के परिवार के वकील का कहना है की आरोपी समर्थ लंबे समय से फरार था। उससे पुलिस को कई सवालों के जवाब जानने है। साथ ही पासपोर्ट जब्त को लेकर अपील लगाई गई थी, इस संबध में उसका पासपोर्ट को जब्त करने के लिए कोर्ट ने आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि आगे केस सीबीआई को ट्रांसफर होना है, ऐसे में सीबीआई की कार्यवाही किस एंगल से शुरु होगी यह देखने वाली बात होगी।

- समर्थ के चेहरे पर नहीं दिखा तनाव

कोर्ट में आरोपी समर्थ के चेहरे पर तनाव नहीं था। ट्विशा के परिवार के वकील का कहना है की अगर समर्थ चाहते तो हादसे वाले दिन ही पुलिस के साथ सहयोग करते और पूरा घटनाक्रम बता देते लेकिन वह लगातार फरार रहे। मामले की सुनवाई नवम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड भोपाल अनुदिता गुप्ता की कोर्ट में हुई, जहां दोनों पक्षों के वकीलों ने करीब 10 मिनट तक अपनी-अपनी दलीलें रखीं। कोर्ट रूम के भीतर सुनवाई के दौरान यह बात चर्चा का विषय बनी रही। कि आरोपी समर्थ सिंह के चेहरे पर न तो घबराहट दिखी और न ही किसी तरह का पछतावा। वह पूरे समय कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों और लोगों को देखता रहा।

- समर्थ की रिमांड पर बोले एसआईटी टीम के प्रमुख

समर्थ की रिमांड पर एसआईटी टीम के प्रमुख एसीपी रजनीश कश्यप ने कहा की अदालत ने आरोपी समर सिंह को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। इस दौरान हमें कई प्रक्रियात्मक कार्रवाइयां करनी हैं, और हम उन्हें निर्धारित समय सीमा के अनुसार पूरा करेंगे।

- ट्विशा के दूसरे पोस्टमॉर्टम पर क्या बोले कमिश्नर

भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार सिंह ने कहा कि ट्विशा के शव का दूसरा पोस्टमॉर्टम भोपाल एम्स में ही होना है। जीएडी विभाग इसे देख रहा है, और पुलिस लगातार उनके संपर्क में है।

- कब शुरू होगी सीबीआई जांच?

ट्विशा शर्मा मामले में भले ही मध्य प्रदेश सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। लेकिन दूसरे पोस्टमॉर्टम की तरह यहां भी औपचारिक आदेश का इंतजार किया जा रहा है। जब तक औपचारिक रूप से सीबीआई जांच अपने हाथ में नहीं लेती, तब तक स्थानीय पुलिस और एसआईटी जांच जारी रखेगी।

- गिरिबाला सिंह वकील के रुप में खुद करेंगी अपना बचाव

सूत्रो के अनुसार न्यायिक सेवा से रिटायर गिरिबाला सिंह कोर्ट में जिरह करते हुए दिखेंगी। वो अपने केस की पैरवी खुद करेंगी। ट्विशा शर्मा केस में उन्हें आरोपी बनाया गया है, और फिलहाल जमानत पर हैं। गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत को कैंसिल कराने के लिए ट्विशा के पिता हाईकोर्ट गए हैं।

- परिजनों को इंसाफ मिलने की उम्मीद

समर्थ सिंह को रिमांड पर लिए जाने को बाद ट्विशा के परिवार वालो ने कहा की रिमांड पर लिए जाने के बाद एक उम्मीद जागी है। पूरा परिवार मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का आभारी हैं, जिन्होंने सीबीआई जांच के लिए सिफारिश दी। अंतिम संस्कार को लेकर फैसला उनके पिताजी को लेना है।

एसिड अटैक मामले में फरार महिला 12 साल बाद मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

आरोपी महिला की मां ने 'हेबियस कॉर्पस' कानून के तहत दाखिल की थी याचिका

सारनाथ। अपराधी कितना भी भागे, उसका किया अपराध उसके पीछे-पीछे चलता है। मामला वाराणसी के सारनाथ का है, जहां 2013 के एक एसिड अटैक मामले में गुपचुप अपने दूसरे प्रेमी के साथ भागी आरोपी महिला को पुलिस ने मध्यप्रदेश के जबलपुर से पकड़ा। उसकी गिरफ्तारी का जरिया बना 'हेबियस कॉर्पस' कानून। इस कानून के तहत आरोपी महिला की मां ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने वृद्धा की याचिका पर उसकी बेटी और नाती को ढूंढकर लाने के लिए सारनाथ पुलिस को आदेश दिया था। वृद्धा को आशंका थी कि उसकी बेटी और नाती की हत्या की जा चुकी है। जानकारी के मुताबिक साल 2004 में सारनाथ के मवइयां इलाके की विभा पटेल का उसी इलाके में किराए से रहने वाले गुरुदयाल से प्रेम हो गया। विभा की शादी बड़ागांव के रघुनाथपुर में हो जाती है उसका बेटा भी हो गया। शादी के बाद भी वह गुरुदयाल के संपर्क में रहती है। वह गुरुदयाल पर शादी के लिए दबाव भी बनाने लगती है। इस बीच गुरुदयाल की शादी 2012 में रेशमा नाम की महिला से हो जाती है। यह बात विभा को काफी नागवार गुजरी। उसने सारनाथ थाने में 2012 में गुरुदयाल के खिलाफ दुष्कर्म, प्रताड़ना, मारपीट का मुकदमा दर्ज करा दिया। इसमें गुरुदयाल जेल भी गया। इधर, विभा ने अपनी बहन ममता एवं जीजा के साथ मिलकर 2013 में गुरुदयाल की पत्नी रेशमा पर तेजाब फेंक दिया। रेशमा ने सारनाथ थाने में तीनों पर मामला दर्ज कराया। इस मामले में ममता और उसके पति संतोष को जेल हो गई। वर्तमान में वे जमानत पर हैं जबकि विभा अपने बेटे सावन के साथ लापता है। उसकी मां मुन्नी देवी, बहन ममता को भी उसकी जानकारी नहीं है कि वह कहां किस हाल में है। अरसे तक गायब होने पर परिजनों को शक हो गया कि गुरुदयाल ने विभा और उसके बेटे सावन की हत्या करा दी है। हत्या की आशंका को देखते हुए विभा की मां ने साल 2023 में 'हेबियस कॉर्पस' के तहत हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर बेटी विभा एवं नाती को ढूंढ कर लाने की अपील की। हाईकोर्ट ने मां-बेटे को ढूंढकर लाने का आदेश दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थानाध्यक्ष ने बताया कि विभा की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी ओर से 2012 में दर्ज कराए गए दुष्कर्म के मामले को भी निस्तारित किया जा सकेगा। इस मामले में उसका बयान नहीं हो सका था। सारनाथ थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि विभा को ढूंढ़ने के दौरान एक व्यक्ति ने बताया कि विभा 2013 में पांडेयपुर में एक बैंक के कैशियर उमाकांत श्रीवास्तव के साथ घूमती दिखी थी। पांडेयपुर में पता चला उमाकांत ने वह घर बेच दिया था। पड़ोसियों से मिले नंबर पर पुलिस ने उमाकांत के बेटे से संपर्क कर पिता का नंबर पूछा। उसपर संपर्क करने पर पता चला कि उमाकांत का निधन बीते साल मार्च में हो गया।

अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 111.71 रुपए प्रति लीटर

भोपाल । पेट्रोलियम कंपनियों ने 9 दिन के भीतर तीसरी बार पेट्रोल और डीजल के रेट में बढ़ोतरी कर दी है। शनिवार को पेट्रोल की कीमत 87 पैसे और डीजल की कीमत 91 पैसे प्रतिलीटर बढ़ाई गई है। इसके चलते मध्य प्रदेश में पेट्रोल 1 रुपए या इससे ज्यादा महंगा हुआ है। इसी महीने मध्य प्रदेश समेत देशभर में पेट्रोल-डीजल के दाम तीन बार बढ़ाए जा चुके हैं। 15 मई को पहली बार करीब 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। 19 मई को दूसरी बार करीब 90 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए गए थे। इस बढ़ोतरी के बाद मई में पेट्रोल-डीजल के दाम कुल मिलाकर करीब 5 रूपए प्रति लीटर तक महंगे हो चुके हैं। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल थे, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढने से तेल कंपनियां दबाव में थीं इसलिए घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं।

इंदौर सहित प्रदेश के 15 जिलों में जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही, भाजपा संरक्षण में फल-फूल रहा टैंकर माफिया - पटवारी

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में गहराते जल संकट को लेकर भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री अब राजधानी के ठंडे कमरों और सरकारी फाइलों में दर्ज झूठी उपलब्धियों से बाहर निकलकर जनता की वास्तविक पीड़ा देखें। जल गंगा संवर्धन' जैसे अभियानों के बड़े-बड़े दावे जमीन पर पूरी तरह विफल साबित हुए हैं और प्रदेश की जनता भीषण जल संकट से जूझ रही है।

पटवारी ने कहा कि यदि सरकार को अपने दावों की सच्चाई देखनी है तो उसे इंदौर जाना चाहिए, जहां आज लोग बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिस इंदौर ने भाजपा को लगातार विधायक, सांसद और सत्ता दी, आज वहीं की जनता पानी के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर है। महिलाएं खाली बर्तन लेकर भटक रही हैं, लोग घंटों टैंकरों का इंतजार कर रहे हैं, कई स्थानों पर चक्काजाम हो रहे हैं और अब नागरिक पानी की मांग को लेकर भाजपा विधायकों के घरों तक धरना देने पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, सतना, मुरैना, शिवपुरी, खरगोन, बड़वानी और धार सहित प्रदेश के अनेक जिले गंभीर जल संकट की चपेट में हैं। स्थानीय निकाय पूरी तरह निष्क्रिय हैं और सरकार का पूरा तंत्र गहरी नींद में सोया हुआ है।

पटवारी ने इंदौर के भाजपा विधायक रमेश मेंदोला, सांसद शंकर लालवानी तथा जिले के प्रभारी मुख्यमंत्री से सवाल पूछा कि आखिर स्मार्ट सिटी' कहे जाने वाले इंदौर में जनता पानी के लिए इतनी बेबस क्यों है? हजारों करोड़ रुपये की नल-जल योजनाओं और सरकारी घोषणाओं के बावजूद हर गर्मी में टैंकरों का कारोबार क्यों बढ़ जाता है? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के संरक्षण में प्रदेशभर में टैंकर माफिया' सक्रिय है, जो जल संकट जैसी आपदा में भी अवसर तलाश रहा है। सत्ता से जुड़े लोग पानी की खरीदी-बिक्री के धंधे में शामिल हैं, लेकिन उन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। भाजपा सरकार ने जल संकट समाप्त करने के बजाय पानी को कारोबार का माध्यम बना दिया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने रायसेन जिले में पानी की तलाश के दौरान कुएं में डूबने से तीन आदिवासी बच्चियों की दर्दनाक मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत हृदयविदारक और सरकार की विफलता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने दिवंगत बच्चियों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में अब पानी तक पहुंच बनाने का प्रयास भी जानलेवा होता जा रहा है। सरकार की लापरवाही और विफल नीतियों के कारण मासूम बच्चियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। यह मोहन सरकार का नया रिपोर्ट कार्ड है, जो बताता है कि भाजपा सरकार अब जनता को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध कराने में असफल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बीते ढाई वर्षों का रिकॉर्ड यह स्पष्ट करता है कि भाजपा सरकार ने जल संकट का स्थायी समाधान खोजने के बजाय भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और निजी स्वार्थों को बढ़ावा दिया है। प्रदेश की जनता प्यास से बेहाल है, जबकि भाजपा से जुड़े लोगों की तिजोरियां पानी के कारोबार से भर रही हैं।

पटवारी ने मांग की कि प्रदेश सरकार तत्काल जल संकटग्रस्त जिलों में आपात व्यवस्था लागू करे, टैंकर माफिया पर सख्त कार्रवाई करे, जलापूर्ति व्यवस्था की निगरानी के लिए जवाबदेही तय करे तथा रायसेन की घटना की उच्चस्तरीय जांच कर पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा प्रदान करे।

सोम कंपनी की जब्त बियर बेच रही है सरकार, मिलेंगे 20 करोड़

-बियर की एक्सपायरी डेट बढ़ाने की तैयारी

भोपाल (ईएमएस)। प्रदेश में बियर की कमी के बीच आबकारी विभाग ने बड़ा फैसला लेने की तैयारी शुरू कर दी है। सोम कंपनी की जब्त की गई करीब 20 करोड़ रुपए कीमत की बियर को बाजार में बेचने की योजना बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि गोदामों में रखी लाखों बियर की पेटियां जल्द एक्सपायर होने वाली हैं, ऐसे में सरकार उनकी एक्सपायरी अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है।

जानकारी के अनुसार प्रदेश में रोजाना करीब एक लाख बियर पेटियों की खपत हो रही है, जबकि सप्लाई लगातार प्रभावित बनी हुई है। इसी कारण विभाग ने स्टॉक में रखी बियर को नुकसान से बचाने और बाजार में उपलब्धता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है। अधिकारियों का कहना है कि यदि एक्सपायरी अवधि बढ़ाने को मंजूरी मिलती है तो इससे सरकार को करीब 20 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता है।

दिल्ली, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्यों में पहले से ही बियर की एक्सपायरी अवधि 9 से 12 महीने तक तय है। अब मध्यप्रदेश में भी इसे 6 महीने से बढ़ाकर 9 महीने करने की तैयारी चल रही है। विभाग का मानना है कि इससे बाजार में सप्लाई सुधरेगी और प्रीमियम ब्रांड की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

समर्थन मूल्य पर देश में सबसे अधिक 13.10 लाख किसानों से हुआ गेहूं का उपार्जन

अब तक 100 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन हुआ, अभी भी जारी

गेहूं उपार्जन में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर

कोविड अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन

भोपाल। मध्यप्रदेश न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अब तक 13 लाख 10 हजार किसानों से गेहूं का उपार्जन कर देश में नंबर-1 स्थान पर है। इस तरह से मध्यप्रदेश समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के मामले में सर्वाधिक किसानों को लाभांवित करने वाला राज्य है। यही नहीं अब तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर मध्यप्रदेश पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर है। गेहूं का उपार्जन अभी भी जारी है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में सतत कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 की अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन किया गया है।

मुख्यमंत्री कर रहे सतत मॉनिटरिंग

मंत्री राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूँ उपार्जन की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। उन्होंने स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ

के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों के हित में जिन किसानों ने स्लाट बुक करा लिये हैं, उनके गेहूं उपार्जन की अवधि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई तक कर दी है।

किसानों को 20,680 करोड़ से अधिक का भुगतान

किसानों को अब तक उपार्जित गेहूं का 20,680.83 करोड़ रूपये का भुगतान भी किया जा चुका है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल काटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल काटों में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया। किसानों की सुविधा के लिये तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया गया। देयक जारी करने का समय भी रात 12 बजे तक कर दिया गया है। गेहूं का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन तक किया जा रहा है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिये पीने का पानी, बैठने के छायांदार स्थान और जन-सुविधाओं की व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं के भंडारण की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

किसानों को उपज की तौल समय पर हो सके, इसके लिये उपार्जन केन्द्रों में बारदाने, तौल काटें, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ-सफाई के लिये पंखा एवं छन्ना आदि की समुचित व्यवस्थाएं की गई।

अप्रैल 2027 से नई सैलरी लागू होने की संभावना

8वें वेतन आयोग लागू करने राज्यों में बैठकों का दौर, सुझाव जुटा रहा आयोग

भोपाल। केंद्र सरकार के 40 लाख से अधिक कर्मचारियों और करीब एक करोड़ पेंशनर्स के बीच 8वें वेतन आयोग को लेकर उत्सुकता चरम पर है। वेतन बढ़ोतरी, फिटमेंट फैक्टर और पेंशन सुधार की चर्चाओं के बीच अब अप्रैल 2027 से नई सैलरी लागू होने की संभावना ने हलचल बढ़ा दी है। हालांकि आयोग ने राज्यों में कर्मचारी संगठनों से सुझाव लेना शुरू कर दिया है, लेकिन दूसरी तरफ कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि, प्रक्रिया जरूरत से ज्यादा लंबी खींची जा रही है। ऐसे में उम्मीद, राजनीति और नाराजगी के बीच 8वें वेतन आयोग को लेकर बहस तेज हो गई है।

8वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन नवंबर 2025 में किया गया था। इसकी अध्यक्षता पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं। आयोग फिलहाल देशभर में कर्मचारी संगठनों और विभिन्न विभागों से सुझाव ले रहा है। इसको लेकर दिल्ली और हैदराबाद में बैठकें हो चुकी हैं, जबकि 1 से 4 जून तक श्रीनगर और 8 जून को लद्दाख में बैठक प्रस्तावित है। आयोग ऑनलाइन माध्यम से सुझाव स्वीकार कर रहा है और कर्मचारी संगठनों को ऑनलाइन

ही अकनौलेजमेंट (मंजूरी) भी दिया जा रहा है।

कर्मचारियों की कई बड़ी मांगें

मध्य प्रदेश सहित आयोग के सामने कर्मचारी संगठनों ने कई बड़ी मांगें रखी हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा 3.833 फिटमेंट फैक्टर की हो रही है। इसके अलावा बेसिक पे को बढ़ाकर 69 हजार प्रतिमाह करने, सालाना इंक्रीमेंट 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत करने और 18 पे-लेवल घटाकर 7 करने की मांग भी प्रमुख है। वहीं पेंशनर्स की ओर से अंतिम वेतन का 67 प्रतिशत पेंशन और फैमिली पेंशन को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की मांग रखी गई है। माना जा रहा है कि यदि इन सिफारिशों का बड़ा हिस्सा लागू होता है, तो कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। ऑल इंडिया एनपीएस एंप्लॉयीज फेडरेशन और नेशनल मिशन फार ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल के अनुसार, आयोग की प्रक्रिया और तय समय सीमा को देखते हुए नई सैलरी का लाभ अप्रैल 2027 से मिलना शुरू हो सकता है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की गई है, लेकिन कर्मचारियों के बीच यही टाइम लाइन सबसे ज्यादा चर्चा में है।

कर्मचारी संगठनों में नाराजगी

केंद्रीय कर्मचारी समन्वय समिति के महासचिव यशवंत पुरोहित ने बताया कि, आयोग फिलहाल सिर्फ सुझाव लेने की प्रक्रिया में है और सरकार ने इसके लिए करीब डेढ़ साल का समय दिया है। उनका आरोप है कि, वेतन आयोग पहले ही देरी से गठित किया गया और अब प्रक्रिया को लंबा खींचा जा रहा है। उन्होंने कोविड काल के 18 महीने के डीए एरियर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि, कर्मचारियों को बिना संघर्ष के राहत मिलने की उम्मीद कम है। वहीं कई कर्मचारी संगठन इसे आने वाले चुनावों से जोडक़र भी देख रहे हैं।

आठ कार्यपालन यंत्री बनाए गए प्रभारी मुख्य अभियंता

भोपाल। मध्य प्रदेश में दस साल से प्रमोशन न होने का असर विभागों में उच्च पद पर पदस्थ होने वाले अधिकारियों पर पड़ रहा है। इसलिए जल संसाधन विभाग में पदस्थ कार्यपालन यंत्री स्तर के आठ इंजीनियरों को सुपरसीड कर प्रभारी मुख्य अभियंता या उसके समकक्ष पदों पर पदस्थ किया है। विभाग ने इसके आदेश जारी कर फाइनेंसियल पॉवर भी डिलीवर कर दिए हैं।

खासतौर पर लोक निर्माण विभाग, नगरीय विकास, आरईएस और जल संसाधन जैसे विभागों में कार्यपालन अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और प्रमुख अभियंता जैसे पदों के काम को लेकर दिक्कत हो रही है। नियमानुसार पदोन्नति नहीं होने से यहां इन विभागों में जिन इंजीनियरों को सीनियर अफसर का चार्ज दिया जाता है, उसके विरोध में अब शिकवा शिकायतों और कोर्ट की शरण लेने का काम साथ वाले इंजीनियर करते हैं। इन्हीं परिस्थितियों के बीच जल संसाधन विभाग ने मुख्य अभियंता के रिक्त पदों पर कार्यपालन यंत्री और अधीक्षण यंत्री के पद पर काम करने वाले इंजीनियरों की पोस्टिंग की है।

इनको बनाया गया प्रभारी मुख्य अभियंता

जल संसाधन विभाग में इंजीनियरों को दो पद सुपरसीड

जिन इंजीनियरों को सुपरसीड कर एक से दो पद ऊंचे पदों पर पदस्थ किया गया है उसमें दुर्गा प्रसाद अनुरागी, कार्यपालन यंत्री को प्रभारी मुख्य अभियंता बेतवा बोर्ड झांसी पदस्थ किया गया है। अनुरागी अभी परियोजना प्रशासक दतिया कमांड क्षेत्र और जल प्रबंधन प्रकोष्ठ दतिया के पद पर पदस्थ हैं। आरआर मीणा कार्यपालन यंत्री को प्रभारी मुख्य अभियंता बोधी भोपाल पदस्थ किया गया है। कार्यपालन यंत्री मीणा अब तक मुख्य अभियंत जल संसाधन विभाग नर्मदापुरम और परियोजना संचालक बेतवा पीएमयू भोपाल की जिम्मेदारी निभा रहे थे। कमलेश कुमार रैकवार कार्यपालन यंत्री कार्यालय प्रमुख अभियंता भोपाल को प्रभारी मुख्य अभियंता अंतरराज्यीय कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन भोपाल पदस्थ किया गया है। कार्यपालन यंत्री बीके सिंह जो अभी अधीक्षण यंत्री पक्का बांध मंडल देवलोंद (शहडोल) और अतिरिक्त परियोजना संचालक रीवा कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, उन्हें प्रभारी परियोजना संचालक मोहनपुरा कुंडलिया परियोजना प्रबंधन इकाई राजगढ़ पदस्थ किया गया है। प्रवीण कुमार खरत कार्यपालन यंत्री जो अभी अधीक्षण यंत्री जलसंसाधन मंडल उज्जैन और अतिरिक्त परियोजना संचालक अधीक्षण यंत्री एसएसपीएमयू इंदौर तथा अतिरिक्त परियोजना संचालक नमामि शिप्रे पीएमयू उज्जैन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, उन्हें प्रभारी मुख्य अभियंता चंबल बेतवा कछार भोपाल पदस्थ किया गया है। विनोद कुमार मंडलोई कार्यपालन यंत्री जो अभी अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मंडल शहडोल का काम देख रहे हैं, उन्हें प्रभारी मुख्य अभियंता गंगा कछार रीवा बनाया गया है। कार्यपालन यंत्री उदय सिंह परते जो अभी अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मंडल बालाघाट की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, उन्हें प्रभारी मुख्य अभियंता बैनगंगा कछार सिवनी पदस्थ किया गया है। कार्यपालन यंत्री अरुण सिंह चौहान जो अभी अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मंडल इंदौर का काम देख रहे हैं, उन्हें प्रभारी मुख्य अभियंता बांध सुरक्षा संगठन भोपाल पदस्थ किया गया है।

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी केकेआर और दिल्ली

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग चरण का आखिरी मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा रहने वाला है, क्योंकि प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। हालांकि यह भी संभव है कि मैच शुरू होने से पहले ही दोनों में से किसी एक टीम की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स आठवें नंबर पर मौजूद है। दोनों टीमें अभी भी गणितीय रूप से प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है। प्लेऑफ की चौथी सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार पंजाब किंग्स मानी जा रही है, जिसका मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यदि पंजाब यह मैच जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और दिल्ली की उम्मीदें वहीं खत्म हो जाएंगी, क्योंकि वह अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अभी 13 अंक हैं और वह दिल्ली को हराकर 15 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं होगी। पंजाब किंग्स का नेट रन रेट कोलकाता से काफी बेहतर है। ऐसे में अगर पंजाब लखनऊ को मामूली अंतर से भी हरा देती है, तो कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पंजाब की एक रन की जीत की स्थिति में कोलकाता को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। इसके साथ ही उसे राजस्थान रॉयल्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी। राजस्थान के 14 अंक हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने अपने पिछले सात मुकाबलों में से छह में जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। शुरुआती दौर में टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगतना पड़ा था। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना अलग-अलग कारणों से कई मुकाबलों में नहीं खेल सके। वहीं चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन भी शुरुआती मैचों में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे।

हालांकि टीम को इस अहम मुकाबले में अपने सबसे सफल बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की कमी खलेगी। उन्होंने इस सीजन में पांच अर्धशतकों की मदद से 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी चोट से जूझ रहे हैं और टीम प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार उनके खेलने पर फैसला करेगा। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने पूरे सीजन में कई अहम मौके गंवाए, जिसका असर उसकी स्थिति पर पड़ा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है। राहुल ने 13 पारियों में 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। डेविड मिलर की वापसी से मध्यक्रम को कुछ मजबूती मिली है, लेकिन गेंदबाजी विभाग में निरंतरता की कमी साफ दिखाई दी। कप्तान अक्षर पटेल और स्पिनर कुलदीप यादव भी इस सीजन में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

केकेआर- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती और प्रशांत सोलंकी.

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, पथुम निसांका, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, समीर रिजवी, नितीश राणा, माधव तिवारी, कुलदीप यादव, विपराज निगम, टी नटराजन, मिचेल स्टार्क, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, दुशमंथा चमीरा, औकिब नबी, करुण नायर, आशुतोष शर्मा, साहिल परख, पृथ्वी साव, त्रिपुरा विजय, रेहान अहमद और अजय मंडल.

मैच शुरू होने का समय- शाम 7.30 बजे.

जैकब बेथल को इंग्लैंड लौटने की सलाह, माइकल वॉन बोले- अब राष्ट्रीय टीम को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथल के लिए अब तक उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। शानदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बाद बड़े भरोसे के साथ आईपीएल में उतरे बेथल इस सीजन में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें टूर्नामेंट छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटने की सलाह दी है। वॉन का मानना है कि चोट और प्लेइंग इलेवन में अनिश्चितता को देखते हुए अब उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देनी चाहिए। जैकब बेथल ने इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए नौ मुकाबले खेले, लेकिन वह केवल 163 रन ही बना सके। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण रहा। पंजाब किंग्स के खिलाफ 17 मई को खेले गए मुकाबले के बाद वह मैदान पर नजर नहीं आए। उंगली में लगी चोट के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 22 मई को खेले गए अहम लीग मुकाबले से भी बाहर रहे।

बेथल की गैरमौजूदगी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा। टीम ने वेंकटेश अय्यर को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी। वहीं टीम प्रबंधन प्लेऑफ मुकाबलों के लिए इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रहा है। कप्तान रजत पाटीदार भी उंगली की चोट से उबरने के बाद टीम में लौट आए हैं, जिससे बेथल की अंतिम एकादश में वापसी और भी मुश्किल नजर आ रही है।

इसी बीच इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। माइकल वॉन का कहना है कि यदि जैकब बेथल आईपीएल के नॉकआउट मुकाबलों में खेलने की स्थिति में नहीं हैं तो उन्हें तुरंत इंग्लैंड लौटकर अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन को यह जानना जरूरी है कि बेथल पूरी तरह फिट हैं या नहीं, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सही फैसला लिया जा सके।

एक बातचीत में वॉन ने कहा कि अगर बेथल चोटिल हैं तो उन्हें अगली फ्लाइट पकड़कर इंग्लैंड लौट जाना चाहिए।

प्लेऑफ की जंग से पहले केकेआर को बड़ा झटका, अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 से बाहर

कोलकाता । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार वापसी कर प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। टीम के अनुसार मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को खेले गए मुकाबले के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में रघुवंशी को सिर में चोट लगी थी। इसके साथ ही उनके बाएं हाथ की उंगली में फ्रैक्चर भी पाया गया, जिसके चलते वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने बयान में कहा कि टीम अंगकृष रघुवंशी के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती है। 21 वर्षीय युवा बल्लेबाज इस सीजन में टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। विकेटकीपिंग के साथ-साथ उन्होंने बल्ले से भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया और कई अहम पारियां खेलीं।

अंगकृष रघुवंशी ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों की 12 पारियों में 422 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 42.20 और स्ट्राइक रेट 146.52 का रहा। उन्होंने पूरे सीजन में पांच अर्धशतक लगाए, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन रहा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता ने केकेआर को मुश्किल परिस्थितियों में कई बार संभाला। अब रघुवंशी की गैरमौजूदगी टीम के लिए सबसे अहम मुकाबले से पहले बड़ी चिंता बन गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स का लीग चरण का आखिरी मुकाबला 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए केकेआर को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। ऐसे में टीम के सबसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज का बाहर होना बड़ा नुकसान माना जा रहा है।

हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन में शानदार वापसी कर सभी को चौंकाया है। टीम ने शुरुआती छह मैचों में से पांच गंवा दिए थे और उसके खाते में सिर्फ एक अंक था। उस समय केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम मानी जा रही थी। लेकिन बाद के मुकाबलों में टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और सात मैचों में लगातार जीत हासिल कर 12 अंक जुटाए। इस शानदार वापसी ने टीम को फिर से प्लेऑफ की दौड़ में ला खड़ा किया। अब कोलकाता को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ-साथ अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। केकेआर की उम्मीदें इस बात पर भी टिकी हैं कि पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स अपने-अपने मुकाबले हार जाएं। तभी कोलकाता के लिए अंतिम चार में पहुंचने का रास्ता साफ हो सकेगा।

एक फेक न्यूज ने बदल दी आईपीएल खिलाड़ी की किस्मत, 6 साल बाद मिला इंसाफ

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2017 की नीलामी कई खिलाड़ियों के लिए सपनों को सच करने का मौका लेकर आई थी। उसी नीलामी में मध्यप्रदेश के बल्लेबाज हरप्रीत सिंह भाटिया भी शामिल थे, जिन पर कई फ्रेंचाइजी की नजर थी। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उनसे बड़ी उम्मीदें की जा रही थीं, लेकिन नीलामी से ठीक पहले आई एक गलत खबर ने उनका पूरा करियर झकझोर कर रख दिया। एक फेक न्यूज और पहचान की गलती के कारण हरप्रीत सिंह भाटिया को ऐसा नुकसान उठाना पड़ा, जिसकी भरपाई होने में छह साल लग गए। दरअसल आईपीएल 2017 की नीलामी से पहले मुंबई में एक विवादित घटना सामने आई थी। पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर हरमीत सिंह को अंधेरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर कार चलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मामला गंभीर था और तेजी से चर्चा में आ गया। इसी दौरान एक बड़ी समाचार एजेंसी ने गलती से हरमीत सिंह की जगह हरप्रीत सिंह भाटिया का नाम और तस्वीर खबर में चला दी। यही गलती हरप्रीत के करियर पर भारी पड़ गई।

उस समय हरप्रीत सिंह भाटिया शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और कई आईपीएल टीमें उन्हें खरीदने की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आपराधिक मामले से जुड़ी इस गलत खबर के सामने आने के बाद फ्रेंचाइजियां सतर्क हो गईं। किसी भी टीम ने विवादों में घिरे खिलाड़ी पर दांव लगाने का जोखिम नहीं उठाया। नतीजा यह हुआ कि हरप्रीत सिंह भाटिया नीलामी में अनसोल्ड रह गए। बाद में समाचार एजेंसी ने अपनी गलती सुधारते हुए स्पष्टीकरण जारी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नीलामी समाप्त हो चुकी थी और हरप्रीत का पूरा सीजन बर्बाद हो गया। हालांकि इस बड़े झटके के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत करते रहे। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और आईपीएल 2023 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया।

पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए हरप्रीत सिंह भाटिया ने खुद को साबित भी किया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक मुकाबले में उन्होंने 28 गेंदों पर 41 रन की अहम पारी खेली और दिखाया कि उनमें अब भी बड़े मंच पर खेलने की क्षमता मौजूद है। उनके लिए यह सिर्फ आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट नहीं था, बल्कि अपनी बेगुनाही और संघर्ष की जीत भी थी। वहीं दूसरी ओर उस विवाद में शामिल हरमीत सिंह का भारतीय क्रिकेट करियर धीरे-धीरे पटरी से उतर गया। अनुशासनात्मक विवादों और सीमित अवसरों के चलते उन्होंने भारत छोड़कर अमेरिका जाने का फैसला किया। वहां उन्होंने स्थानीय क्रिकेट लीग में खेलना शुरू किया और बाद में अमेरिका की राष्ट्रीय टीम में जगह बना ली। वर्ष 2024 के टी20 विश्व कप में हरमीत सिंह अमेरिका टीम के प्रमुख स्पिन ऑलराउंडर के रूप में नजर आए। उस टूर्नामेंट में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया था, जिसमें हरमीत भी टीम का अहम हिस्सा थे।

एआई आधारित क्रिकेट प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े एबी डी विलियर्स

नई दिल्ली। क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज कप्तान एबी डी विलियर्स को अपना सुपर कोच नियुक्त किया है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने को कंपनी ने अपने मिशन की बड़ी उपलब्धि बताया है। काबुनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव को जोड़ते हुए हर स्तर के खिलाड़ियों तक बेहतरीन कोचिंग पहुंचाना है। एबी डी विलियर्स अब इस प्लेटफॉर्म पर पहले से जुड़े सौरव गांगुली और शेन वॉटसन जैसे दिग्गजों के साथ काम करेंगे। कंपनी का मानना है कि एबी डी विलियर्स के अनुभव और काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक का मेल युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट सीखने का बिल्कुल नया तरीका देगा। इस सहयोग के तहत भारत में 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए जून से एक राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी शुरू किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का अवसर मिल सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में काबुनी की एआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक क्रिकेट नेट प्रैक्टिस से अलग काम करता है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट, शॉट चयन और गेंद की दिशा को रियल टाइम में ट्रैक करता है और फिर उसे आसान तथा उपयोगी फीडबैक में बदल देता है। कंपनी का 卐1 प्रतिशत इम्प्रूवमेंट卐 मॉडल खिलाड़ियों की छोटी-छोटी गलतियों को पहचानकर उन्हें तुरंत सुधारने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य समय के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बड़ा और स्थायी सुधार लाना है। यह प्लेटफॉर्म वॉइस, वीडियो और विजुअल संकेतों को एक साथ जोड़कर खिलाड़ियों को ऐसा फीडबैक देता है, जिसे आसानी से समझा और तुरंत लागू किया जा सके।

सचिन तेंदुलकर ने साझा की बचपन की खास याद, बोले- ये बच्चे देश का भविष्य हैं

नई दिल्ली महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के लिए 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल' यानी ईएसए पहल सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक और व्यक्तिगत पहल है। मुंबई इंडियंस के वार्षिक ईएसए मैच से पहले सचिन ने अपने बचपन की एक खास याद साझा करते हुए बताया कि कैसे वानखेड़े स्टेडियम में बिताए गए कुछ पल आज भी उनके दिल में बसे हुए हैं। उनका मानना है कि इस बार मैच देखने आने वाले हजारों बच्चों के लिए भी यह अनुभव जीवनभर यादगार रहने वाला है।

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला ईएसए मैच हमेशा बेहद खास होता है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक बड़े-बड़े मुकाबले खेलने के बाद खिलाड़ी विशाल भीड़ के सामने खेलने के आदी हो जाते हैं, लेकिन जब हजारों बच्चे स्टैंड में बैठकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हैं, तो वह अनुभव बिल्कुल अलग होता है। सचिन के अनुसार खिलाड़ियों के लिए भी यह बेहद भावुक और प्रेरणादायक माहौल होता है।

रविवार को जब मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आमने-सामने होंगी, तब वानखेड़े स्टेडियम सिर्फ क्रिकेट का मैदान नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के सपनों और खुशियों का केंद्र बन जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की ईएसए पहल के तहत मुंबई, महाराष्ट्र और गुजरात के पिछड़े इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों, गांवों और विशेष जरूरतों वाले स्कूलों से 20 हजार से ज्यादा बच्चों को मैच देखने के लिए लाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत नीता अंबानी ने की थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा और खेल के जरिए बच्चों को प्रेरित करना है। इस बार पहली बार नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के 100 दृष्टिहीन बच्चे भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। वे अपने साथियों के साथ स्टेडियम में बैठकर मैच का अनुभव करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने इस मौके पर 1983 की एक याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि जब वेस्टइंडीज की दिग्गज टीम भारत दौरे पर आई थी, तब वह वानखेड़े स्टेडियम के नॉर्थ स्टैंड में बैठकर भारतीय टीम का समर्थन कर रहे थे। सचिन ने कहा कि वह अनुभव आज भी उनके दिल में ताजा है और उन्हें विश्वास है कि आज स्टेडियम में आने वाले बच्चों के साथ भी ऐसी ही यादें जीवनभर रहेंगी।

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य हैं और आज यदि हम उनके लिए कुछ बेहतर कर सकते हैं, तो उसका सकारात्मक असर आने वाले समय में पूरे देश पर दिखाई देगा। उन्होंने सभी से बच्चों को प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने की अपील की। बच्चों के लिए इस विशेष आयोजन को यादगार बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं। आयोजन में 500 से अधिक बसों, 2000 वॉलंटियर्स, पुलिसकर्मियों, मेडिकल टीमों और एक लाख से ज्यादा फूड बॉक्स की व्यवस्था की गई है, ताकि हर बच्चा इस दिन को जिंदगीभर याद रख सके।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद टॉप-2 में नहीं पहुंच सकी सनराइजर्स, डेनियल विटोरी ने बताई टीम की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय शीर्ष क्रम के विस्फोटक बल्लेबाजों और अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण को दिया है। हालांकि टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 55 रन की शानदार जीत के बावजूद नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह नहीं बना सकी और तीसरे स्थान पर रही। अब सनराइजर्स को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। मैच के बाद डेनियल विटोरी ने कहा कि टीम ने पूरे सीजन में बेहतरीन क्रिकेट खेली है और नौ जीत दर्ज करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हर चीज हासिल करना संभव नहीं होता, लेकिन जिस तरह खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया, उससे टीम संतुष्ट है। विटोरी ने माना कि नेट रन रेट के कारण टीम थोड़ा पीछे रह गई, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा।

सनराइजर्स हैदराबाद अब बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में मैदान पर उतरेगी। प्लेऑफ से पहले विटोरी ने टीम के मध्यक्रम को लेकर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पूरे सीजन में इतनी शानदार बल्लेबाजी की कि मध्यक्रम को ज्यादा मौके ही नहीं मिले। ऐसे में बड़े मुकाबलों से पहले टीम इस पहलू पर ध्यान देगी ताकि जरूरत पड़ने पर मध्यक्रम भी दबाव संभाल सके। विटोरी ने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईशान मलिंगा, पैट कमिंस और साकिब हुसैन की तिकड़ी ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में बड़ा अंतर पैदा किया। उनके अनुसार गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का शानदार साथ दिया और यही वजह रही कि टीम लगातार जीत दर्ज करने में सफल रही। विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति हमेशा पांचवें और छठे गेंदबाज के विकल्प पर आधारित रहती है और यह टीम संतुलन के लिए बेहद अहम होता है।

उन्होंने बताया कि पिच की परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने इस मुकाबले में हर्षल पटेल को मौका दिया था, लेकिन टीम के पास प्रफुल्ल हिंगे और हर्ष दुबे जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। विटोरी ने कहा कि पिछले 12 मैचों में से आठ में जीत दर्ज करना टीम के सामूहिक प्रदर्शन को दर्शाता है और बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी इकाई ने भी बेहतरीन तालमेल दिखाया। वहीं दूसरी ओर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने हार के बावजूद टीम के शीर्ष स्थान पर रहने पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि आईपीएल जैसी प्रतिस्पर्धी लीग में अंक तालिका में शीर्ष पर रहना बड़ी उपलब्धि है। फ्लावर के मुताबिक टीम ने पूरे सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और प्लेऑफ से पहले खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास से भरे हुए हैं।

विराट-हेड की मैदान पर हुई नोकझोंक पर बोले इरफान पठान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच हुई तीखी बहस चर्चा का विषय बनी हुई है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उच्च स्तर की क्रिकेट में इस तरह की प्रतिस्पर्धा और तनाव सामान्य बात है। उन्होंने इसे खेल की आक्रामक भावना का हिस्सा बताया। मैच के दौरान विराट कोहली और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड के बीच जमकर जुबानी जंग देखने को मिली। बताया गया कि कोहली ने हेड पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें लगातार इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान से बाहर रहने के बजाय गेंदबाजी भी करनी चाहिए। इसके कुछ समय बाद विराट 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद ट्रैविस हेड ने भी पलटवार करते हुए उन पर कटाक्ष किया। मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 55 रन से जीत दर्ज की, लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच तनाव मैच समाप्त होने के बाद भी दिखाई दिया। मैच खत्म होने के बाद ट्रैविस हेड ने विराट कोहली से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज बिना प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गए। इस घटना पर इरफान पठान ने कहा कि विराट हमेशा से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों जैसी आक्रामक मानसिकता के साथ खेलना पसंद करते हैं। उनके अनुसार मैदान पर थोड़ी नोकझोंक, जोश और दबाव में खेलना प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का स्वाभाविक हिस्सा है। पठान ने कहा कि जब दोनों टीमें अंक तालिका में महत्वपूर्ण स्थान के लिए संघर्ष कर रही हों तो ऐसी घटनाएं होना असामान्य नहीं माना जाना चाहिए।

गली क्रिकेट में गांगुली ने लगाया शतक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक बार फिर अपने पुराने अंदाज से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है। 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' और 'ऑफ साइड के भगवान' के नाम से मशहूर गांगुली ने करीब 14 साल बाद गली क्रिकेट में बल्ला थामा और धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

सौरव गांगुली ने साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि इसके बाद वह कुछ समय तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते रहे, लेकिन 2012 के बाद उन्होंने पूरी तरह पेशेवर क्रिकेट से दूरी बना ली थी। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली लगातार प्रशासनिक भूमिकाओं में सक्रिय रहे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी भी संभाली। लंबे समय बाद उन्हें बल्ले के साथ मैदान पर देखकर फैंस पुराने दिनों को याद करने लगे।

हाल ही में खेले गए एक गली क्रिकेट मुकाबले में सौरव गांगुली ने अपनी क्लास और आक्रामकता दोनों का शानदार प्रदर्शन किया। वायरल वीडियो के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 68 गेंदों में 132 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच के दौरान एक खास नियम बनाया गया था कि गांगुली को तीन बार आउट होने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति होगी। लेकिन दादा ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि उनके लिए एक मौका ही काफी है। हालांकि मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के आग्रह पर वह दो बार बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद गांगुली ने चौकों और छक्कों की झड़ी लगा दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

सौरव गांगुली का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने भारत के लिए टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया। गांगुली ने 113 टेस्ट मैचों में 42.17 की औसत से 7212 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं 311 वनडे मुकाबलों में उन्होंने 11363 रन बनाए और 22 शतक तथा 72 अर्धशतक अपने नाम किए। वनडे क्रिकेट में उनका स्ट्राइक रेट 73.70 का रहा।

एक बल्लेबाज के साथ-साथ कप्तान के रूप में भी सौरव गांगुली का योगदान भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद अहम माना जाता है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2003 के वनडे विश्व कप के फाइनल तक का सफर तय किया था। गांगुली को भारतीय क्रिकेट में नई आक्रामक सोच लाने वाले कप्तानों में गिना जाता है। अब गली क्रिकेट में उनकी धमाकेदार वापसी ने फैंस को फिर से पुराने सुनहरे दिनों की याद दिला दी है।

केंद्र सरकार ने लॉन्च की भव्य योजना, 33,660 करोड़ का बजट मंजूर

देश भर में बनाए जाएंगे 100 इंडस्ट्रियल पार्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भव्य (भारत औद्योगिक विकास योजना) योजना के दिशा-निर्देश लॉन्च कर दिए हैं। जिसके तहत सरकार देश भर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की तैयारी कर रही है। इस योजना के लिए 33,660 करोड़ रूपए का वित्तीय परिव्यय यानी फाइनेंशियल आउटले तय किया गया है, जो राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क के जरिए मैन्युफैक्चरिंग और इन्वेस्टमेंट हब बनाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने करीब दो महीने पहले इस योजना को मंजूरी दी थी। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि राज्य सरकारें औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराएंगी।

अगले 4 महीनों में राज्यों से मांगे आवेदन

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पहले दो महीनों में 20 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इसके बाद के दो महीनों में अन्य 30 पार्कों के लिए आवेदन लिए जाएंगे, जबकि बचे हुए 50 पार्कों को अगले फेज में शामिल किया जाएगा। सरकार अगले

चार महीनों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आवेदन आमंत्रित कर रही है। केंद्र सरकार की योजना शुरुआत में 50 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन हासिल करने की है, ताकि देश भर में इस योजना को तेजी से लागू किया जा सके।

नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत होगा विकास

इस योजना का उद्देश्य पहले से स्वीकृत जमीन, तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटीग्रेटेड सर्विसेज के साथ निवेश के लिए तैयार इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाना है। इससे उद्योगों को अपना कामकाज जल्दी शुरू करने में मदद मिलेगी। इन पार्कों का विकास नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम के स्ट्रक्चर के तहत राज्यों और प्राइवेट सेक्टर के प्लेयर्स के साथ मिलकर किया जाएगा। सरकार द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक, इन इंडस्ट्रियल पार्कों का आकार 100 से 1,000 एकड़ के बीच होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए सरकार प्रति एकड़ 1 करोड़ तक की वित्तीय सहायता देगी। इस सहायता के तहत आंतरिक सड़कें, अंडरग्राउंड यूटिलिटीज, ड्रेनेज सिस्टम, कॉमन ट्रीटमेंट फैसिलिटीज, वेयरहाउसिंग, टेस्टिंग लैब्स और श्रमिकों के लिए आवास की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पहाड़ी राज्यों के लिए 25 एकड़ जमीन पर भी इंडस्ट्रियल पार्क को मंजूरी दी जा सकती है।

राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और हरियाणा ने जताई रुचि

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो राज्य जमीन, पानी और बिजली जैसी बेहतर सुविधाएं देंगे, वे निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और हरियाणा ने इस योजना में रुचि दिखाई है। राज्यों के पास प्राइवेट सेक्टर के प्लेयर्स के साथ साझेदारी करके प्रस्ताव सौंपने का भी प्रावधान है, जिसके तहत केंद्र सरकार 50 लाख प्रति एकड़ की सहायता प्रदान करेगी।

राज्यों को सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम बनाने के निर्देश

जल्दी मंजूरी सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को स्पेशल पर्पज व्हीकल्स स्थापित करने, प्लानिंग अथॉरिटीज को नोटिफाई करने और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम बनाने के लिए कहा गया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने उम्मीद जताई है कि अगले तीन सालों में ये 50 पार्क पूरी तरह चालू (ऑपरेशनलाइज्ड) हो जाएंगे।

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत होगा काम

ये इंडस्ट्रियल पार्क पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार किए जा रहे हैं। इनका फोकस मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, कुशल लास्ट-माइल एक्सेस और इंटीग्रेटेड अंडरग्राउंड यूटिलिटी कॉरिडोर्स पर होगा, ताकि मेंटेनेंस से जुड़ी बाधाओं को कम किया जा सके। सरकार ने कहा कि इन पार्कों में ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल रिसोर्स के उपयोग के प्रावधान भी शामिल होंगे।

क्लस्टर-बेस्ड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा

सरकार का कहना है कि इस योजना से क्लस्टर-बेस्ड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे मैन्युफैक्चरर्स, सप्लायर्स और सर्विस प्रोवाइडर्स को एक-दूसरे के करीब काम करने का मौका मिलेगा, जिससे घरेलू सप्लाई चेन मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

अजय राय के अभद्र बयान पर बीजेपी...राहुल या प्रियंका गांधी वाड्रा के इशारे पर दिया

लखनऊ। कांग्रेस नेता अजय राय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, कांग्रेस नेता राय के बयान को लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताया है। राजनीतिक माहौल में तनाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है।

उत्तरप्रदेश सरकार में मंत्री अनिल राजभर ने राय के बयान की कड़ी निंदा कर प्रशासन से तत्काल उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। राजभर ने कहा कि इसतरह के व्यक्ति समाज के लिए खतरा हैं और उन्हें किसी भी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं पर जोर देकर कहा कि हर चीज की एक हद होती है, चाहे वह विरोध हो या विचारों की अभिव्यक्ति। राजभर के अनुसार, भाषा की गरिमा को तार-तार करने वाली ऐसी टिप्पणियां कभी स्वीकार नहीं की जा सकतीं।

वहीं भाजपा विधायक कैलाश राजपूत ने भी मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोलकर कहा कि पार्टी नेताओं की बुद्धि भ्रष्ट हुई है। उन्होंने राहुल गांधी के पूर्व के बयानों का हवाला देकर आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता इस मानसिकता में पले-बढ़े हैं कि प्रधानमंत्री का पद केवल उनके परिवार के लिए ही आरक्षित है, जैसा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के समय था। विधायक राजपूत ने अजय राय को चेतावनी दी कि यदि ऐसी अमर्यादित भाषा जारी रही, तब उत्तर प्रदेश की जनता उन्हें प्रदेश में घुसने नहीं देगी और उन्हें गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

इस कड़ी में, भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि किसी भी विपक्षी दल का नेता, खासकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस का कोई छोटा-मोटा नेता भी, प्रधानमंत्री मोदी के लिए इसतरह की निम्न-स्तरीय, घटिया और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकता। उन्होंने अजय राय से यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि क्या राहुल या प्रियंका गांधी ने उन्हें ये शब्द कहने के लिए कहा था।

बीजेपी अवसरवादियों और स्वार्थी लोगों की पनाहगाह नहीं, नई एंट्री बैन- भट्टाचार्य

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद टीएमसी समर्थकों के जज्बात बदल गए। पूरे राज्य में कुछ ही घंटों में कई टीएमसी समर्थकों ने केसरिया चोला पहन लिया। आलोचक भी तारीफ के पुल बांधने लगे। नई सरकार के शपथ लेने के बाद टीएमसी राज में बनाए गए यूनियन ऑफिसों पर बीजेपी का झंडा और शुभेंदु अधिकारी की तस्वीरें लग गई। बीजेपी में शामिल होने की होड़ मच गई। हालात ऐसे बने कि बंगाल बीजेपी की पहली औपचारिक बैठक में स्पष्ट करना पड़ा कि फिलहाल किसी भी नए सदस्य को पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने दूसरे दलों के सदस्यों को पार्टी में शामिल करने वाले पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी कोई धर्मशाला नहीं है, जहां कोई भी घुस जाए। हम उन लोगों को पार्टी में शामिल नहीं करेंगे, जिन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या की है। बीजेपी के दरवाजे उन लोगों के लिए कभी नहीं खुलेंगे, जो भ्रष्टाचार, वसूली और आतंक की राजनीति में शामिल रहे हैं। यह उन कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जो आदर्शों, नीतियों और देश के हितों के मुताबिक काम करते हैं। यह अवसरवादियों या स्वार्थी लोगों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद पार्टी बदलने का ट्रेंड पुराना रहा है। 2011 में जब तृणमूल कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, तब लाल किला कहे जाने वाले पश्चिम बंगाल में हरे रंग का बोलबाला हो गया। वाम मोर्चे के दौर में बनाए गए ऑटो-रिक्शा, टैक्सी यूनियन समेत कई ट्रेड संगठनों के दफ्तर पर टीएमसी का कब्जा हो गया। इन संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पार्टी बदल ली और वाम मोर्चे के प्रतीकों को खत्म कर दिया। बीजेपी के सत्ता में आने के बाद कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के अधिकतर इलाकों में ट्रेड यूनियनों के ऑफिसों का रंग बदलने लगा है। टीएमसी के पार्षद और जिले के कार्यकर्ताओं में अभी भी भाजपा में शामिल होने की होड़ लगी है। जब इसकी भनक बीजेपी नेताओं को लगी तो उन्होंने पार्टी में शामिल होने की पॉलिसी के साथ कार्यकर्ताओं के नियम लागू कर दिए।

नई गाइड लाइन के मुताबिक बीजेपी के कार्यकर्ता विपक्षी दलों के कार्यालयों और ट्रेड यूनियनों पर कब्जा करने पर भी सख्त रोक लगा दी गई है। सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों, रंगदारी वसूली और सिंडिकेट चलाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पार्टी पदाधिकारियों के आचरण पर नजर रखने के लिए एक अनुशासन समिति का गठन किया गया है। उन्होंने पार्टी के बैनरों के लिए प्रोटोकॉल में बदलाव भी किए हैं। अब पोस्टर और बैनर पर सीएम शुभेंदु अधिकारी की तस्वीर प्रदेश अध्यक्ष से पहले लगानी होगी। चुनाव में जीत की भूमिका लिखने वाले सुनील बंसल भी सक्रिय हुए।

उन्होंने प्रदेश के नेताओं को 25 मई तक बंगाल में 15-सदस्यीय जिला कोर समितियां का गठन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे एकतरफा फैसला न लें, बल्कि कोर कमेटी के साथ मिलकर फैसले लें। सुनील बंसल ने चेतावनी दी कि पिछली गलतियों को तो माफ कर दिया गया है, लेकिन अब से संगठनात्मक चूकों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजस्थान में मंत्री-अफसरों की विदेश यात्राओं पर रोक

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने सहित सात तरह की अपील के बाद राज्य सरकार ने सर्कुलर जारी किया है। मंत्रियों, अफसरों और कर्मचारियों की सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने फ्यूल बचाने के साथ सरकारी विभागों में खर्च घटाने के लिए गाइड लाइन भी जारी की है। सभी विभागों को इसका कठोरता से पालन करने का आदेश दिया गया है।

वित्त विभाग के सर्कुलर के अनुसार-अब सरकारी विभागों और सरकारी संस्थाओं में नए खरीदे जाने वाले वाहन ईवी ही होंगे। मौजूदा पेट्रोल-डीजल के वाहनों को फैजमेनर में ईवी में बदला जाएगा। पहले फेज में शहरों में कामकाज वाले अफसरों के लिए नए वाहन ईवी ही खरीदे जाएंगे। सरकार में ठेके पर लिए जाने वाले वाहनों में भी धीरे-धीरे ईवी की अनिवार्यता लागू की जाएगी।

अफसर-कर्मचारियों को कार पुलिंग के आदेश

एक ही दिशा में रहने वाले अफसर और कर्मचारियों को दफ्तर आने-जाने के लिए कार पुलिंग के आदेश दिए गए हैं। सरकारी और प्राइवेट दोनों वाहनों में कार पुलिंग को प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

बैठकें और कार्यक्रम सरकारी भवनों में ही होंगे

होटलों में सरकारी विभागों, स्वायत्तशासी संस्थाओं, पीएसयू की बैठकों और कार्यक्रमों पर रोक रहेगी। बैठकों से लेकर सभी तरह के आयोजन सरकारी भवनों में ही होंगे। सीएम और मंत्रियों ने काफिलों में वाहन घटा दिए हैं। अब काफिले वाले सभी पदाधिकारियों को वाहनों की संख्या कम करनी होगी। काफिलों में गैर जरूरी वाहन नहीं रहेंगे। प्रदेश में ई-व्हीकल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक्शन प्लान बनेगा। अभी चार्जिंग स्टेशन लगाने के लंबित प्रस्तावों को तत्काल मंजूरी दी जाएगी।

वीसी के जरिए होंगी मीटिंग

सरकार में जहां तक संभव हो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही मीटिंग करने को कहा है, फिजिकल बैठकें कम से कम करने पर जोर देने के निर्देश हैं। सरकारी कामकाज में ई-ऑफिस, ई-फाइल का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। चिट्ठी और फाइल भेजने की जगह राज-काज पोर्टल के उपयोग को प्राथमिकता देने के आदेश दिए गए हैं। सरकारी ट्रेनिंग कार्यक्रमों में कर्मचारियों,अफसरों को एक जगह जुटाने की जगह ऑनलाइन ट्रेनिंग देनी होगी।

राजस्थान राज्यसभा चुनाव- कांग्रेस में टिकट की दौड़ तेज

जयपुर। राजस्थान में 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में टिकट की दौड़ तेज हो गई है। राज्य की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव में राजनीतिक गणित के अनुसार भाजपा को दो और कांग्रेस को एक सीट मिलना लगभग तय माना जा रहा है।

कांग्रेस की इस एकमात्र सुरक्षित सीट के लिए पार्टी के भीतर कई बड़े नेताओं के नाम चर्चा में आ गए हैं। इनमें पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, निवर्तमान राज्यसभा सांसद नीरज डांगी और एआईसीसी मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। राजस्थान से राज्यसभा सांसद नीरज डांगी तथा भाजपा के राजेंद्र गहलोत और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का कार्यकाल 21 जून 2026 को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक कांग्रेस पर इस बार स्थानीय चेहरे को मौका देने का दबाव है, क्योंकि पार्टी के मौजूदा पांच राज्यसभा सांसदों में केवल नीरज डांगी ही राजस्थान के मूल निवासी हैं।

बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले नीरज डांगी दूसरी बार टिकट के लिए सक्रिय हैं। वहीं पवन खेड़ा अपनी मजबूत संगठनात्मक पकड़ और राहुल गांधी के करीबी होने के कारण दावेदारी मजबूत किए हुए हैं। इधर, वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के नाम को लेकर दावा किया जा रहा है, कि पार्टी आलाकमान उनके नाम पर गंभीरता से विचार कर रहा है। फिलहाल टिकट को लेकर दिल्ली से जयपुर तक लॉबिंग तेज हो गई है।

हिदायत/ईएमएस 23मई26

पेपर लीक माफियाओं के लिए काल बने आईपीएस पारिस देशमुख अब बीएसएफ में

जयपुर। राजस्थान के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी पारिस देशमुख को राज्य सरकार ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कार्यमुक्त किया है। वे अब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में डीआईजी के पद पर सेवाएं देने वाले हैं। जिसके लिए उनका चयन हुआ था। पांच साल की इस प्रतिनियुक्ति के साथ, देशमुख ने राजस्थान में अपनी प्रभावशाली पारी का समापन किया है। आईपीएस देशमुख अपनी बीती पोस्टिंग में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) में डीआईजी के तौर पर तैनात थे, जहां उन्होंने राजस्थान को पेपरलीक माफियाओं और नकल गिरोह के चंगुल से निकालने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में एसओजी ने कई बड़े पेपरलीक घोटालों, फर्जी डिग्री रैकेट और नकल माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। इसमें एसआई भर्ती पेपरलीक में बाबू लाल कटारा, कनिष्ठ लिपिकों की भर्ती में पौरव कालेर गिरोह का खुलासा और डमी कैंडिडेट रोशन लाल मीणा की गिरफ्तारी प्रमुख है। देशमुख ने एसओजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर का नवाचार भी किया, जिससे मुन्ना भाईयों को पकड़ने में काफी मदद मिली।

एसओजी से पहले, देशमुख अलवर, चूरू, नागौर, श्रीगंगानगर और सीकर जैसे कई जिलों में एसपी भी रह चुके हैं। उनकी पहचान केवल बौद्धिक क्षमता तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी जांबाजी के किस्से भी मशहूर हैं। कुख्यात गैंगस्टर आनंदपाल सिंह के एनकाउंटर के बाद नागौर के सांवराद में जनआक्रोश के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर साथी पुलिसकर्मियों को भीड़ से सुरक्षित निकाला था, जिसमें वे खुद भी घायल हुए थे। इसके अलावा, 2013 में अलवर में मेवाती गैंग के साथ हुए एनकाउंटर में भी वे गोली के छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे, लेकिन उन्होंने हौसला नहीं छोड़ा और अपनी टीम के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

मूल रूप से महाराष्ट्र के गोंदिया निवासी पारिस देशमुख 2010 बैच के राजस्थान कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वे तकनीकी शिक्षा में माहिर हैं और सिविल सर्विसेज में आने से पहले एनआईआईटी में सॉफ्टवेयर ट्रेनर के रूप में एनडीए कैडेट्स को कंप्यूटर प्रशिक्षण दे चुके थे। उन्होंने महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है।

केरल हार के बाद माकपा में बगावत, विजयन पर इस्तीफे का दबाव

तिरुवंतनमपुरम। केरल में हालिया चुनावी हार के बाद माकपा (सीपीआई-एम) के भीतर गहरे असंतोष और बगावत ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। पार्टी दिल्ली में अपनी तीन दिवसीय समीक्षा बैठक कर रही है, जिसमें विजयन की अनुपस्थिति ने अटकलों को और तेज किया है। यह पहली बार है जब अपने लंबे राजनीतिक जीवन में विजयन को पार्टी के भीतर से इस्तीफे की सीधी मांग का सामना करना पड़ रहा है, इस मांग ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी चौंका दिया है।

सबसे तीखा हमला परस्साला एरिया कमेटी की बैठक में देखने को मिला, जहां एरिया सचिव एस. अजयकुमार ने विजयन को विधायक पद से इस्तीफा देने मांग की। अजयकुमार ने विजयन को चुनावी हार का पूरा जिम्मेदार मानकर कहा कि वे विपक्ष के नेता बनने के योग्य नहीं हैं और उन्हें सम्मानपूर्वक पद छोड़ देना चाहिए। यह आलोचना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अजयकुमार पहले विजयन के घनिष्ठ समर्थक थे और उन्होंने उनके समर्थन में सांस्कृतिक कार्यक्रम तक आयोजित किए थे।

वहीं, तिरुवंबाडी एरिया कमेटी में भी माहौल गरमा हुआ है, जब कुछ सदस्यों ने हार के लिए विजयन के दामाद और राज्य सरकार में मंत्री रहे पी.ए. मोहम्मद रियास को जिम्मेदार माना है। रियास ने हालांकि इस बार अपनी बेपोर सीट से जीत दर्ज की है। विवाद तब और बढ़ गया जब राज्य समिति सदस्य चंद्रन ने रियास के खिलाफ आरोपों के समर्थन में सबूत न दिए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी, जबकि पार्टी नेतृत्व ने समीक्षा बैठकों में खुली आलोचना का स्वागत करने की बात कही थी।

राज्यभर की कई समिति बैठकों में पार्टी के प्रदेश सचिव एम.वी. गोविंदन और पिनराई विजयन की कार्यशैली, सार्वजनिक व्यवहार और कड़क पुरुष तथा डैश मोने जैसे बयानों की कड़ी आलोचना हुई, जिन्हें राजनीतिक नुकसान का कारण और मतदाताओं को पार्टी से दूर करने वाला बताया गया।

हालांकि, इन बढ़ते दबावों के बावजूद, नेतृत्व में किसी बड़े बदलाव के तत्काल संकेत नहीं हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व पहले ही विजयन को केरल विधानसभा में विपक्ष का नेता बनने पर सहमति दे चुका है। माकपा के लिए यह हार लगातार तीसरी बड़ी चुनावी हार है, जो कि 2024 लोकसभा और 2025 स्थानीय निकाय चुनावों के बाद पार्टी की वापसी के दावों को झूठा साबित किया है। इसके बाद कभी वामपंथी गढ़ माने जाने वाले केरल में माकपा अब पिछले कई दशकों के सबसे बड़े आंतरिक संकट का सामना कर रही है।

मासूम बच्ची की हत्या- सड़कों पर जनसैलाब, सीएम विजय पर अन्नामलाई का हमला

सरकार बदली लेकिन राज्य के हालात नहीं बदले

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में दो दिन से लापता 10 वर्षीय बच्ची का शव मिलने के बाद पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है। इस दर्दनाक घटना के विरोध में जनता और परिजनों ने सड़कों पर उतरकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के. अन्नामलाई ने मामले को लेकर राज्य की नवगठित टीवीके सरकार और मुख्यमंत्री विजय पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल, यह दुखद घटना 21 मई को सामने आई थी, जब सुलुर इलाके में अपने घर के पास खेल रही 10 साल की बच्ची अचानक लापता हुई। काफी देर तक घर न लौटने पर माता-पिता और परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। जब कोई सुराग नहीं मिला, तब स्थानीय पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच शुरू की और आखिरकार बच्ची का शव कन्नमपालयम के पास बरामद हुआ। मासूम की मौत की खबर फैलते ही पूरे सुलुर और कोयंबटूर में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। निवासी और पीड़ित परिवार के सदस्य तत्काल न्याय की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने सुलुर में जगह-जगह सड़क जाम कर दी और राज्य की कानून-व्यवस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इलाके में बढ़ते तनाव को देखकर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने बच्ची के शव को तुरंत कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कार्तिक और मोहनराज के रूप में हुई है। पुलिस टीम जब आरोपियों को पकड़ने गई, तब आरोपी कार्तिक ने मौके से भागने की कोशिश की, जिसमें उसके हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि हत्या की असली वजह और घटनाक्रम सामने आ सके।

इस हत्याकांड को लेकर भाजपा नेता अन्नामलाई ने गहरा दुख जताकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सरकार बदलने के बावजूद तमिलनाडु के शासन में कुछ भी नहीं बदला है। अन्नामलाई ने कहा, जो असुरक्षित स्थिति पहले डीएमके सरकार के दौरान बनी हुई थी, वही स्थिति आज भी लगातार जारी है।

ईंधन मूल्य वृद्धि पर तेजस्वी का मोदी सरकार पर हमला-

जनता को भयंकर महंगाई झेलनी पड़ेगी

पटना,(ईएमएस)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आगाह किया कि आने वाले दिनों में जनता को भयंकर महंगाई का सामना करना होगा और अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

राजद नेता यादव ने अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा कि मोदी सरकार ने फिर ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते मात्र दस दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब पांच रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जो प्रतिदिन 50 पैसे की बढ़ोतरी के बराबर है। उन्होंने याद दिलाया कि जब 2014 में कच्चे तेल की कीमतें काफी कम थीं, तब भी सरकार ने निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए जनता की जेब काटी थी। तेजस्वी ने दावा किया कि अब जब कच्चे तेल का भाव 2014 से भी कम है, तब भी पेट्रोल-डीजल के दाम दोगुने हुए हैं, जिससे केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

राजद नेता ने गंभीर परिणाम गिनाकर कहा कि इस मूल्य वृद्धि से भयंकर महंगाई आएगी, लाखों निजी क्षेत्र की नौकरियां जाएंगी, प्रवासी श्रमिक फिर से अपने घरों को लौटेंगे और लघु उद्योग-धंधे कम होंगे, जिससे गरीबी और बेरोजगारी में भारी वृद्धि होगी। उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं पर निशाना साधकर कहा कि उसे नफरत का कारोबार, भाषणबाजी, रील्स और एंटरटेनमेंट के लिए चुना गया है, इसलिए यही फुल एंटरटेनमेंट मिलता रहेगा। राजद नेता यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का ध्यान नौकरी, गरीबी, महंगाई, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था जैसे मूलभूत मुद्दों पर केंद्रित होने की बजाय संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग, हेडलाइन मैनेजमेंट, हिंदू-मुस्लिम और स्थलों के नाम बदलने पर रहेगा। गौरतलब है कि सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 87 पैसे और 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। यह बीते करीब दस दिनों में तीसरी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। इस वृद्धि के पीछे वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव को प्रमुख कारण बताया जा रहा है, जिसका सीधा असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है और अंततः उपभोक्ताओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

न्यूज गैलरी

आंबेडकर चौक में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को पीछे से मारी टक्कर

पति-पत्नी घायल-महिला हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के अंबेडकर चौक में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी घायल हो गए। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां गंभीर रूप से घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घायल महिला शशिकला पति घनश्याम हरदे 35 वर्ष ग्राम करवाही थाना ग्रामीण बालाघाट निवासी है। इस दुर्घटना में इस महिला के पति बुधराम हरदे 40 वर्ष को मामूली चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम करवाही निवासी घनश्याम हरदे खेती किसानी करते हैं।

23 मई को घनश्याम अपनी पत्नी शशिकला हरदे को इलाज के लिए मोटरसाइकिल में बालाघाट नगर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित आरोग्य हॉस्पिटल लेकर आए थे। वहा से वे पत्नी को सोनोग्राफी कराने के लिए मोटरसाइकिल में नगर के गुजरी चौक स्थित एक निजी अस्पताल ले जा रहे थे। बताया गया कि 4:00 बजे करीब घनश्याम अपनी पत्नी शशिकला को मोटरसाइकिल से लेकर हनुमान चौक होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचे और वहां से काली पुतली चौक की ओर मुड़ रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों पति-पत्नी मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े। हादसे में शशिकला गंभीर रूप से घायल हो गई।जबकि घनश्याम को मामूली चोटें आईं। मौके पर तैनात यातायात के आरक्षक गुमान ताराम ने तत्परता दिखाते हुए राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को एक कार से जिला अस्पताल पहुंचाया। शशिकला के सिर और दोनों पैरों में गंभीर चोटें पाई। जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार कर शशि कला को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने घायल घनश्याम का बयान दर्ज कर मामले की तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दी है। कोतवाली पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को अपने कब्जे कर जांच शुरू कर दी।

वार्ड 13 और 14 की महिलाओं ने शराब दुकान के विरोध में लगाए नारे, प्रशासन से दुकान नहीं खोलने की करी मांग

संभावित शराब दुकान स्थानांतरण की खबर से भड़की महिलाएं, वार्ड में किया विरोध प्रदर्शन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक 13 और 14 की महिलाएं शनिवार 23 मई को भीषण गर्मी के बीच अचानक स्थानीय रैन बसेरा के सामने मैकेनिक नगर क्षेत्र में एकत्रित हो गईं। महिलाओं ने वहां संभावित शराब दुकान खोले जाने के विरोध में जमकर नारेबाजी की और वार्ड में दारू दुकान नहीं लगेगी जैसे नारे लगाए। महिलाओं से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी में संचालित शराब दुकान को उनके क्षेत्र में स्थानांतरित किए जाने की तैयारी चल रही है। इसी आशंका को लेकर वार्ड की महिलाएं विरोध दर्ज कराने के लिए एकजुट हुईं। महिलाओं ने निर्माणाधीन कमरे के सामने पोस्टर लगाकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं का कहना था कि यदि उनके वार्ड में शराब दुकान खोली गई तो क्षेत्र का माहौल खराब होगा और महिलाओं व बच्चों पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने साफ कहा कि वे किसी भी स्थिति में अपने वार्ड में शराब दुकान खुलने नहीं देंगी। महिलाओं ने जिला प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र में शराब दुकान खोलने या स्थानांतरित करने जैसी किसी भी प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं और उन्होंने एकजुट होकर विरोध जताया। हालांकि अभी तक प्रशासन की ओर से यह आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया है कि वार्ड क्रमांक 12 की बूढ़ी शराब दुकान को इस क्षेत्र में स्थानांतरित किया जा रहा है या नहीं। लेकिन क्षेत्रीय परिसीमन और जोन की स्थिति को देखते हुए यह क्षेत्र संबंधित शराब दुकान के दायरे में माना जा रहा है। फिलहाल किसी प्रकार की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन संभावित स्थानांतरण की चर्चा ने क्षेत्र में विरोध का माहौल बना दिया है।

शहर में शराब दुकानों के स्थानांतरण को लेकर महिलाओं का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से अलग-अलग वार्डों में शराब दुकान खोलने अथवा स्थानांतरित किए जाने की चर्चाओं के बीच अब एक बार फिर वार्ड क्रमांक 13 और 14 की महिलाएं विरोध में सड़क पर उतर आईं। महिलाओं ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन उनके वार्ड में शराब दुकान नहीं खुलने दी जाएगी। दरअसल शहर में पहले भी शराब दुकान स्थानांतरण को लेकर कई बार विवाद की स्थिति बन चुकी है। कुछ समय पहले वार्ड क्रमांक 24 सुरभि नगर से शराब दुकान को हटाकर वार्ड क्रमांक 25 मोती नगर चौक क्षेत्र में स्थापित किए जाने की चर्चा के दौरान वहां की महिलाओं ने दिन-रात धरना देकर विरोध जताया था। इसके बाद सेन चौक क्षेत्र में भी जब महिलाओं को यह जानकारी मिली कि वार्ड क्रमांक 33 के आसपास शराब दुकान लाई जा सकती है, तब महिलाओं ने रात के अंधेरे में हाथों में डंडे लेकर पहरेदारी तक शुरू कर दी थी। महिलाओं को डर था कि कहीं प्रशासन या संबंधित विभाग रातों-रात दुकान स्थापित न कर दे। यही कारण था कि कई दिनों तक महिलाएं संभावित स्थानों पर देर रात तक निगरानी करती रहीं। अब ठीक वैसा ही माहौल एक बार फिर शहर के वार्ड क्रमांक 13 और 14 में देखने को मिला। 23 मई की दोपहर करीब 12:30 बजे भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में महिलाएं अपने छोटे बच्चों और परिजनों के साथ मैकेनिक नगर के पीछे स्थित निर्माणाधीन तालाब क्षेत्र पहुंच गईं। महिलाओं के हाथों में छाते थे और मौके पर पहुंचते ही उन्होंने शराब दुकान के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। वार्ड निवासी महिला श्रीमती राहागडालें और उषा पांडे ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें रात में ही यह जानकारी मिली थी कि वार्ड क्रमांक 12 क्षेत्र में संचालित बूढ़ी शराब दुकान को हटाकर वार्ड क्रमांक 13 और 14 क्षेत्र में स्थानांतरित किए जाने की तैयारी चल रही है। महिलाओं का कहना था कि वार्ड क्रमांक 12 की महिलाएं पिछले एक महीने से अधिक समय से शराब दुकान हटाने को लेकर आंदोलन कर रही हैं और अब उसी दुकान को उनके वार्ड में लाने की कोशिश की जा रही है। महिलाओं ने कहा कि जिस स्थान को लेकर चर्चा चल रही है, वहां आसपास गार्डन है, रैन बसेरा क्षेत्र है और स्कूल जाने वाले बच्चों का रोजाना आवागमन होता है। ऐसे स्थान पर शराब दुकान खुलने से पूरे क्षेत्र का माहौल खराब होगा और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगेगा। महिलाओं का कहना था कि इससे बच्चों और परिवारों पर नकारात्मक असर पड़ेगा तथा क्षेत्र की शांति और सुरक्षा प्रभावित होगी। स्थिति उस समय और अधिक तनावपूर्ण हो गई जब नगर पालिका बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी की गाड़ी कुछ इंजीनियरों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंची। नगर पालिका की टीम दरअसल तालाब निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंची थी, लेकिन महिलाओं को लगा कि अधिकारी शराब दुकान के लिए स्थान का सर्वे करने आए हैं। इस गलतफहमी के चलते माहौल अचानक गरमा गया और महिलाओं ने मौके पर विरोध तेज कर दिया। महिलाओं ने तत्काल अन्य वार्डवासियों को फोन कर बुलाना शुरू कर दिया और थोड़ी ही देर में बड़ी संख्या में महिलाएं वहां एकत्रित हो गईं। विरोध के बीच महिलाओं ने आनन-फानन में शराब दुकान विरोधी फ्लेक्स भी लगवा दिया। महिलाएं लगातार नारेबाजी करते हुए शराब दुकान का विरोध करती रहीं। हालांकि बाद में नगर पालिका कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि उनका दौरा केवल तालाब निर्माण कार्य के निरीक्षण के लिए था और शराब दुकान से उनका कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद महिलाओं का आक्रोश कम नहीं हुआ। महिलाओं ने साफ कहा कि चाहे प्रशासन कुछ भी कहे, लेकिन वे अब किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं करेंगी। महिलाओं का कहना है कि यदि शराब दुकान स्थानांतरण की कोई भी कोशिश की गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे लगातार वार्ड के संभावित क्षेत्रों में निगरानी रखेंगी और आवश्यकता पड़ने पर दिन-रात पहरेदारी भी करेंगी ताकि रातों-रात कहीं दुकान स्थापित न कर दी जाए। शहर में शराब दुकानों को लेकर बढ़ता विरोध अब केवल एक वार्ड तक सीमित नहीं रह गया है। अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाएं खुलकर सामने आ रही हैं और अपने वार्डों में शराब दुकान का विरोध कर रही हैं। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में शराब दुकान स्थानांतरण का मुद्दा और अधिक गरमा सकता है।

शराब पीने रुपए नहीं देने पर केशव ने की थी पत्नी नीलू की हत्या-आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम बाकीगुडा में नीलू धुर्वे 46 वर्ष की हत्या उसी के पति केशव धुर्वे ने की थी। मलाजखंड पुलिस ने केशव धुर्वे को गिरफ्तार कर लिया है। शराब पीने रुपए देने के विवाद पर से केशव धुर्वे ने अपनी पत्नी नीलू के सिर में चोट पहुंचाकर और गला दबाकर इस वारदात को अंजाम दिया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केशव धुर्वे अपने परिवार के साथ गांव में रहकर खेती-किसानी का कार्य करता है। और वह शराब पीने का आदी था और शराब के नशे में अपनी पत्नी नीलू धुर्वे के साथ झगड़ा करते रहता था। बताया गया कि घटना से करीब पांच दिन पहले केशव धुर्वे की बड़ी बेटी सोनम और बेटा सूरज अपनी बड़ी बहन के घर बिलासपुर गए हुए थे। जबकि छोटी बेटी संध्या धुर्वे बालाघाट में रहकर पढ़ाई करती है। 20 मई की सुबह करीब 9 बजे केशव धुर्वे अपनी पत्नी नीलू के साथ घर में मौजूद था। उसी दिन उसका पिता धनसिंह धुर्वे रिश्तेदारी में तरेगांव मंडई गया हुआ था। अगले दिन 21 मई को दोपहर 3:30 बजे करीब केशव धुर्वे ने गांव के सरपंच झामसिंह के घर पहुंचा और बताया कि तुम्हारी बहन नीलू घर में मौत हो गई है।सूचना मिलते ही सरपंच झामसिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि नीलू धुर्वे घर के अंदर जमीन पर बिस्तर में पड़ी हुई थी। उसके नाक और मुंह से खून निकल रहा था। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।घटना की जानकारी मिलने पर केशव का पिता धनसिंह धुर्वे भी घर पहुंच गया था जिसने मलाजखंड पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।मलाजखंड पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव पंचनामा कार्रवाई की गई । चिकित्सकों की टीम के द्वारा नीलू धुर्वे के शव का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नीलू धुर्वे की गला दबाने के कारण दम घुटने से मौत होने का उल्लेख किया गया था। मर्ग जांच दौरान आए परिस्थितिजन्य साक्ष्यों तथा मामले में फरियादी धन सिंह धुर्वे एवं ग्रामीणों के द्वारा संदेह व्यक्त किया गया की नीलू धुर्वे और उसके पति केशव धुर्वे दोनों आपस में आए दिन विवाद करते रहते थे तथा केशव शराब पीकर उसके साथ लड़ाई झगड़ा करते रहता था ।20 मई की प्रातः 9:00 बजे से 21 मई को दोपहर 3:30 बजे के बीच दोनों के अलावा अन्य कोई व्यक्ति घर में नहीं था। नीलू धुर्वे के साथ जो घटना हुई है ।उसके पति केशव के द्वारा ही की जा सकती थी। इसके बाद मामला यह सामने आया कि 21 मई को सुबह 9:00 बजे केशव धुर्वे ने पहले से ही शराब पी हुई थी इसके बाद भी उसने अपनी पत्नी नीलू धुर्वे से शराब पीने के लिए 50 रुपये मांगा था किंतु उसने शराब पीने के लिए रुपए नहीं दी। इसी को लेकर के दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया और और केशव धुर्वे ने आवेश में आकर कोई ठोस वस्तु से उसके सिर में वार किया और गला दबा दिया था। जिससे नीलू धुर्वे की मौत हो गई। मलाजखंड पुलिस ने मर्ग जांच उपरांत नीलू धुर्वे की हत्या करने के आरोप में पति केशव धुर्वे के विरुद्ध धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया। मामले में केशव धुर्वे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट